

II

Tentative Agenda for the Full C.C. meeting
to be held from 11th to 13th January, 1955.
Time: - Morning From 8 A.M. - 11 A.M.
Evening From 2 P.M. - 5 P.M.

1. Prayer and Roll-call.

2. Matters arising out of the last minutes.

3. Reports:-

- a) From Synods, if any.
- b) C.C. Commission on Tabitha School.
- c) C.C. Commission on Rev. Paulus Eurti's affairs (Tinsukia)
- d) C.C. Committee for enquiry into the non-realisation of house rent in the G.E.L.C. Church camp Ranchi.
- e) Evanston (W.C.C. meeting)
- f) Committee for framing T.A. Rules.
- g) Reports from Institutions.
- h) Audit report of G.E.L.C. Press.
- i)
- j)

4. Transfers and Appointments:-

- a) Appointment of Head Masters in Proposed Lutheran High Schools Marcha and Rajgangpur.
- b) Appointment of Church Auditor.
- c) Transfer of Rev. L. Kongari, Rev. Nicodim (Bhuinyam) Rev. L. Lakra and Rev. P. S. Kujur.
- d) Transfer of Mr. Christorae Surin (Head Master, Lutheran M.E. School Marcha) and Mr. Soshan Topno (Head Master Lutheran M.E. School, Govindpur)
- e) Rax Transfer of Rev. Y. Dang (Jurdag)

5. Surguja matters:-

- a) Matters out of Surguja Board's minutes.
- b)
- c)

6. Marcha matters-Review of the situation.

7. Letter from the Director, Department of World Mission LWF dated November 28, 1954.

(b) Letter from Director, Department of Theology L.W.F. dated

8. Property Matters.

9. Treasurer's Matters- Financial Statement, Budget for 1955.

10. G.E.L.C. Ministerium's Matters.

11. Head Supervisor's matters.

12. G.E.L.C. Mahasabha 1955.

B.L.

Secretary,
G.E.L.C. Church, Ranchi.

Miss Seteng Hapadaya } one for Headmaster's shop
Miss Bahalen Bage } another for Mahila Sammellan
Bachika Sautashii Hino } for Jan-April
Seteng } in charge of Boarding
Bahalen } until April

In June - leadership by schoolboys.

at present - Pravin Samad -
(Khuichy), Shamdasin Lakam, Seteng + Bahalen,
Mandli Sewti - should be installed formally
for service.

Rs 150/- for Pravin
Seteng - Rs 20/-
Bahalen - Rs 20/-
Kawor - Rs 30/-
3 students @ Rs 10/- = Rs 30/-

Total Rs 100/-

Miss Schmidt: If cc goes for 10/-

Tabitha will give Rs 5/-
Standard - Mahicudate
For - two years

From Jan 55 - 10 students @ Rs 10/- = 100/-
cc 20 - " @ Rs 10/- 200/-

Contac - Chin free Basic for school
after two years for appointment.

Standard after Tabitha try = for try.
Conditions of admission: probation -
Adm. examination.

- Agenda:- (1) Suggestions from Rev. J. Gausdal, Superintendent Ebenezer Lutheran Church, Benagaria (S.P) for a Constitution joining the Gossner Evangelical Lutheran Church and Ebenezer Evangelical Lutheran Church into one United Church Body.
- (2) Mandli Paise - Solutions to overcome difficulties in realising it
- (3) Examination of Draft Cominty Rules.
- (4) Draft J. A. Rules.

पूजा चर्च कौंसिल और गौसदर कलीशा मिनिसिरियम की सम्मिलित बैठकी का प्रारम्भ प्रार्थना सहित हुआ। प्रेसिडेन्ट ने प्रार्थना में प्रणुवाई की।

२. उपस्थिति :- आज की उपस्थिति ऐसी थी - चर्च कौंसिल सदस्य - २१, मिनिसिरियम सदस्य - ४८, नाम अनुसार निम्नलिखित सज्जन उपस्थित थे :-

- | | | |
|------------------------------------|----------------------------|--------------------------|
| १. प्रेसिडेन्ट जे. लकडा। | १८. पाद्री जकारियाह खल्लो। | १८. श्री ललित मोहन सडिल। |
| २. रिक्वेरी एन. ई. होरो। | १९. " सिल्लस नागे। | १९. " योहन धान। |
| ३. खजोर्चा - जेड. होरो। | २०. " हविल डंगडंगा। | २०. " मनसिद्ध तोपने। |
| ४. बोर्ड सेक्रेटरी पी. डी. कडुलना। | २१. " खुरम कल्याण भंगरा। | २१. " हरीश सुनिन। |
| ५. पाद्री सनोष सुनिन। | २२. " लुथर कोनगाडी। | २२. " इसाहक तोपने। |
| ६. " विजय प्रसाद। | २३. " जोहन कुजुर। | २३. " प्रेमचान्द होरो। |
| ७. " मनसिद्ध हेमरोम। | २४. " मनसिद्ध तोपने। | २४. " रत्नोचित मेहता। |
| ८. " हविल तोपने। | २५. श्री गजप्रल कडुलना। | |

मिनिसिरियम सदस्य।

- | | | |
|----------------------------|-----------------------------|---------------------------|
| १. पाद्री दानिएल लकडा। | १६. पाद्री शरशा पुरती। | ३१. पाद्री खुरम उमल्ल जग। |
| २. " पूरा प्रसाद टोप्यो। | १७. " इलियाजर रक्का। | ३२. " खुरमपाल जोरा। |
| ३. " खुरम कल्याण भंगरा। | १८. " प्रेमसुरत कुजुर। | ३३. " पैल बेक। |
| ४. " लुथर कोनगाडी। | १९. " खुरम विल्लोक्त रक्का। | ३४. " खुरम नमजान होरो। |
| ५. " प्रेमस तोपने। | २०. " सामुएल डंगडंगा। | ३५. " धेन्नीदिग कुजुर। |
| ६. " प्रसाद होरो। | २१. " खुरमोचित मेल। | ३६. " इतमान गुरिया। |
| ७. " प्रभुदयाल सोरेग। | २२. " निकोदिम कडुलना। | ३७. " चर्मदास तिगा। |
| ८. " मनसिद्ध किंडी। | २३. " इमानुएल वाडा। | ३८. " लौरन्स लकडा। |
| ९. " मसीहदास लकडा। | २४. " योहन तोपने। | ३९. " योहन टोप्यो। |
| १०. " प्रभुस वडा। | २५. " प्रेमस कुजुर। | ४०. " युनस डांग। |
| ११. " इलियाजर किंडी। | २६. " सिल्लस डंगडंगा। | ४१. " युनस सुनिन। |
| १२. " निकोदिम भुईया। | २७. " सामुएल निक्का। | ४२. " मादिन जोडि। |
| १३. " सिंगुंग सुलेमान सोय। | २८. " लुथियस सुनिन। | ४३. " नथानिएल मुनु। |
| १४. " पतरस नागे। | २९. " पैल विनिफ्रेड लकडा। | ४४. " युसफ कडुलना। |
| १५. " सद्रक रक्का। | ३०. " खुरमोचित कडुलना। | ४५. " सुलेमान भोय। |
| ४७. " प्रेमदास लकडा। | ४८. पाद्री मसीहप्रकास जोरा। | ४६. " जकारियाह नोदवा। |

3. Agenda (1) - Suggestions from Rev J. Garudal for a Constitution joining the G.E.L. Church and Ebenezar Ev. Luth. Church into one United Body.

रेव. गार्डल की सलाह सभा के सामने रखी गई जिसकी लिखित प्रति सभा सचिव को दी गई। प्रेसिडेंट ने विषय का प्रवेशन विस्तृत रूप में सभा के सामने दिया। Suggestions का आशय यह है कि गाराकर्त पथु की अधिकांश माहिरा के लिये उसकी कलीशा को इस जगत में मजबूत करने के लिये जोससवर एवं जेनिकल लुथेरान कलीशा और एवं जेनिकल लुथेरान कलीशा एक विधान ग्रहण (adopt) कर एक संस्था बन जावे। इस एक संस्था या कलीशा का नाम "उत्तर एवं जेनिकल लुथेरान कलीशा" या "Northern Evangelical Lutheran Church" या "मरांग एवं जेनिकल लुथेरान कलीशा" रखा जायागा। दोनों कलीशाओं (G.E.L. Church और Ebenezar Ev. Luth. Church) के धर्म शिदा की नींव बड़े अतः दोनों के एक में मिल जाने पर भी एक नींव रहेगी।

संगठन के अनुसार स्थानीय मंडली एक पाद्री के जिम्मा रहेगा। पाद्री की सहायता के लिये एक निर्वाचित मंडली समिति रहेगी। एक क्षेत्र के कई एक मंडलियों मिल कर एक सर्कल होगा जिसमें एक सर्कल सभा उसकी कार्यकारिणी सभा के साथ स्थापित होगी। भौगोलिक एवं भाषा के आधार पर कई एक सर्कलों को लेकर Church District बनेगी जो Church Council के निर्भरेगी। इस Church Council के लिये कई एक Standing Committees रहेंगी। Church Council तीन वर्षों के लिये निर्वाचित होगी जिस में उस Church District अंतर्गत सभी सर्कलों से कम से कम एक पाद्री और एक (layman) भाई निर्वाचित होगा। साधारणता Church Council वर्ष में कम से कम दो बार बैठेगी। किसी चर्च के लिये नियमानुसार चुना और installed पाद्री के हेतु (Ex-officio District Church Council का चेयरमेन होगा। नये चुने हुए Church Council के सदस्य अपने मध्य में से एक सेक्रेटरी और एक रजिस्ट्री निर्वाचित करेंगे।

इस घोषणा के मुताबिक सभी मंडलियों, सर्कलों और (Church District) कलीशा के जिलों का संगठन कलीशा कहलाएगा।

District Church Council के प्रेसिडेंटों, चेयरमैन, जेनिकल कालेज के सिपल और Trust Board या जयदार सभा के मैनेजरो द्वारा Episcopal Synod बनेगी।

आरंभ में और स्थान रिक्त रहने पर Senior Church Council President, Episcopal Synod के चेयरमेन का काम चलावेगा। जब कलीशा दफ्तर का मुख्या निर्वाचित होगा तो वह पद के हेतु Episcopal Synod का Chairman होगा।

कलीशा का कार्य दफ्तर रांची में स्थित होगा जिसका मुख्या (head) Episcopal Synod द्वारा निर्दिष्ट होगा। ऐसा जन एक District Church Council का प्रेसिडेंट होगा जो ५ वर्षों तक के लिये बैलट के द्वारा निर्दिष्ट हो। उसका पुनः निर्वाचन हो सकता है।

रूपरेखा के अनुसार यह कलीशा निम्न District Church Council में बंटी जायगी जो भौगोलिक एवं भाषा के आधार पर होगा।

१. Uraon Church District हेडक्वार्टर लोहरदगा।

२. Munda Church District हेडक्वार्टर गोविन्दपुर।

३. Orissa Church District " चईवासा।

४. The Santal Church District " बंनारिया।

५. The Bengal Church District "

६. The Lower Assam Church District " तेजपुर।

७. The Upper Assam Church District "

चुनाव और भोय — सब दृष्टिकृत व्यक्ति जो १८ वर्ष से अधिक उम्र के हैं और जो कलीशा के देनों को नियमपूर्वक देते हैं उन्हें भोट देने का अधिकार होगा तथा ऐसे व्यक्ति कलीशा के कमिटियों और अन्य संस्थाओं में चुन जा सकते हैं।

एक निष्ठा discussion के लिया रखा गया जिसमें अपने को ने भाग लिया।

Rev. S. Kula — ने कहा कि G.E.L. Church और Ebenezar Church को एक में मिलाने की सलाह अच्छी है और यह ईश्वर ही की अनुग्रह का कारख है इस लिये — detail में अभी न देख कर in principle में मान लिया जाय।

Rev. C. B. Minz — दोनों कलिशिया को मिलाने से प्रचालन परिवर्तन आविगी। G.E.L.C. भी Evangelical Lutheran Church in India बनाना चाहती है। ऐसी हालत में यह Suggestion कितना दूर तक अच्छी होगा।

Rev. Z. Khalkho — संताल और गौसजर कलीशा के लोग एक संस्कृति के नहीं हैं इस लिये व्यवहारिक दृष्टिकोण से कठिनाइयां होंगी। Finance, administration एवं missionaries position के बारे में सायद ठीक नहीं होगा।

Rev. P. S. Kandulna — मैं इस सलाह को ईश्वर ही की ओर से प्राण हुआ समझता हूँ। खुस्तानी कलीशा के वृद्धि के लिये यह अच्छा मौका है।

Rev. Mansode Sopno — दोनों कलिशियाओं को मिल जाना अच्छा होगा।

Rev. Mr. D. Lakra - दोनों कलिशियाओं को मिलाने से क्या Gossner चर्च के Registration पर स्वतंत्र भाव में कोई चक्का खावेगी।

President - Registration विशेष विषय है इसलिये इसे देखना आवश्यक है।

Rev. H. Topno - संतान लोग चाहते हैं कि वे दूसरी कलिशियाओं के साथ मिल कर काम करें। उन की यह चेष्टा है कि अपने भाईयों के बीच किस तरह धर्म और शिक्षा का प्रसार करें। हमारी कलिशा के विभिन्न क्षेत्रों में संतान कलिशा के प्रतिनिधियों ने दौरा किया है। हमारी कलिशा की अवस्था को वे जानते हैं इसलिये विचार कर ही कर उन्होंने यह सलाह भेजी है। वे अपनी भाषा की स्वतंत्रता भी चाहते हैं इसलिये भाषा में और भौगोलिक आधार पर कलिशा के वाई एक सर्कलों का प्रभाव है। इसलिये मैं इस विषय का समर्थन करता हूँ।

Rev. P. Jungdung - दोनों कलिशियाओं को मिलाने में मैं सहमत हूँ।

Mr. Kandulna - काफी बड़ा हुई अब कोई निष्पत्ति पर आवेगी।

Rev. S. Sorung - इस proposal को ग्रहण करते हुए Constitution को जैसा का तैसा ही ग्रहण न करें।

Rev. M. Hemrom - ने सलाह दी कि एक कमिटी बनाई जाय जो इस विषय को अच्छी तरह अध्ययन करे तथा अपना findings जनमत के लिये वितरता करें।

Rev. S. Bago - यह विषय सिद्धान्त में ग्रहण किया जाय। Rev. Hemrom की सलाह के अनुसार कमिटी छन बीन कर opinion के लिये अपना findings वितरता करें और अगामी महासभा के सामने यह विषय लाया जाय।

President ने निम्नलिखित प्रस्ताव लाया जो सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ -

" The proposal of the Ebnezar Evangelical Lutheran Church

for union between the Gossner Church and the Ebnezar Church is wholeheartedly welcome and it is further resolved that the following persons meet the representatives of the Ebnezar Church to discuss the

details:-

1. Rev. J. Lakra,
2. Mr. N. E. Horo.
3. Rev. S. Kula.
4. Rev. Z. Khalkho
5. Rev. S. Bago.

6. Mr. Lalit Mohan Sandil.
7. Rev. M. Hemrom (Assam)
8. Mr. P. D. Kandulna.
9. Rev. J. J. P. Tiga.

The final draft of the constitution may be placed at the next Mahasabha of the G.E.L. Church.

x x x x x x x x

Copy forwarded to All C.C. Members and the Pastors of G.E.L. Church for information

MANDLI PAISA.

Church Council khajanchi ne Mandli Paisa ke tansil o anya sambandhit bishayon ka praweshan diya. Kai ek chhetron se yah report ki Mandli Paisa tahsilne men kai ek kathinaiyan ho rahi hai. Kai ek logon ko Mandli Paisa ke bishay ~~men~~ puri jankari mili hai. Ata yah achhe samjha gaya ki C.C. aur Ministerium ki samilit baitthki men is bishay par bat chit ho jay taki Mandli Paisa ke sambandh koi dubidha na reh jay. Der tak bahas huwi jin men anek prashan utthe jinka spashtthi karen kiya gaya jiska ~~men~~ sarans aisa hai:-

Karamchariyon se unke mahwari amdani par Rs.1/-% prati saakra Mandli Paisa liya jata tha. Atirikt Mahasabha 1954 ko phacslanuswar di deirhikrit -/8/- ath anna liya jana chahiye. Karamchariyon se kya abtak Rs.1/-% prati saakra ke hisab se Mandli Paisa liya jay? Ji han. Mahasabha men bhi aisi hi baten huwi thi. Karamchariyon se Rs.1/-% unki masik amdani par liya jana chahiye. Industrial chhetron bhi aisa hi bandobast ho.

C.P.Synod ke President ne bataya ki Mandli Paisa ka rasid dono men khatra malum parta hai. Keyonki wanhan ki sarkari officoron dwara yah sikaagat hoti hai ki paosa wasul ka Isai log duseon ko convert karte hain. Isliye unhon ne rasid na dono ka bandobast karne ki arji ki.

C.P.Synod ~~se~~ arji ki gayi ki Council ko pura bibaran is sambandh men batlane ki kripa karen ki rasid dono men kaisi kathinaiyan hai.

Kai ek ne kaha ki Mandli Paisa ka hisab rakhne ko liye jo faram chalu kiya gaya hai wah complicated hai. Pracharak logon men isse kurkurehat hai. Ye faram anawashyak ~~men~~ malum parta hain. Is bishay par yah samjhaye gaya ki hisab rakhna kitna awashyak hai. Yah den to Canon se bhin hai. Sahi sahi hisab na rakhne ke sabab Mandloyon men jhagre hote rahte hain aur phalswarup ashanti phaelti hai. Faramon ko samajhne men kathinai nahin hogi thori choshta ka samjhna hai. Isi tarah anek baten ~~xxxx~~ kahi gayi. Mandli ~~Pa~~ Paisa ki awashyakta ko logon ko samjhane chahiye chunki adhikansh log na samjhe hi Mandli Paisa ~~na~~ dena nahin chahte hain. Sabhi chhetron ke pratinidhiyon ne yah ashwasan diya ki is bareh ke akhri men jab katni ho si, tab Mandli Paisa jama hone ki sambhawna hai.

3. COMITY RULES.

Comity Rules ke prastawit sanshodhan par bichar kiya gaya. Behas ke pashchat samay ke abhaw ke karan Council ne yah upyukt samjha ki Council President aur Secretary ko yah bishay bichar nimit diya jay. Yaha sankalp-

Resolved that the President and the Secretary of the Church Council be authorised to deal with this subject taking into ~~considerax~~ consideration the clauses which have been amended.

Chhoti prarthna ke sath sannilit baitthki bisarjit huwi.

Full Church Council Meeting. 29-9-54.

Purn Church Council ki baitthki Padri Mansidh Topno dwara prarthna ke sath arambh huwi. President ne sabhi sadsyain ko swagat diya.

1. Upasthiti:- Aj ki upasthiti sankhya 25 thi. Padri ~~men~~ barg-12 aur sniheran bhai -13. Upasthit byakti ye the:-

1. Rev. J. Lakra, President.
2. Mr. N. E. Horo, Secretary.
3. Mr. Z. Horo, Treasurer.
4. Mr. P. D. Kandulna, Secry-Manager, Board of Properties.
5. Rev. S. Surin.
6. Rev. C. B. Aind.
7. Rev. M. Hemrom.
8. Rev. H. Topno.
9. Rev. M. Topno.
10. Rev. Z. Khalkho.
11. Rev. S. M. Bago.
12. Rev. L. Kongari.
13. Rev. C. K. Bhongra.
14. Rev. H. Dunadung.

15. Rev. J. A. Kujur.
16. Mr. Gabriol Kandulna.
17. Mr. Lalit Mohan Sandil.
18. Mr. Johan Dhan.
19. Mr. Mansidh Topno.
20. Mr. Harun Surin.
21. Mr. Isahak ~~Topno~~ Topno.
22. Mr. Premchand Horo.
23. Mr. Christ Kalyan Minz.
24. Mr. Christochit Topno.
25. Mr. Nuas Kerketta.

Council ne Rev. C. B. Minz aur Rev. Haruk Minz ko pure Council ki meeting men visitors ke haisiyat se baitthne ko ijajat di. Rev.

1880-6
pure Council ki meeting men visitors ki haisiyat se bethne ki ijajat di. Rev. Kushalnay Topno aur Mr. Johan Topno (Digri) ko sirph Marcha bishayak baton ke silsile men baithne ki ijajat di.

2. Council Executive ke phaeslon ki swikriti pralans:-

(a) Lutheran Theological College- men 14 bidyarthi (9 Matric aur 5 non-Matric) bharti kiye gaye. Inko alawa ek aur I.A. pass bidyarthi Shri Benedict Tiga preliminary B.D. course ke liye bharti kiya gaya hai. Executive Officeron ne is bharti ki swikriti di hai tatha yah phaesla kiya hai ki Matric pass bidyarthiyon ko mahwari Rs. 20/- (twenty) rupees aur Shri Benedict Tiga ko mahwari Rs. 25/- (twenty five) rupees ke dar se chhatarbriti di jay. Council ne is ko swikriti di. (dated 12/7/54 Executive Officers' decision).

(d) Hazaribagh Synod President ki chitthi- (Dt. 16/7/54 Council minute) iski anuswar sadi honewale joron ko unke panchon ki shipharish awashyak hai jahan wo sadharanta rahte hain. Do joron ki sadi sthaniya panchon ki shipharish bagair Ranchi aur Utri Synod men huwi. Phaesla huwa ki iski nahin ho is par jor diya jay. Council iska uchi jan kar rahi hai. Council ne is karawai par swikriti di.

(e) Mandli ~~xxxxxxx~~ Paisa sambandhit kuchh ~~xxxxxxx~~ bahi ke faram bhi kiye gaye jo Mandli Paisa ikattha karne owang uska uchit tarikka hisab rakhne ke liye Kalisha men chalu kiye gaye hain. Council ki swikriti mili. (Dt. 16/7/54 Minute).

(f) Sri Phenuel Barla ka darkhast- Apne apni ki ki Ranchi hate ke andar Phauj dwara banaye huwe tute nakan ko marammat kar rahne ki anumati mili. Yah nakan talaw ke purab kinare ke kabje men hai. Isko estimate de kar marammat karne ki shipharish ki gayi thi. Council ne philhal is par apni shwikriti nahin di. (Dt. 16/7/54 ke minute)

(g) Horan Herenz ka mukadma- Is mukadma ko saleudhi se ant kar dena ki Ray Horan aur Markas Sanga owang anya Wakilon ne di thi. Is par choshte ki gayi par yah asaphal raha. Is karawai ki swikriti Council dwara mili (Dt. 16/7/54 ke minute)

(h) Joint Mission Board- ko awashyakta ke samay asthayi udhar Moblig Rs. 1000/- ek hajar rupaiya diya gaya. Khajanchi ne report diya ki yah rakan Joint Mission Board ne wapas nahin kiya hai.

Council ne is karawai par swikriti di. (Dt. 16/7/54 ke minute)
Council ne adesh diya ki yah jald wasul kiya jay.

(i) College Hostel men bidyarthiyon ke liye jagah na hone par asthayi bandobast huwa jiske anusar Seminary ka ek kamra College bidyarthiyon ko rahne ke liye diya gaya. (Dt. 20/7/54 ke minute)
Council ne is karawai par swikriti di.

(j) Padri Mansukh Ekka ko Surguja field ke Gossner harjarkartaon ka tinidhi namjed kar Surguja Board men bheja gaya. (Dt. Minute 2/8/54)
Council ne is par apni swikriti di.

(k) National Christian Council ke Youth Consultative Committee ki Raypur men huwi baithki ke liye Gossner Kalisha se Shri Nirmal Minz aur Kumari Paraklata Khess bheji gayi. (Dt. Minute 2/8/54)
Council ne is par apni swikriti di.

(l) Shri Masindas Surin (Shikshak Takarna) ko asthayi udhar Moblig Rs. 180/- ek sae assi rupaiya dena ke phaesla huwa. Khajanchi ne report kiya ki ab tak Masindas Surin rupaiya nahin le gaya hai. Aur sayad nahin lega. (Dt. Minute 2/8/54)
Swikrit huwa.

(m) Padri Prendan Silas Bago (Purulia) ko apne Provident Fund se Moblig Rs. 200/- do sae rupaiya udhar diya gaya. (Dt. Minute 2/8/54-)
Swikrit huwa.

(n) Pandit Jenak Kishor Pathak jo 7 barshon tak Jubilee Haigh School ke shikshak tha unhon bina uchit karabash school Managing Committee ne chhutti de di. Phalswarup unhon ne Kalish ke President

Kalisha ke President jo Managing Committee ke Chairman bhi hain Sarkhast di is ujur ke sath ki use bina karanbas ek-b-ek chhuthi de di gayi hai. High School ke sthaniya adhikariyon ne Middle school men bahali ~~sipkxixixix~~ ki siph rish unki parthana par ki hai. Par unhen bhi unhen kam na diya gaya.

Council adhikariyon ne Managing Committee ka minute aur paristhiti ke adhyayan kar Managing Committee ko yah agya di ki Pt. Janak Kishor Pathak phir se kam men bahal (re-instate) hon. Is par Managing Committee ne Council adhikariyon ki agya ko bhot dwara thukra diya. Is se paristhiti gumbhir ho gayi hai. Ab yah bishay sarkari mahkama me chala gaya hai janhan se bhi Pt. Janak Kishor Pathak ko re-instate karne ki agya di gayi hai.

Council ne is bishay par Council adhikariyon dwara kiye gaye karrawai par swikriti fi. Is par swikriti done nimit sankalp guwa Resolved-that the action of the Executive Officers in ordering for the reinstatement of Pandit Janak Kishor Pathak be approved and the decision of the Inspector of Schools Chotanagpur Division be awaited.

(3) Shri Lala (Manbhum Synod Secretary) ki chitthi- Ap ne pucha ki kya ek Lutheran larki jab kisi Catholic larke se byah karti hai to Mandli saja ke yogya hoti hai ya nahin? Phir aisi halat men jab unke me bap sadi men bhag len to unhen Mandli saja bi jaygi ya nahin? Is sambandh diya gaya jabab par sanshodhan kar swikriti mili. Sanshodhan is prakar huwa-"She being a major cannot be excommunicated" ki jagah "She being a confirmed member, her name be struck off from the membership of the Church and the congregation be informed accordingly" rakha gaya. (Dt. 2/8/54 Minute)

(4) President Padri Raman (Madhyapradosh) ki arji- Ap ne ek Ursan janne wale Padri ki arji ki hai. President ne Council ko batlaya ki Padri Eliazar Kindo (Northern Synod) is kam ke liye apne ko arpan karte hain.

Resolved that Rev. Eliazar Kindo's offer to serve the M.P. Evangelical Lutheran Church be heartily accepted and accordingly he be recommended to Rev. E. Raman.

(5) Mr. Joseph H. Moore ki chitthi tarikh 26 June 1954- Is sambandh ki karrawai par swikriti di gayi. (Dt. 6/8/54 Minute)

(6) Eidnes High School - School Managing Committee ~~par~~ minute par kiye gaye ~~kxx~~ karrawai par swikriti di gayi. (Dt. 3/8/54 minute)

Bhutpurb Head Master Shri P.D. Bara ko School khajana ko bare jisi unhen nahin diya hai, Council ko samne 30/9/54 ko upasthit hana ka adesh diya.

3. Synodon ka bishay:-

(a) Marcha ka bishay-Govindpur Synod aur Marcha Parish se report mili hai ki Padri Samuel Hemron ne ab tak na to prastawit High school ke hi charge diya hai na to wo High School ewang Middle school (Marcha) ke Secretary pad hi ke chhorta hain. Unko Council ne High School ke Head Master ke pad se padchyut kiya hai aur Ministrium ki shipharish ke anuswar Padri ka kam karne se banchit kiya hai. Par wo magyokari ho kar Head Master ke pad ko nahin chhorta chahta hai. Isi prakar agya ulanghan kar ab tak apni jagah par hain. Reporton se yah malum pata hai ki wo Council ka agya ulanghan jan bujh kar karte hain. Wo logon ko ubhar kar Marcha Parish men ek alag dal bana rahen hain. Inka dal aye din Parish ke Chairman Padri Kushalnay Topno ko sawakai ke kam men badha dete rahte hain. Itna hi nahin kaik jagahin men jaise Token precharakpan ne Padri Kushalnay Topno ko Ishwararadhana karne se roka gaya hai. Padri Samuel Hemron Council ki agya ke birudh Padri ke kam karte hain. In sabhi karnon se Marcha Ilaka men bahut hi ashanti phaili hui hai. Samuel Hemron ka bishay aj kai ok barshon se chala a raha hai.

Is sambandh sabhi kagjat parhe gaye jis men Padri Hemron ki chitthi tarikh 10/8/54 jo Padri Kushalnay Topno ko likhi gayi thi, Marcha ke kuch bhaiyon ki chitthi tarikh 4/9/54 Likhtang Stosch Kandulna, Padri Kushalnay Topno ki chitthi tarikh 11/8/54, 12/8/54 ewang Brahmadayal Topno aur anya logon ki chitthi tarikh 15/8/54 the. Dinghalechne ke bad nimen likhit sankalp huwa:-

(I) Whereas Sri Samuel Homron has been repeatedly and indiscriminately defying the authority of the Church Council of the G.E.L. Church in

(1) not vacating the Headmastership of the Marcha Proposed Lutheran High School though he has been completely dismissed from the said school, but on the contrary, has been continuously usurping the headmastership,

(2) In not vacating the Secretaryship of the Marcha Proposed Lutheran High School and the Marcha Lutheran Middle School though lawfully dismissed from that position, and

(3) In embezzling the middle school money in respect of Rs. 1126/8/-, Church money in respect of Rs. 2184/3/6 and Government money in respect of Rs. D.A., Enhanced Salary etc amounting to Rs. 6346/14/- six thousand three hundred and forty six and annas fourteen only.

It is Resolved (a) That F.I.R. be submitted to the Police by the Rev. Kushalnagar Tapno (Marcha) in respect of Government money amounting to Rs. 6346/14/- which was received by Sri Samuel Homron for the Marcha Lutheran M.E. School and reported to have been embezzled by him, and in respect of M.E. school money amounting to Rs. 1,126/8/- and church money amounting to Rs. 2,184/3/6 which have also been misappropriated by him.

(b) That steps be taken to evict Shri Samuel Homron from the house he is occupying in the G.E.L. Church Compound at Marcha. The Church Council will take action in this respect.

(II) Whereas Shri Samuel Homron has committed the following wrongful acts enumerated below viz (a) Disobeying the orders of the Church Council transferring him from Marcha to Khutitoly, and in restraining him to carry on Pastoral work as recommended by the G.E.L. Church Ministerium (vide C.C. resolution dated 23/10/53 and dated 29/3/54).

(b) Usurping the Headmastership and Secretaryship of the Proposed Lutheran High School, Marcha and usurping the Secretaryship of the Lutheran Middle school, Marcha, in spite of his being lawfully dismissed from the said positions (vide C.C. resolution dated 23/3/54 and 2/7/54).

(c) Misappropriation of Church property in respect of land and money.

(d) Embezzlement of school money in respect of Rs. 1,126/8/- & Rs. 6,346/14/- of the Marcha Lutheran Middle School.

(e) Misuse of Church income.

(f) Conspiring and instigating against the authority of the Church.

The above wrongful acts are covered under sections I

(ग) (ग) (ङ) (च) (ट) (ठ) respectively of the Mandalai Chulchalen Suther Prantli. It is recommended to the Ministerium, Govindpur Synod,

1. That Shri Samuel Homron be excommunicated.

2. That Shri Samuel Homron's marriage license be cancelled for which the authorities concerned be intimated accordingly.

3. That President of the Govindpur ministerium be advised to announce Rev. Samuel Homron's excommunication at Govindpur.

30-34 (Continued)

(५५) Ichokola Bissi :-

Report diya gaya ki padri Pramsukh Rajar ab-tak bailli k man Gamla nahi gaye hain. Unki jagah par bhoje aur Laurintus Lakra ke Madhya Pradesh Synod ne grahan nahi ki hai. Ichokola Ilaka ke charge unhe nahi mila sake hai. Ichokola Ilaka ke Madhya Pradesh Synod ne apne sankapon dwara yah prakat kiy hai ki padri Laurintus Lakra nimnkarnon se M.P. Synod men grahan gaya nahi hai ---

1. Padri Laurintus Lakra ne ab-tak Gamla Ilaka ka charge supurkh nahi kiya hai.

next.

2, Padri Laurentius Lakra ko Madhya Pradesh ke liye Marriage license nahin hai.

3, Padri Laurentius Lakra aur Padri Premsookh Kujur ko badli karne men Council ne aniyamit (unconstitutional) kam kiya hai.

Council ne is par nimen Sankalp kiya- " Padri Laurentius Lakra aur Padri Premsookh Kujur ki badli karyaniwit kiya jay keyonki in ki badli men Council ka adesh ek salah hai jo niyमित (constitutional) hai. Padri Laurentius Lakra ko Madhya Pradesh men sadi dene ka license hai atah unki badli men archan nahin hai. Padri Lakra Gumla Ilaka ko charge niyमित rup se supurd kar den."

(31) Sarhapani ewang Ichkela School- Report di gayi ki san 1952 se in Schoolon ko Council grant nahin diya gaya hai. Council Treasurer Khejanchi ne batlaya ki arthik kothinaiyan ke karan grant in schoolon ko nahin diya ja saka hai.

Sankalp- Sarhapani aur Ichkela School ko is barsh ka grant diya jay.

(41) Padri Paulus Puri (Tinsukiya) dwara Tinsukiya Parish men garbari. Padri Paulus Puri ke sambandh Assam Synod President ki chitthi tarik ewang Council ke liye bheji gayi report parhi gayi. Council ko batlaya gaya ki Padri Paulus Puri kai ek barshon se Tinsukiya Manali men garbari paida kar raha hain. Wo badli me bhi nahin jate hain. Kalisha ke jaydadon ko bajabardast apna rahan hain. Kalisha ke rupaiya bhi unke jime hain jise wo nahin dete hain. Kaik bar is garbari ko dur karne ki chesta ki gayi jismen Kalisha ko Secretary ne bhi parishram kiya perantu ashaphal raha. Atah Synod ki arji hai ki Council dwara ek Commission bhej kar is garbari ko dur kiya jay.

Sankalp- Padri Paulus Puri sambandhit jhagre ka niptara karne ke liye Gosener Church Council dwara ek Commission niyukt kiya jay. Commission men Shri P.D.Kandulna aur Shri N.E.Hore rahan. Shri P.D.Kandulna Commission ko Convener hon.

(5) Padri Junas Dang (Jirdag) ka darghast- Padri Junas Dang Takarna Synod antargat badli ki arji karte hain. Ap ke darghast par Synod sabha ne apni ray di hai ki yah bishay Council ko supurd kar diya jay.

Yah bishay badli sambandhi baton ke silsile men bichar nimit alpa kal ke liye athagit kar diya gaya.

4. Matters from the Board of Management, G.E.L.C. Properties.

(a) Management of G.E.L.C. Church Properties visavis Bihar land Reforms Act 1950.

Mr. P.D.Kandulna reported that the Board of Management has authorised the Chairman of Board to contact Shri B.K.Sahay, Revenue Minister, Bihar, in this connection and submit a detailed report about it. in the next Executive Committee of the Church Council.

This fact is noted.

(b) The question of ensuring efficiency in Board's work:-

Mr. P.D.Kandulna gave a detailed report of the present work in the Board making a special reference to some of the lapses of the Board's field workers. In this connection the Church Council resolutions 42/54 43/54 and 44/54 dated 2.7.54 and of 18.7.1953 were made mention of.

In course of the discussion it was reported that explanations were being called from Mr. C.D. Sirka for failure to do his duties satisfactorily. It was also suggested that similar explanation be called for by the Secretary-Manager from other workers of the Board. After good deal of deliberation it was voted:

That a Committee be appointed authorising it to enquire into the causes of non-realisation of house and ground rent of the G.E.L.C. Church Compound, Ranchi, and to submit a report to the next Executive Council. The following form the committee:-

1. Mr. N.E. Hore, (Convener)
2. Rev. J.A. Kujur.
3. Rev. J.J.P. Tiga.

Further it is directed that the Executive Council should after, due consideration, forward its recommendations to the Board of Properties for proper action which in its turn will send a report of action taken to the next full Church Council.

5. Khalkho-Dungdung case:- Council sadasya Sri Nuas Kerketta ne agree kiya ki Khalkho-Dungdung case abhi bichar nimit liya jay chunki aj hi sam unko wapad jana tha. President ne kaha ki achha hoga is bishay ko abhi bichar nimit liya jay taki Orissa Synod Pratinidhi Sri Nuas Kerketta is bishay par apni ray de saken.

Yah bishay liya gaya.

Council ne tarik ke ad shanwar Rev. Dorofa Hemrom ko madhyast bana kar Orissa ki ashanti ko arthar Rev. Z. Khalkho aur Dungdung ke sambhawit apsi matched ko dur karne ko bheja tha. Unke report Council ko samne aya.

President Sri Nuas Kerketta se apna bichar is bishay par dene ko liye arji ki.

Sri Nuas Kerketta-- More khyal men sri P. Dungdung ka darkhasst jo Rev. Khalkho ko upar hai Orissa Synod ko de diya jay chunki (1) yah darkhasst ek hi byakti (Sri Dungdung) se ayi hai (2) yah sidhe Church Council men ayi hai atah bekaade ayi hai. Is ko alawe Rev. Hemrom ka report bhi bichar nimit synod ko diya jay.

Sri P. D. K. ndulna- Is bishay par batchit karte us paristhiti ko bhi khyal men laya jay jab Council ne yah action liya aur Rev. Hemrom ko mediator bana kar bheja. Us samay Council chintit thi chunki repeated darkhasst ata raha. Council is ko bahut hi official banana nahin chahti thi is liye ghar Council member ko hi mediator bana kar bheja gaya isliye Rev. Hemrom ka report Council men ana chahiye.

Memberon ne Sri Nuas Kerketta se puchha- Ap ne Council member ke haisiyat se is ashanti ko dabane ki kya cheshta ki? Uter- Nahin ki.

Prashan- Kya ap Dungdung ki Shikayton ki satyata ko bare kuchh batliye.

Uter-- Mujhe unke bare thik malum nahin hai.

Sri Nuas- Rev. Hemrom ne kabhi bhi donon byaktoyon ko arthar Rev. Khalkho aur Sri Dungdung ko amne samne bula kar unke samne sulah ko prastaw nahin laya.

Rev. S. M. Bage- Shuru ki meeting men donon byakti hajir the par us men Rev. Hemrom nahin a sake jiski khabar unhon ne Rev. Khalkho ko bheja tha. Usi meeting men apas men tasphiya karna chaha tha.

Tarik 1.10.54 (Council meeting-lagatar)

Rev. Hemrom ka report parha gaya. Unhon ne report men diya ki we mediation ka kam karne men asaphal hua Kyunki unko puri madad nahin mil saki. Rev. Khalkho ne barabar asahyog kiya we pure bishay ko achhi tarah adhyayan kar done (Rev. Khalkho aur Sri Dungdung) ko samne samjhaute ka prastaw la kar is jhagre ko mitawe. Par yah ha na sake.

President-Rev. Hemrom ne mediator ka kam nahin kiya. Usne janch portal kar arbitrator ka kam kiya aur pire case ko kharab kiya hai.

Rev. C. B. Aind- Council ne Rev. Hemrom ko Terms of reference nahin diya isliye Council ki galti hai. Rev. Hemrom ne apne lekhe madhyast ka kam thik hi tariko se karna shuru kiya tha. Is par Council memberon ka bibhin bichar dekha gaya atah ysh salah di gayi jab Council hi men bibhin bichar hai to yah bishay hi itha diya jay.

Report diya gaya ki Khalkho aur Dungdung ne Council men likh kar yah diya hai ki unke bich byaktigat ko jhagra nahin hai. Isi bat ko le kar Khalkho-Dungdung Case utha diya gaya.

6. Surguja Board Matters-

(a) Salary Scale-Surguja Pastors complained that Rev. P. Beck had been given a synod President's salary till May, 1954 which shows disparity in their salary scale. The Council had in this respect already informed of its decision. The President also reported that the Surguja Board has agreed to pay to the Rev. P. Beck a Synod President's pay till May, 1954.

It is resolved to inform the Surguja Pastors that the Surguja Board has agreed to pay to the Rev. Paulus Beck his salary till May, 1954 according to the Synod President's scale and as such the question of their further being aggrieved in this point does not arise.

(b) Expression of Condolence for Rev. B. J. Kurupadanam.

(b) Expression of Condolence for Rev.B.J.Kurupadanam.

The Council was informed of the sad demise of missionary Kurupadanam of Surguja field.

We record our heartfelt sorrow at the sad demise of Missionary Kurupadanam who was called to eternal rest on August 31, 1954. We wish to convey our sorrow and sympathy to the bereaved family.

(c) Minutes of the Surguja Board.

The President informed that the minutes of the Surguja Board has not yet arrived. He told the C.C. that certain important decision have been arrived at the recent meeting of the Board.

The Council felt that it would be improper to consider anything in the absence of the minutes of the Surguja Board.

7. Travelling Allowance Rules:-

Reference item 19 dated 3.7.54. The Secretary submitted his report on the T.A. Rules (new proposals) which was accepted by the Council.

Resolved to appoint a Committee, with the following gentlemen as members, which should study the draft T.A. Rules and submit its report to the next Church Council meeting.

1. Rev. J. Lokra.

2. Mr. N. E. Horo (Convener)

3. Mr. Z. Horo.

4. Dr. P. Topno.

5. Mr. B. K. Tirkey.

8. Technical Training for Hindusthan Steel Ltd. Rourkella.

(a) Resolved: The C.C. Executive officers be empowered to select suitable candidates for technical training relative to the Hindusthan Steel Ltd. Rourkella, and take necessary action for their selection by the H.S. Ltd.

(b) Dr. Hans Lokies' letter dated 9th August 1954.

Dr. Lokies' letter of 9th Aug., 1954 was placed in which he informs that due to Pastor Symanowski and his efforts a German Evangelical Lutheran Church. This Pastor will be needed at Rourkella to look after the German Lutheran engineers who will be engaged when the work begins. Two others, a doctor and a deaconess have also been selected to come to Rourkella. The Krupp-Damag is being requested to provide money for supporting these personal and constructing a chapel, a vicarage and also Hospital Building.

The Council is very thankful to Dr. Lokies for this valuable information and expresses its appreciation for his work and further requests him to pursue the matter to the finish.

9. Head Supervisor's matters:-

(a) The Head Supervisor explained in detail the present educational policy of the Government of Bihar vis-a-vis the G.E.L. Church educational policy.

After discussion it was resolved "It is respectfully but strongly urged that the Church Schools may not be brought U/S 62B of the Bihar and Orissa Local Self-Government Act 1885 (Bengal Act III of 1885) as proposed to be amended by the Amending and Validating Bill 1954"

The above resolution be communicated to the Government of Bihar. The Church Officers be requested to move the Government accordingly with the help of M.L.As or other influential persons or bodies.

(b) New Rules for the formation of the High School Managing Committees:-

The Rules were placed before the Council. The President himself a member of the Board of Secondary Education Bihar, informed the house that these new rules will not effect the G.E.L. Church Schools.

10. Treasurer's matters:-

(a) Statement of Receipts and Expenditure for the period 1.1.54 to 30.6.54 was placed for consideration. The report is accepted and the following remarks were made:-

(1) That the Calcutta works should immediately submit its accounts for the period in question. All incomes of the LWC should be regularly submitted every month to the Treasurer C.C.

(1) That the Calcutta work should immediately submit its accounts for the period in question. All incomes of the LWC should be regularly submitted every month to the Treasurer C.C.

(2) The Head Quarters Congregation should also regularly deposit all its income every month to the C.C. Treasurer.

(b) Audit report - Audit Report of the Church Council accounts for the period 1952 and 1953 were placed before the Council. While audit report was still discussed, the house rose for the day. The Council decided to continue its sittings to-morrow.

Before closing the meeting a question arose whether Rev. C.B. Minz a visitor be allowed to take his meal in the Council Mess free of charge. General consensus of opinion was in the negative. It was decided to inform the person concerned accordingly.

Continued full C.C. Meeting dated 2/10/1954.

The meeting opened with a word of prayer by Rev. Luther Kongari.

Attendance was recorded as follows:- Pastor-11, and Laymen-10. total 21 members.

The pending matter, that is, the Treasurer's matter (Audit Report) was taken up again. Before any discussion could take place the President announced that results of the Efficiency Bar Examination for Pastors was ready and he wanted to announce it.

On a point of order the Secretary said that it appeared from what President said that practical works of the Pastors were not taken into consideration in preparing the result. The E.B. Examination Committee appointed by the Council last year were not seem to have properly considered the whole subject.

Resolved:- That the Committee be requested to resubmit its reports along with the E.B. Examination results properly prepared as laid down by the Church Council. Examination results be published by 30th November, 1954

Treasurer's matter: Audit Report was again taken up for consideration. (continued) - Audited accounts showed that accounts in respect of old advances have in many cases not been straightened up.

The Council strongly opined that advances should not be frequently given.

Resolved:- That persons concerned who have been granted advances in the past be directed to either submit their accounts along with proper vouchers by 31st December, 1954, failing which they will have to refund the amounts in cash.

Resolved-(1) That the Chairman and Secretary of the Bethesda Girls' High School be asked to refund the Bethesda Hall money amounting to Rs. 17000/- in instalments to the Church Council as the Church Council feels that the money in question be properly utilised in constructing the Bethesda Hall.

(2) That the Principal, Lutheran Theological College, Ranchi be requested to refund the amount of Rs. 2000/- two thousand, taken on loan to purchase rice for the College Hostel, out of the Bethesda Hall money. This refund be made to the Church Council.

(3) That the Building Committee of the Bethesda High School be asked to begin the work of constructing the Bethesda Hall within this fall and that the Committee should treat it urgent.

It was reported that the Bethesda Hall money amounting to Rs. 20000/- was required to be refunded to the Financial Secretary in India of the L.W.F. The Financial Secretary, L.W.F.; Mr. Moore, wrote to the Treasurer and President to this effect. Consequently Mr. Moore has been given a suitable and satisfactory reply by the C.C. He was informed that the money has temporarily been invested locally on written assurances which is realisable with an interest @ 3%.

(c) Voted. That an amount of Rs. 175/- be spent towards meeting the mess expenses of Council members now attending the C.C. meeting from 28/9/54 to 3/10/54.

Afternoon session:-When the Council resumed its sitting in the afternoon it appeared that some of the members have left for home without proper leave from the Council.

Voted: Council members should not leave the Council session without previous and proper permission, to do so, from the Church Council.

(d) Treasurer's illness: Appointment of an Assistant Treasurer.

The President informed the house that the C.C. Treasurer, Mr. Z. Hara is not keeping good health and consequently, he is not able to concentrate his mind on the accounts. The Federation Auditor had also suggested for an arrangement to be made so that the Treasurer gets some rest till he is well enough to resume his work. The President suggested that an Assistant Treasurer be appointed to which the Treasurer gave his consent.

(1) Sankalp:- Chunki bartman khajanchi apni bimari ke karen khajanchi ka kam sant-shjanak karno men asanarth hai, ateh yah sankalp huwa "Ki jab tak Mr. Z. Hara, C.C. Khajanchi change nahin ho jate hain, par kam se kam ek barash ke liye ek sahayak khajanchi, khajanchi ka purn jababdhitwa ke sath bahal kiya jay jiska talab bartman khajanchi ke talab men se Rs. 100/- ek sau rupaiya hoga.

(2) Further, after due consideration of the situation consequent of the illness of the present Treasurer, the Church Council deems it fit to appoint a former Church Council employee, Shree Christ Mukut Hara, to be the Assistant Treasurer with full responsibility of the treasury, on Rs. 100/- one hundred only per month, with effect from 1st November, 1954.

N.B. - Shree C.M. Hara will be accommodated in the portion of the Jagannath Ban, now occupied by the family of Mr. C.D. Sirk.

(c) Expenses for Hara Vrs. Rev. S. Singh & others case:

Voted: Another sum of Rs. 500/- five hundred only be sanctioned towards meeting the legal expenses in connection with Hara case.

(f) Voted that a sum of Rs. 100/- (one hundred) only be given to each of the Lutheran Institute, Ranchi and the Giesner Church Yuv Sangh respectively towards meeting their delegation expenses in connection with the F.E.L.C. Youth conference at Ranchi.

The treasurer C.C. informed that he may not be able to pay these amounts immediately. He suggested that Luth. Institute and G.C.Y.O. should arrange money themselves as they have to go in a day or two. They may later on, draw these amounts by producing their bills. The Council agreed to the suggestion.

(g) Temporary loan to Rev. S. Surin.

Rev. S. Surin needed a loan of Rs. 27/2/- immediately, which he promised to refund as soon as possible.

Voted:- Rev. S. Surin be granted a temporary loan of Rs. 27/- (Twenty seven rupees) only.

(h) P.F.A/C Loan to Rev. C.N. Hara out of his P.F. contribution.

Voted:- Rev. Christ Nanjan Hara (Udubaha) be granted a loan of rupees one hundred fifty only out of his P.F.A/C (own contribution). He will begin refunding the amount from January 1955 @ Rs. 10/p-m.

(i) P.F.A/C of late Rev. Dharandas Guria.

Voted:- The exact due on account of P.F.A/C of late Rev. Dharandas Guria be paid to Mrs. Guria (late Rev. Dharandas Guria's widow) as soon as possible.

(j) P.F.A/C of late Rev. Anandmasih Mundu amounting to Rs. 61/12/- be given to his widow.

11. Rev. C.J. Tirkey's application.

Rev. C.J. Tirkey ne darkhast di ki use koi kam milna chahiye. Chunki ki kalisha men uski swikriti ho chuki hai. Is sambandh kalisha ki Ministerium ke sankalp Council ke samne rakha gaya tatha grohan kiya gaya. Ministerium ne phasla kiya ki abhi C.J. Tirkey ke P.F.A/C ke kam milne jay.

Sankalp:- Synodon ke suchna di jay ki sari C.J. Tirkey ko padri kam ke alawe koi dusra kam karno ki shipharish Council karti hai. Koi bhi Synod apne kisi bhi upyukt sanatha men unhen kari dane ki kriya karn.

12. Pastors Provident Fund Rule: Ministerium's new Proposal for double benefit of P. Fund and Pension together.

Report of the G.E.L.C. Ministerium in this respect was considered. The Ministerium recommends that Pastors be given the benefit of P. Fund and Pension together, as salaries are not properly and regularly paid to them and their financial condition is generally deplorable.

Resolved:--That a Committee consisting of the following be authorised to explore possibilities of allowing the double benefit of P. Fund and Pension to the Pastors. This Committee is also authorised to consider the cases of, Catechists and School teachers in the light of the Ministeriums recommendation:--
1, Rev. J. Lakra, 2, Mr. N. E. Hore, 3, Rev. J. J. P. Tiga, 4, Rev. Habil T. Pna, 5, Rev. J. A. Kujur (Convener)

13. Eidnes High School:--

(a) Ref: C.C. Minutes-Item 2 (B) dated 29.9.54. Mr. P. D. Bara, Ex-Head Master of Eidnes High School was directed to appear before the Council on 30.9.54. to explain the High School accounts. Mr. P. D. Bara has expressed his inability to do so.

It is found that Mr. P. D. Bara has not given charge of Rs. 17 to his successor at Takarma; and no time is fixed by him to pay up this amount.

Resolved:--That Mr. P. D. Bara be urged to hand over charge of Rs. 1760/3/- to the Takarma Eidnes High School within 31st October, 1954. The school authorities of Lutheran Proposed H.E. School, Lohardaga, are requested to see that the money is paid within this period, failing which the help of the education department will be requisitioned.

(b) Retrenchment of teachers.--The minutes of the E.H.E. School Managing Committee was read. It was noted that Sri Dayadham Minz and Sri Paulus Surin were retrenched from service. The former was found to be superfluous and the later was a purely temporary hand.

Further as per Inspection Noted dated of the D.I. of Schools, Ranchi, class IV was amalgamated with the local girl's U.P. School. Consequently the question of retrenching some teachers cropped up. At the same time, the same Inspection note pointed out that one of the teachers was superfluous. Hence, the retrenchment of these two teachers. Moreover, Sri Dayadham Minz, who was teaching in the lower classes and was already an overage; his age being over 60 years. Sri P. Surin was a purely temporary hand, so naturally these two hands were selected for retrenchment.

Resolved--That the Church Council approves of the decisions of the Managing Committee in retrenching Sri Dayadham Minz and Sri Paulus Surin.

14. Foreign Education. (1) Selection of two girls students for training in Germany. All applications for foreign education in respect of girls candidates were placed for consideration. A letter in this respect, from Miss Diller and Miss Schmidt was read out. They recommend that Miss Diasy Hemron and Miss Parakleta Khess would be suitable, under the present circumstances. The general consensus of opinion of the Council was in favour of these.

Voted That Miss Daisy Hemron and Miss Parakleta Khess be selected candidates for foreign training in Germany. After returning from Germany they will work for Church for life; but for first five years without marriage. The above be communicated to the two girls and their acceptance be taken in writing.

(2) Rev. J. J. P. Tiga's letter dated 27/8/54 and 11/9/54 were read. He informs that a scholarship for Mr. Nirmal Minz has been secured in the St. Paul's Seminary, U.S.A.

Another scholarship for a L.Th. student with Hebrew and Greek has also been secured. It must be noted that the Church Council had

had authorised Rev. J.J.P. Tiga (vide C.C. resolution 23/54 dated 29.3.54) to secure a scholarship and a place for Mr. Nirmal Minz in the United State of America, which he has done creditably. Rev. J.J.P. Tiga, further, proposes that candidat Martin Toto be selected for the other scholarship. After due consideration it was resolved-

That Mr. Nirmal Minz, and Candidat Martin Toto be selected for further theological training in the U.S.A.. For their Passports and travelling expenses, requests be sent to Dr. Birkeli. (3) The G.E.L. Church Council records its gratitude towards Rev. J.J.P. Tiga for his great service in securing two scholarships for the Gossner students in the U.S.A. The Council decided to resume its session to-morrow from 4.30 p.m.

* At this the President said that if Mr. Toto was sent to U.S.A. he will turn Baptist.

sd/-N.E.Horo 2/10/54.

Sunday, the 3rd October, 1954. (Full C.C. Meeting)
The meeting opened with a word of prayer.

Attendance:-

- | | |
|------------------------------|---------------------------|
| 1. Rev. J. Lakra, President. | 9. Rev. H. Dungdung. |
| 2. Mr. N.E. Horo, Secretary. | 10. Rev. J.A. Kujur. |
| 3. Mr. Z. Horo, Treasurer, | 11. Rev. Z. Khalkho. |
| 4. Rev. H. Topno. | 12. Mr. C.K. Minz. |
| 5. Rev. C.B. Aind. | 13. Mr. Harun Surin. |
| 6. Rev. S. Surin. | 14. Mr. Johan Dhan. |
| 7. Rev. L. Kongari. | 15. Mr. Gabriel Kandulna. |
| 8. Rev. M. Hemron. | |

15. Transfers:- (a) Rev. C.B. Minz's (Synod President Western Synod) application for his transfer to some other synod was placed. Voted: Rev. C.B. Minz's application be referred to the Western Synod Council for needful.

(b) Hazaribagh Synod President so report sun kar Council apses karti hai ki ab tak Padri Horan Tirkey Jobhia nahin gaye hain. Janhan unki badli hui hai.

Sankalp:- Padri Horan Tirkey 15 October ko Jobhia kmo kam suru kar den jiska report wo Synod aur Council ko turant den. Yah ~~sunat~~ Council ke akhri hukum hai.

(c) Consequent of the depitiation of Rev. Eliazar Kindo (Northern Synod) to C.F. Ev. Luth. Church at Baikunthpur, the question of finding a successor for him came up.

Resolved:- that Rev. P.D. Sorong of Head Quarters Congregation be transferred to Northern Synod. No Pastor is given to the Head Quarters Congregation in place of Rev. P.D. Sorong for the present, owing to the scarcity of Pastors.

(d) Rev. Yunas Dang's (Jurdag) application for transfer to Takarma Synod: Ref: C.C. minute Item 3. (3) dt. 30.9.54.

His application along with the Synod's Presidents recommendation was considered.

Sankalp:- Chunki Council phihal aisi jagah nahin dekhti hai janhan Padri Junas Dang ki badli ho sako is liye Council Govindpur Synod ke pramash deti hai ki Padri Junas Dang ko Padri Nathaniel Mundu ki jagah Govindpur lo jay tatha Padri Nathaniel Mundu ko Jurdag bhoj den. Agar aisa bandobast upyukt nalam na pare to bartman sthiti hi kaam rahe. Padriyon ke abhaw ko karan Padri Junas Dang ke pension dena asangat sa nalam parta hai.

(e) Tinsukiya ke liye Padri:- Padri Hanuk Minz ke ~~xi~~ bidesh jano ke liye chuno jano aur Padri Paulus Perti ki lambi chhuti lene ke karan Padri Nainsukh Tirkey hi akalo abhishikt karanchari reh gaye hai. Tin Pasrishon ke kam dekhne men wo akalo asamant hain, khas kar Paulus Perti ke asahyog se kothinae aur hi barh gayi hai. Atah ek Padri ki ~~jaxxxx~~ jald awashyakta hai.

Sankalp -(1) Padri Luthar Kongari (Hazaribagh Synod President) 1 11 January 1955 se badli men Assam synod bhoje jany.

(2) Burju Synod ke Padri Nicodin Bhunya, Hazaribagh Synod ke Synod President ki jagah par badli men bhoje jany.

Barju Synod apne baki karamchahiyan se kam sambhalta rahoga.
(f) Rev.S.Surin aur Rev.C.B.Aind's transfer:-

Reference-C.C.resolution 27/54 dt.30-3-54.

Padri Santosh Surin aur Padri Bijay Aind ki badli Assam huwi thi par kai karon ke lekar is Council ke hukum ko tamir karna men samarth huwe. Bad men sambandhit Synodon ne bhi puna bichar karna par yah nishchay kiya ki phirhal unka jana asambhaw hoga. In baton kikhabe Council ke di gayi. In karon men kuchh yah bataya gaya ki ye kai ek mukaddeon men ke dekh raho hain jo puri kalisha ke interest se sambandhit hai.

Upgukt baton ke adhar par puna bichar kiya gaya-
Conclp:- Council ke purane phasla (prastaw No.27/54 dt.30.3.54) jinke anusar Padri Santosh Surin aur Padri Bijoy Aind ki badli Assam ki gayi thi, rad ki jati hai.

16. Remaining matters:- Rev.Habil Topno ne prashtaw kiya ki shesh bishay, jinke bicharne ka samay is Council ke nahin hai; bichar aur karwai nimit Council karyakarini ko diya jay.

Rev.Z.Khalke kiek bishay jaise Gossner College aur Seminary accomodation, gambhir bishay hain- Sabhi bishay gambhir ho sakte hain tote gambhir bishay hai isi karan Karyakarini ko nahin diya ja sakte hai aise kahna sangat malum nahin parta hai. Karyakarini ko a hiker diya jay to sabhi bishay par bichar kar sakti hai. Agar Council samasya men matbhed hota hai to main President se arji karunga ki wo apna ruling den.

President- Council phasla kare.

Is ke bad ekek iton par bichar huwa ki is karyakarini ko ke diya jay athwa nahin. ~~xxxxxx~~ Phasla huwa ki sabhi baki bishay puna Council Council dwara bichar kiye jany.
Prashna aware sabha hisarjan huwi.

sd/-N.E.Horo. 3/10/54.
Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.13/12/54.

Memo No.

Dated Ranchi, the 13th December, 1954.

Copy forwarded to All the Church Council Members and Synod Presidents for information.

L. E. Horo
13/12/54
Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.13/12/54.

Tentative Agenda for the Full C.C. Meeting
to be held from 11th to 13th January, 1955.

Time:- Morning From 8.A.M. to 11 A.M.
Evening From 2.P.M. to 5.P.M.

1. Prayer and Roll-call.

2. Matters arising out of the last minutes.

3. Reports:-

- From Synods, if any.
- C.C. Commission on Tabitha School.
- G.E.L.C. Commission on Rev. Paulus Purto's affairs (Tinsukia).
- C.C. Committee for an enquiry into the non-realisation of house rent in the G.E.L.C. Church Camp Ranchi.
- Evanston (W.C.C. meeting)
- Committee for framing T.A. Rules.
- Reports from Institutions.
- Audit report of G.E.L.C. Press.
-
-

4. Transfers and Appointments:-

- Appointment of Head Masters in Proposed Lutheran High Schools Marcha and Rajgangpur.
- Appointment of Church Auditor.
- Transfer of Rev. L. Kongari, Rev. Nicodim Bhuiyan, Rev. L. Lakra and Rev. P.S. Kujur.
- Transfer of Mr. Christiras Surin (Head Master, Lutheran M.E. School Marcha) and Mr. Goshan Topno (Head Master Lutheran M.E. school, Govindpur)
- Transfer of Rev. Y. Dang (Jurdag)

5. Surguja Matters:-

- Matters out of Surguja Board's minutes.
-
-

6. Marcha matters - Review of the situation.

7. Letters from Director, Department of World Mission LWF dated November 8, 1954.

(b) Letter from Director, Department of Theology LWF dated

8. Property matters.

9. Treasurer's matter - Financial Statement, Budget for 1955.

10. G.E.L.C. Ministerial matters.

11. Head Supervisor's matters.

12. G.E.L.C. Mahasabha 1955.

Secretary,
G.E.L.C. Church, Ranchi.

Tabitha School

2.7.54 Letter from Miss Schmidt.

Commission: Mr. V. E.H., Rev. J., Rev. H.T.

(1) Prospect (2) Scholarship (3) Tabitha + Training school

Butcher's (4) information wanted (5) economic pressure of

(6) future prospect (7) school fees (8) allegations:

administration, food, labour.

suggestions:

(1) welfare work: a) knowledge of people (b) practical work

(2) Appointment - full preference to those of the Tabitha sch.

(3) Industries.

Future prospect: Synod - subscription to the B. Women

Can all the Tabitha sch. be the best workers in the church?

They will be useful in other ways.

Religious education - schools - outside school.

Scholarship - free (a) Bible women + teachers

(b) Padriygan

Tabitha + Teachers Training school - to be co-ordinating

Tabitha training be made compulsory.

Course - 3 years.

Bible + Basic education - Teachers be

given short course training at Tabitha school.

implied given out 21 all mission -

Letters from Tabitha school - (a) Financial support - Rs 100/- from

from Kenaburium in addition to grant - Home Bd

agrees - C.P. opinion 9

Subsidy - Rs 100/- from for students

Rs 100/- from for poor students.

Repairs - who will do it - Rs 300/- needed.

New season - from June - question of

continuation be considered -

Lapsed women - may be received

for care and reform.

Dancey Hemson - attended for 2 months

Miss Khen - never came to Tabitha

G. E. L. Church in Chotanagpur and Assam, Ranchi

Statment of Receipts and Payments for 1954.

RECEIPTS

PAYMENTS

Particulars	Amount	Particulars	Amount
31-12-54 Loan Recoverable	7,152 7	1-1-54 Opening Balancee Dr	8,122 7½
Hd Qr. Congregation	3,519 10 4½	31-12-54 Loan Recoverable	6,888
Advance Recoverable	4,199 5	6 Hd. Qr. Congregation	3,033 7 9
Permanent Advance	83 1	3 Advance Recoverable	6,847 4
Bible Society Chanda	38	6 Study Help to Students	2,224
Missionaries' Budget	2,580 8	Missionaries' Budget	2,285
Ilaka Contribution	274 12	Govt. Grant in Aid	2,760
Bethesda Hall Subsidy	3,000	Porperty Board	5,165
Flood Relief Fund	41 3	3 Evangelistic Grant	1,443
Provident Fund	606 14	Miscellaneous & Unforeseen	1,737 4 3
Govt. Grant in Aid	4,120	Charity	108
Property Board	35,812 4	4 Primary Schools	4,488 14
Evangelistic Grant	63 2	6 Evanston Conference	169
Miscellaneous & Unforeseen	828 2	9 Foreign Study	2,840
Mahila Samelan	95	Meetings & Convention	659 7
N. M S. Chanda	56 10	3 Contingencies	1,259 4 3
American Subsidy	48 468 9	Person	1,920
Primary Schools	3 508 12	6 Affiliation Fees	600
Mandli Paisa	1,219 10	9 Establishment	12,088 11 3
Evanston Conference	404 15	Caleutta Work	1,700
Foreign Study	2,842 12	Seminary	10,799 10 3
Meetings & Conventions	111 9	6 Contribution Payable	1,000
		Bible Translation	850
		Motor	2,144 2 9
		Travelling & Transfer	4,617 12
		Medical Work	1,561 11 6
		Girls schools	2,723
		Printing & Publication	344
		Audit Charges	742
		Litigation	171 12 6
		TOTAL...	103,792 6 1½
		Closing Balance Cr.	15,265 4
TOTAL...	1,9057 6 5½	GRAND TOTAL...	119057 6 5½

C. M. HORO

Asstt. Treasurer

G. E. L. Church, Ranchi.

Ranchi

March 31, 2955

American Subsidy

Ilaka (Synod) Contribution

Income		Amount		Expenditures		Amount	
1-1-54 Balance B. F. Cr. ...	17,875	7 11 2	31-12-54 Motor Expenses ...	2,144	2 9		
11-2-54 Receipt ...	80		Travelling & Transfers ...	4,617	12 1		
22-3-54 " ...	20		Girl's Schools ...	2,723			
26-3-54 " ...	150		Meetings & Conventions ...	311	8 9		
26-4-54 " ...	24	12					
			Total...	9,796	7 6		
			Cr. Balance C. forward ...	8,353	11 7 6		
Total...	18,150	3 1 1/2	Total..	18,150	3 1 1/2		

Head Quarter Congregation

Income	Amount	Expenditures	Amount
1-1-54 Balance B. F. Cr ...	674	31-12-54 Payment to Hd.	
31-12-54 Receipt ...	3,519 10 4 1/2	Qr. Congr...	3,033 7 9
		Primary Schools ...	980 1 6
		Total...	4013 9 3
		Cr. Balance C. F. ...	180 11 1/2
Total...	4,193 10 4 1/2	Total...	4,193 10 4 1/2

Property Board

Income	Amount	Expenditures	Amount
1-1-54 Balance B. F. ...		1-1-54 Balance B. F. ...	
2-1-54 Receipt ...	24,324 4 4	5-6-54 Befund ...	2,000
12-4-54 " ...	11,488	30-6-54 " ...	2,000
		5-10-54 " ...	200
		21-10-54 " ...	400
		29-12-54 " ...	340
		31-12-54 Litigation Expen-	
		es is Heran Case ...	171 12 6
		Paid to Shri J.M. Lakra ...	225
		Total...	5,336 12 6
		Cr. Balance C. F. ...	30,475 7 10
Total...	358,12 4 4	Total...	35,812 4 4

24,874-4-4

with
Inas

2000
1000
12000

520

35000
24874
20126

CHOTANAGPUR AND ASSAM

as of 31-12-54

				Cr.
Particulars		Budget Account		Spceial Account
1	Head Quarter Congregation	...	180 1 1 1/2	
2	Study Help	—		1181
3	Bible Society Chanda	...	175 6 9	
4	Missioriess Budget	...		217 1
5	Ilaka (Synod) Contribution	...	8353 11 7 1/2	
6	Bethesda Hall			6352 13
7	Flood Relief Fund	...		77 3 9
8	Provident Fund	...		1525 13
9	Govt. Grant in Aid			2460
10	Property Board			30475 7 10
11	" " Subsidy		13901 15 6	
12	Evanston Conference	...	235 15	
13	Foreign Study	...	2 12	
14	Mahila Sammelan	...	95	
15	N, M, S, Chanda		56 10 3	
16	Mandli Pisa	...	1219 10 9	
17	Emergency Fund	...		1445 12 3
18	Federation Chanda		2	
19	Special Gift		1624 3 6	
Total			25847 6 6	
Cash Dr			9148 14 3	
Total			34996 4 9	43735 2 10

Summary of Cash Balance

Budget Account Dr. Rs. 9 148—14—3

Special Account Cr. Rs. 24,413—14—7

As per Cash Book... .. Cr. Rs. 15,265—0—4

C. M. HORO.
Assistant. Treasurer
 G. E. L. Church, Ranchi

G. E. L. Church in Chotanagpur and Assam.
Reserve Fund.

Particulars		Amount		
1-1-54 By Balance	Cr	2,478	15	10
31-12-54 Balance	"	2,478	15	10

Note:—Reserve Fund का हिसाब पूरा नहीं है क्योंकि हिसाब का पूरा पता नहीं लगाया जा सका।

Centennial Jubilee Fund

Particulars		Amount		
1-1-54 By Balance	Cr.	3,185	1	3
31-12-54 By Interest	"	47	4	
31-12-54 Balance	"	3,232	5	3

Widows' Fund

(Statement of Receipts and Payments for 1949-1954)

Particulars		Receipt		Payment	
1-1-49 Opening Balance	...	90			
31-12-54 Interest received from Bank	...	411	9		
" Payments returned	...	11			
" Payments made to widows	...			522	1
Total		512	9	522	1
" Closing Balance	Dr	9	8		
Grand Total		522	1	522	1

Widows' Fund

Trial Balance as of 31-12-54

Particulars	Dr	Cr
1 F. D in the United Bank of India Ltd. Ranchi	4121 10 9	
2 Deposit in Rehergara Coop. Society	764 78½	
3 Govt. Promisory Note of 1865 sent to Purulia on 20-11-48 for drawing Interest	100	
4 Fund		4942 38½
5 Undistributed Interest		34 6 9
Closing Balance 31-12-54 Dr	4986 25½	4976 10 5½
		9 8
Grand Total...	4986 25½	4986 25½

Note:—Widows' Fund के हिसाब का पूरा पता अब तक नहीं लगाया जा सका है। G. E. L. Church P. Fund के हिसाब से कुछ ऐसा मालुम होता है कि Widows' Fund का हिसाब G. E. L. C. P. Fund के साथ २७-४-१९५३ को मिला दिया गया।

Ranchi
March 31, 1955

C. M. HORO
Asstt. Treasurer
G. E. L. Church, Ranchi.

G.E.L. CHURCH PROVIDENT FUND

Statement of Receipts and Payments for 1949

Particulars	Receipts	Payments
1 Own Contribution	1937 7	229 15
2 Haka Contribution	6 7	
3 Fixed Deposit in Bengal C. Bank Ltd.	20200	2020
4 S. B. Deposit in Bengal C. Bank Ltd.	5341	10023 4 6
5 General Reserve	552 13	
6 Suspense Refundable	4562 5 6	4562 5 6
7 Miscellaneous	10 4 6	1 3 6
8 C. C. Contribution		46 3
9 Interest Payable		23 6
10 Loan Recoverable		320
Total	33301	35406 5 6
Opening Balance 1-1-49	2144 1 6	
Closing Balance 31-12-49		38 12
Grand Total	35445 1 6	35445 1 6

Balance Sheet as on 31-12-49

Particulars	Liabilities	Assets
1 Own Contribution	13568 11 6	
2 Ilaka Contribution	5021 3 3	
3 C. C. Contribution	5811 9 9	
4 Interest Payable	1160 11	
5 General Reserve	675 6	
6 Loan Recoverable		820
7 Miscellaneous	13 7	
8 F D in Bengal Central Bank Ltd.		20200
9 S B D. in Bengal Central Bank Ltd.		5191 15
		26211 15
10 Cash in hand (31-12-49)		38 12
Grand Total...	26250 11	26250 11

Ranchi
31-3-1955

C. M. HORO
Assistant Treasurer
G. E. L. Church, Ranchi.

G. E. L. Church Provident Fund

Statement of Receipts and Payments for 1950—1953.

Sr. No.	Particulars	Receipts	Payments
1	Own Contribution	7,370 2 8	1,372 9 0
2	Ilaka Contribution	3,180 4 4	295 12 0
3	C. C. Contribution	3,122 10 3	449 1 0
4	Interest Payable		75 14 3
5	Loan Recoverable	110 0 0	510 0 0
6	Miscellaneous	15 6	
	Total	13,784 0 9	2,733 4 3
	Opening Balance 1-1-50	38 12 0	
	Closing Balance 31-12-53		11,089 8 6
	Grand Total	13,822 12 9	13,822 12 9

Balance Sheet as on 31-12-53.

Sr. No.	Particulars	Liabilities	Assets
1	Own Contribution ...	19,566 5 2	
2	Ilaka Contribution ...	7,905 11 7	
3	C. C. Contribution ...	8,485 3 0	
4	Interest Payable ...	1,084 12 9	
5	General Reserve ...	675 0 6	
6	Miscellaneous ...	14 6 6	
7	Loan Recoverable ...		1,250 0 0
8	F. D. in the United Bank of India Ltd.		20,200 0 0
9	S B D. in the United Bank of India Ltd.		5,191 15 0
	Cash in hand ...		26,641 15 0
			11,089 8 6
	Total	37,731 7 6	37,731 7 6

G. E. L. Church Provident Fund.

Statement of Receipts and Payments for 1954-

Sr No	Particulars	Receipts	Payments
1	Own Contribution ..	1,6 4 11 0	752 13 0
2	Ilaka Contribution ...	733 15 0	535 4 9
3	C. C. Contribution ...	220 10 0	
4	General Reserve ...	2,639 13 0	98 10 6
5	Loan Recoverable ...	200 0 0	891 0 0
6	S.B. Deposit in United Bank of India Ltd.	14,552 6 0	13,317 14 6
7	F. D. in United Bank of India Ltd ...	31,011 4 0	39,606 4 0
8	Widow Fund ...	4,330 4 0	
9	Interest Payable ...	70 9 3	87 3 0
10	Contingency		0 4 0
	Total	66,395 8 3	55,289 5 9
	Opening Balance 1-1-54 ...	11,089 8 6	
	Closing Balance 31-12-54 ...		11,193 11 0
	GRAND TOTAL	66,395 8 3	66,395 8 3

Balance Sheet as on 31-12-54.

Sr. No	Particulars	Liabilities	Assets
1	Own Contribution	20,448 3 2	
2	Ilaka Contribution ..	8,104 5 10	
3	C. C. Contribution ..	8,705 13 0	
4	Widow Fund ...	4,330 4 0	
5	General Reserve ..	3,215 15 0	
6	Loan Recoverable ..		1,941 0 0
7	Miscellaneous ..	14 6 6	
8	F. D. in United Bank of India Ltd		28,795 0 0
9	S B D. in United Bank of India Ltd.		3,957 7 6
10	Interest Payable	1,068 3 0	
	Total	45,887 2 6	34,693 7 6
11	Cash in hand with Treasurer		11,193 11 0
	GRAND TOTAL	45,887 2 6	45,887 2 6

Ranchi.

C. M. HORO.

31-3-55.

Assistant Treasurer, G.E.L. Church Ranchl.

G. E. L. Church Provident Fund

Balances on 31-12-54.

S. N.	Names	Own Con- tribution			Baka Con- tribution			C. C. Con- tribution			Interst	Total		
1	Rev. C B. Ekka	...	349	14 0	175	2		80	12		11 2	598	14	
2	„ K.D. Soy	...	286	0 0	106	4 6		109	9		19 7	471	4 6	
3	„ C.C. Topono	...			124	14		101	7			226	5	
4	Shri C.M. Horo	...	158	7 0				158	7		6 6	323	4	
5	Rev. C. H. Tirkey	...	63	2 0	31	9		30	7 6		1 2	126	4 6	
6	„ C.H. Kerketta	...	133	1 0	66	8		46	4		1 1	246	14	
7	„ D. Horo	...			62	13		55	12 6			118	9 6	
8	„ D. Lakra	...	421	12 0	198	11		72	10 3		2 14	695	15 3	
9	„ D.D. Guria	...	8	4 0	34	2		56	4		20 12	119	6	
10	Shri D. Toppo	...	142	8 0				126	14		5 2	274	8	
11	Rev. E. Ekka	...	126	7 0	41	14		34	4 6		14 1	216	10 6	
12	„ E. Kindo	...	119	3 0	59	9 6		53	6		16	247	3	
13	„ H. Topono	...	222	13 0	111	6		67			4 11	405	14	
14	„ H. Minz	...	40	6 0	202	3 6		15	8		32 1	739	2 6	
15	„ I. Lakra	...	297	6 0	115	14		173	13 6		25 4	612	5 6	
16	„ J.J.P. Tiga	...	445	0 0				422	8		40 10	908	2	
17	„ J. Toppo	...	51	5 0	27	2		27	2		3 10	112	2	
18	„ J. Kujar	...	210	10 0	105	5		93	12		10 12	420	7	
19	„ J. Topono (Runga)	...	23	12 0	11	14		3	2		4 13	41		
20	„ J. Tiru	...	45	0 0							3 9	48	9	
21	„ J. Maraiya	...	415	0 0	207	2		151	8		30 6	804		
22	„ J. Surin	...	307	10 0	145	1		61	14		4	517	2	

N.	Name	Own cont.	Lakra cont	C. C. cont	Intrest	Total
23	„ J. Kiro ...	145 14	73 4	57 12 6	4 15	281 13 6
24	„ J. Hemrom ..	55 13	28 9 6	28 9 6	4 15	117 15
25	„ J. Bage ...	167 12	83 9 6	47 13 6	2 6	301 9
26	„ K. M. Topono ...	312 4	156	104 8	20 9	593 5
27	Miss K. C. Sokey ...	247 13		190 5	8 6	445 14
28	Rev. L. Topono I ...	2 8			5	2 13
29	„ L. Ekka ...		37 8	139 11		177 3
30	„ L. Topono II ...	346 11	91 5	201 9	24 14	664 7
31	„ L. Jojowar ...			107 8	27 2	134 10
32	„ L. Kongari ...	256 13	128 9 6	105 11	24 1	515 2 6
33	„ M. D. Lakra ...	15 5	3 5		2 9	21 3
34	„ M. Manki ..	4 6	96 1	64 15 6		165 6 6
35	„ M. Sanga ..	384 8	148	160 12	25 10	718 14
36	„ M. Topono ..	260 14	130 7	100 14 6	16 15	509 2 6
37	„ M. Kindo ..	148 4	74 2	74 2	11 2	307 10
38	„ M. Aind ..	54 14	27 7	9 2		91 7
39	„ M. Hemrom ...	353 13	177 7	164 15	37 2	733 5
40	„ N. Tirkey ...	301 4	150 10	107 8	16 1	575 7
41	„ N. Huro ..	305 2	152 12 6	94 1 6	14 7	566 7
42	„ P. Beck ...	482 15	287 13 6	110 9 6	18 7	899 13
43	„ P. D. S. Bage ...	303 8	151 9 6	78 12 6	19 15	553 9
44	„ P. Tiru ...	91 4	95 10	68 7	5 14	261 3
45	„ P. W. Lakra ...	69 8 6	34 11 9	34 11 3	1 2	140 1 6
46	„ P. Kujur ...	238 5	119	48 9	1 7	407
47	„ P. Partti ..	185 1	92 4 6	52 4	14	330 7 6
48	„ P. C. Punoria ...	11 14			3 1	2 1
49	„ S. Bage ...	13 12	6 14	6 14	9	28 1
50	„ S. Hemrom ...	179 6	89 11	70 15	15 15	355 15

S.N.	Names	Own cont	Ilaka cont	C.C. cont	Intrest	Total
51	„ S. Surin ...	239 2	119 9	93	17 12	469 7
52	„ S. A. B. Lakra ...	151 14	18 1	44 15	8 12	223 10
53	„ Silas Horo ...	40 10	20 5	14 1	9 8	81 8
54	„ S. Sarkar ...	6 4	3 2	3 2	1	13 8
55	„ Santosh Horo	256 4	132 8	113 12	17 1	519 9
56	„ S Toppo ...	73 2	35 7 6	37 10 6	3 10	149 14
57	Miss S Horo ...	72 10		72 10	2 14	148 2
58	Rev. Th Topono ..	264 7	101	70 1	16 15	452 7
59	„ Th. Kujur ..	187 10	3 12	167 10	2 15	361 15
60	„ U. E. Kujur ..	32 1	2 8	180 5	30 2	245
61	„ Z. Khalkho ..	45 2	22 9	21 14	1	90 9
62	„ Y. Bago ...	80 10	40 5	34 11	15 3	170 13
63	Mr. C. D. Sirka ..	105		93 12		198 12
64	Cend. P. Minj ...	14 1	7 6	7 6		28 2
65	Rev. N. Bhuinyau ...	109 6	55 7	7 6		172 3
66	„ C P. J. Toppo ...	115 3	48 11 7	13 13		177 11 7
67	„ P D. Soreng ...	147 6	20 5	1 9		169 4
68	„ S. Soy (Jete) ...	141 15	70 15	1 9		214 7
69	„ Sh. Perti ...	94 1	47 6			141 1 6
70	„ S. S. Soy (Situng)	174 13	87 15 6			262 14 6
71	„ C. C. Minz ...	114 13	57 6 6			172 3 6
72	„ A. Bara ...	557 13 4	278 13 2	131 6	25 11	998 6
73	„ H. Dungdung ...	243	121 15	32 2 6	3	397 4 6
74	„ L. Ekka ...	414 6	208 5 8	95 6	11 14	729 15 8
75	„ S. Dungdung ..	55 3	27 9 6			82 12 6
76	„ N. Ekka ...	244 1	98 3	124 7	20 1	486 12
77	Dr. L. Ekka ..	91 5		78 13	20 1	171 8
78	Rev. M. Bhengra ..	25	12 8			37 8

S. N.	Names	Own cont.	Ilaka cont.	C. C. cont.	Intrest	Total
79	Rev. M. P. Jojo	53 10	26 13			80 7
80	Shri S. Horo	35				35
81	Rev. J. Kandulna	74 4	37 2			111 6
82	" I Kujur	93 6	46 11			140 1
83	" C. B. Aind	481 10	235 3 6	96 11	11 6	824 14
84	" C. U. Dang	228 14	114 7	43 15 6	14	388 2
85	" C. K. Bhengra	510 4	188 7 6	237 1	29 2	964 14 6
86	" N. Mundu	471 4	235 10	119 13 6	22 2	848 13 6
87	" C. K. Gurir	396 8 4	199 9 2	188 12 6	25 14	760 12 0
88	Shri Z. Horo	552 0		258 8	8 14	818 6 6
89	Rev. S. S. Dungdung	12 11	6 6			19 1
90	" Junul Topono	30 10	15 4			45 14
91	" S. Kula	497	39 8 6	277 15 6	28 7	843 11
92	" S. M. Bage	464 2	234 3	116 14	24 7	839 10
93	" N. Kulu	234 9	117 3	28 6	5	380 7
94	" Z. Bodra	7 8	3 12			11 4
95	" S. Dungdung	84 8	42 4			126 12
96	" Sadrak Ekka	22 9	11 4			33 12
97	Cand J. Soy	20	10			30
98	Rev. E. Kiro	42 4	21 2			63 6
99	" J. Lakra	1349 6		1120 10	109 11	2579 14
100	Shri N. E. Horo	62 8				62 8
101	Rev. C. J. Tirkey	323 9	122 6	180 8 6	16 11	643 26
102	" M. Ekka	64 11		64 11		129 6
103	" J. Mundu	3 8	1 12			5 4
104	" Y. Dang	344 2	167 1	99 14	20 13	621 14
105	" J. Surin	3 12	1 14			5 10
106	Cand. Dh. Toppo	15				15
107	Rev. A. Horo	15	7 8			22 8
108	" C. B. Minz	485 11	192 15 6	90 2 6	1 14	780 11
109	" I. Guria	261 5	134 4 6	81 3	8 2	484 15 6
110	Cand. J. Bage	8 7	4 3			12 10
Total		20448 3	28104 5 10	8705 13	1068 3	38326 9

Ranchi
March 31, 195

C M HORO
Assistant Treasure
G. E. L. Church, Ranch

Gossner Church Pracharaks' Provident Fund.
Statement of Receipts and Payments for 1949—1954.

Particulars	Receipts	Payments
1 Own contribution	2481	195 7
2 Haka contribution	2456 11 6	195 7
3 Interest payable		7 6
4 Suspense refundable	63 12	
Total	5001 7 6	398 4
Opening balance 1-1-49	454 10	
Closing balance 31-12-54		5057 13 6
Grand Total	5456 16	5456 16

Balance Sheet as on 31-12-54.

Particulars	Liabilities	Assets
1 Own contribution	2492 6	
2 Haka contribution	2467 15 6	
3 Suspense refundable	104 14	
4 Interest payable		7 6
5 Cash in hand with Treasurer		5057 13 6
Total	5065 3 6	5065 3 6

Ranchi
 March 31, 1955.

C. M. Horo
 Assistant Treasurer,
 G. E. L. Church, Ranchi.

Gossner Church Pracharaks' Provident Fund

Balances on 31-12-54.

Sr. No.	Name	Synod	Own Contribution	Liaka Contribution	Total
1	Pr Ditt Parti	Barju	35 12 0	35 12 0	71 8 0
2	" Gideon Horo	"	49 2 0	45 15 0	95 1 0
3	" Patras Guria	"	50 0 0	50 0 0	100 0 0
4	" Asaph Guria	"	6 0 0	6 0 0	12 0 0
5	" Masahdas Tutti	"	56 14 0	56 14 0	113 12 0
6	" X. Hardugan Parti	"	52 9 0	52 8 0	105 1 0
7	" Babulal Topono	"	55 8 0	55 8 0	111 0 0
8	" Benjamin Guria	"	43 10 0	43 10 0	87 4 0
9	" Jonas Guria	"	5 4 0	5 4 0	10 8 0
10	" Johan Munda	"	43 1 0	43 1 0	86 2 0
11	" Anandmasih Kandulna	Orissa	81 6 0	81 6 0	162 12 0
12	" Johan Bago	"	84 6 0	84 6 0	168 12 0
13	" Prabhusahai Lugun	"	57 1 0	57 1 0	114 2 0
14	" Luther Jojowar	"	59 10 0	59 10 0	119 4 0
15	" Manmasih Kandulna	"	63 4 0	63 4 0	126 8 0
16	" Ishak Surin	"	42 4 0	42 4 0	84 8 0
17	" Masihdas Barla	"	40 0 0	40 0 0	80 0 0
18	" Johan Topono	"	23 12 0	23 12 0	47 8 0
19	" Suleman Kindo	Khutitoli	14 4 0	14 4 0	28 8 0
20	" Chonhas Kujur	C. P.	7 0 0	7 0 0	14 0 0
21	" Matias Minz	"	7 0 0	7 0 0	14 0 0
22	" Ishwar Sainai Kujur	"	5 11 0	5 11 0	11 6 0
23	" Sadrak Tirkey	"	4 1 0	4 1 0	8 2 0
24	" Prabhudas Ekka	"	7 0 0	7 0 0	14 0 0
25	" Masihprakash Hatipat	Orissa	2 4 0	2 4 0	4 8 0
26	" Habil Kandulna	"	2 0 0	2 0 0	4 0 0
27	" Jakaria Barla	"	2 4 0	2 4 0	4 8 0
28	" Jusaph Surin	"	2 4 0	2 4 0	4 8 0
29	" Joshua Toppo	"	1 10 0	1 10 0	3 4 0
30	" Boas Topono	Takarua	26 2 0	26 2 0	52 4 0
31	" Kaleph Baghraila	"	42 10 0	42 0 0	85 4 0
32	" Masihdas Kerketta	"	7 14 0	7 14 0	15 12 0
33	" Jusaph Horo	"	34 14 0	34 14 0	69 12 0
34	" Puran Prasad Lugun	"	34 14 0	34 14 0	69 12 0
35	" Patras Jojowar	"	34 14 0	34 14 0	69 12 0
36	" Daad Lugun Dongapam	"	34 14 0	34 14 0	69 12 0
37	" Boas Samud	"	31 12 0	31 12 0	63 8 0
38	" Masihprakas Jojo	"	27 8 0	27 8 0	55 0 0
39	" Suleman Dungdung	"	31 12 0	31 12 0	63 8 0
40	" Patras Dang	"	7 7 0	7 7 0	14 14 0
41	" Gabriel Aind	"	34 14 0	34 14 0	69 12 0
42	" Prabhu Sahai Surin	"	42 10 0	42 10 0	85 4 0
43	" Anandmasih Munda	"	30 14 0	30 14 0	61 12 0
44	" Juel Bago	"	7 0 0	7 0 0	14 0 0

Sr. No.	Name	Synod	Own Contribution	Ilaka Contribution	Total
45	Pr. Paulus Figa	Western	59 8 0	59 8 0	119 0 0
46	" Mika Toppo	"	43 12 0	43 12 0	87 8 0
47	" Ignatius Kujur	"	6 14 0	6 14 0	13 12 0
48	" Dhansidh Bakhla	"	67 8 0	67 8 0	135 0 0
49	" Nabin Toppo	"	63 8 0	63 8 0	127 0 0
50	" Juel Figa	"	50 12 0	50 12 0	101 8 0
51	" Eliah Kulu	"	13 13 0	13 13 0	27 10 0
52	" Martin Deogam	Singbbhum	6 4 0	6 4 0	12 8 0
53	" Suleman Mundu	Burja	6 1 0	6 1 0	12 2 0
54	" Nuas Kanchulna	"	7 14 0	7 14 0	15 12 0
55	" Samuel Barjo	"	7 0 0	7 0 0	14 0 0
56	" Santosh Gurja	"	5 4 0	5 4 0	10 8 0
57	" Immanuel Bara	Northern	16 8 0	16 8 0	33 0 0
58	" Mohan Turkey	"	5 4 0	5 4 0	10 8 0
59	" John Turkey	"	6 9 0	6 9 0	13 2 0
60	" Mansukh Khalkho	"	8 4 0	8 4 0	16 8 0
61	" Samuel Samad	Kororjo	5 0 0	5 0 0	10 0 0
62	" Luther Soreng	"	32 8 0	32 8 0	65 0 0
63	" Yakub Lukra	"	34 4 0	34 4 0	68 8 0
64	" Manmishi Kerketta	"	3 4 0	33 4 0	66 8 0
65	" Boas Duzdzang	"	26 11 0	26 11 0	53 6 0
66	" Samuel Duzdzang	"	35 0 0	35 0 0	70 0 0
67	" Markas Lugun	"	33 6 0	33 6 0	66 12 0
68	" Asaph Kandalna	Takarna	12 0 0	12 0 0	24 0 0
69	" Martin Kandalna	"	11 4 0	11 4 0	22 8 0
70	" Habil Gurja	"	12 2 0	12 2 0	24 4 0
71	" Samuel Gurja	"	10 8 0	10 8 0	21 0 0
72	" Joseph Kerketta	"	10 8 0	10 8 0	21 0 0
73	" Anandmasih Kongari	"	10 8 0	10 8 0	21 0 0
74	" Dhansidh Toppo	Western	66 12 0	66 12 0	133 8 0
75	" Ochlyar Kinto	"	28 8 0	28 8 0	57 0 0
76	" Theobald Kujur	"	60 12 0	60 12 0	121 8 0
77	" Paulus Ekka	"	69 0 0	69 0 0	138 0 0
78	" Premprasad Minz	"	82 8 0	82 8 0	165 0 0
79	" Premolay Kujur	Kinkel	6 9 0	3 4 6	9 13 6
80	" Samuel Lukra	"	36 4 0	28 15 0	65 3 0
81	" Nainsukh Kujur	Western	43 0 0	43 0 0	86 0 0
82	" Jasman Kujur	"	19 7 0	19 7 0	38 1 0
83	" Elias Kujur	"	17 7 0	17 7 0	34 14 0
84	" Victor Beck	"	26 14 0	26 14 0	53 12 0
85	" Immanuel Toppo	"	7 8 0	7 8 0	15 0 0
86	" Nainsukh Kujur II	"	30 12 0	30 12 0	61 8 0
87	" David Lugun (Kaurawa)	Takarna	31 12 0	31 12 0	63 8 0
Total			2503 7 0	2489 9 0	4993 0 0

Ranchi
March 31, 1955,

C M HORO,
Assistant Treasurer
G. E. L. Church, Ranchi.

SUMMARY OF CASH BALANCE OF 31-12-1954.

Name of Account	Dr.	Cr.
1 Budget Account (Vide P. 4) ...	9,148 14 3	
2 Special Account (Vide P. 4) ...		24,413 14 7
3 G. E. L. Church Provident Fund P. 8) ...		11,193 11 0
4 Gossner Church Pracharaks P. Fund (P. 12)...		5,057 13 6
5 Widows' Fund (Page 5) ...	9 8 0	
6 Judilee (Centenal) Fund (P. 5) ...		3,232 5 3
7 Reserve Fund (Page 5) ...		2,478 15 10
Total ...	9,158 6 3	46,376 12 2
Net Balance Cr. ...	37,218 5 11	
	46 376 12 2	46,376 12 2

Details of Net Cr. Balance of 31-12-1954.

Particulars	Amount	Amount
1 Net Cr. Balance as per Summary ...	37,218 5 11	
2 In C. N. Banking Assn. Ltd. Ranchi (C.C. acett.)		11,280 5 8
3 F D in C. N. Banking Assn. Ltd. Ranchi (R. Fund)		2,340 0 0
4 F. D. in C. N. Bankidg Assn. Ltd. Ranchi (Jubilee Fund)		3,232 5 3
Total ...		16,852 10 11
5 With Treasurer Mr. Z. Horo ...		20,226 11 2
C. C. Account Rs. 3,984 10 8		
Less Dr. Balance of widows Fund 9 8 0		
	3,975 2 8	
G. E. L. C. P. Fund 11,193 11 0		
Gossner Church Prach. P. F. 5,057 13 6		
	20,226 11 2	
6 C.D. In C.N. Banking Assn. Ltd, Ranchi (R Fund)		138 15 10
TOTAL ...	37,218 5 11	37,218 5 11

Note:—एटम ५ में खजांची श्री Z. Horo के पास २०२२६॥३॥२ दिखाया गया है। इस में से जैसा ऊपर दिखाया गया है १११६३॥३॥ जो ० ई० एल० चर्च प्रोभिडेंट फंड का है और ५०५॥७॥१॥६ प्रचारक प्रोभिडेंट फंड का है। एटम ६ और ७ में जो रुपैया दिखाया गया है उसका पूरा पता नहीं लगाया जा सका है।

Ranchi,
March 31, 1955.

C. M. HORO
Assistant Treasurer
G. E. L. Church, Ranchi.

20226-11-2
20044-9-6
182-1-8

G. E. L. Church in Chotanagpur and Assam, Ranchi.

Budget for the year, 1955.

S. No.	Heads	Expenditures	Income	Deficit
1	Establishment	11,790 0 0		11,790 0 0
2	Dearness Allowance	768 0 0		768 0 0
3	Seminary	11,605 0 0		11,605 0 0
4	Evangelistic Work	18,276 0 0	320 0 0	17,956 0 0
5	Medical Work	2,096 0 0	200 0 0	1,896 0 0
6	Office Contingencies	1,500 0 0		1,500 0 0
7	Meetings and Conventions	5,500 0 0		5,500 0 0
8	Travelling Transfers	21,000 0 0		21,000 0 0
9	Pension	2,220 0 0		2,220 0 0
10	Charity	100 0 0		100 0 0
11	Contribution to P. Fund	2,400 0 0		2,400 0 0
12	Grants to Primary Schools	3,900 0 0		3,900 0 0
13	Tabitha Bible Training School	4,320 0 0	1,200 0 0	3,120 0 0
14	Motor Expenses	2,000 0 0		2,000 0 0
15	Price of one motor	3,500 0 0		3,500 0 0
16	Contribution to N. M. S.	1,000 0 0		1,000 0 0
17	Audit Charges	500 0 0		500 0 0
18	Calcutta Lutheran Work	2,520 0 0	1,200 0 0	1,320 0 0
19	Bible Translation	1,080 0 0		1,080 0 0
20	Printing and Publication	720 0 0		720 0 0
21	Study Help (1955-56)	2,500 0 0	2,500 0 0	
22	Catechists Training School	6,144 0 0	1,800 0 0	4,344 0 0
23	Affiliation Fees	2,989 0 0		2,939 0 0
24	Contributions	3,900 0 0		3,900 0 0
25	Youth Work	300 0 0		300 0 0
26	Women's Work	860 0 0	100 0 0	760 0 0
27	Miscellaneous and the foreseen	2,500 0 0		2 500 0 0
28	Head Quarter Congregation	3,000 0 0	3,000 0 0	
		1,18,938 0 0	10,320 0 0	1,08,618 0 0

EXPECTED INCOME :—

1	American Subsidy 1954	...	Rs. 9,150 14 0
2	Recovery of old advances expected	...	14,502 9 0
3	Mandli Paisa from Synods	...	24,964 9 0
4	American Subsidy for 1955	...	2,000 0 0
			1,08,534 0 0

RANCHI,
March 31 1955.

C. M. HORO.
Asstt. Treasurer,
G. E. L. Church, Ranchi.

जी. ई. एल.

नाम सिनोड	एतवार सिरनी	घड़ा सिरनी	प्रभुभोज दान	मड़ली पैसा	शादी फीस	नया खानी	कटनी	बैबल सोसाईटी
1 Ranchi Hd. Qr's. Cong.	2,450 3 7½	806 12 9	818 7 9	287 15 0	266 12 0	125 11 3	327 5 6	...
2 Manbhum Synod	554 3 6	455 5 0	272 11 3	63 9 0	25 0 0	...	40 1 0	...
3 Bengal Synod (Dooars)	1 420 8 0	2,262 0 0	239 4 9	232 8 0	60 0 0	29 12 0	218 13 0	...
4 Hazaribagh Synod	343 6 0	271 6 0	131 4 9	445 13 6	25 0 0	21 0 3	91 10 6	...
5 Northern Synod	4,694 14 8½	6,800 0 0	748 5 9	89 0 3	524 6 0	778 9 10½	1,501 15 10½	59
6 C. P. Synod	2,286 6 3	3,687 14 6	227 11 3	214 8 6	275 0 0	253 13 3	1,229 3 3	20
7 Calcutta L.W.	220 8 0	158 10 0	86 0 0	425 8 0	...	...	131 5 3	...
8 Orissa Synod	8,993 6 0	14,487 4 9	1,659 14 6	792 4 3	1,726 7 6	1 206 11 9	3,287 3 9	19
9 Assam Synod	11,839 6 3	20,405 15 3	1,826 4 9	919 15 6	1,689 2 0	963 15 0	5,314 11 6	...
10 Takarma Synod	4,161 0 9	4,102 13 0	719 12 9	415 1 6	628 13 0	854 1 3	3,052 1 6	2
11 Kinkel Synod	2,303 4 0	3,255 15 9	341 13 9	155 5 9	432 0 0	519 14 6	298 8 0	...
12 Koronjo Synod	3,448 15 3	4,265 5 9	547 0 3	298 2 3	1,146 2 0	...	1,498 6 3	33
13 Burju Synod	5,261 4 4½	6,132 4 1½	806 9 6	577 9 9	700 12 9	914 11 3	2,296 12 0	...
14 Govindpur Ilaka	2,889 6 9	3,995 15 6	677 1 3	191 4 0	326 0 0	494 7 0	1,847 0 2	18 1
15 Khutitoli Synod	2,731 4 9	3,694 9 6	479 15 9	61 1 0	450 0 0	372 7 0	785 8 0	...
16 Singbhum Synod	1,127 5 4½	1,505 11 9	228 3 9	652 0 9	152 0 0	27 4 9	348 9 3	...
17 Jamshedpur Parish	1,249 2 7½	1,830 13 0	158 8 0	2,312 10 0	18 0 0	...	883 15 9	...
Total...	55,974 10 2½	78,118 12 7½	9,469 1 9	8,134 5 0	8,445 7 3	6,562 6 1½	23,153 2 6½	153

Western Synod का हिसाब नहीं आया ।

जी. ई. एल. चर्च छोटाणागपुर और आसाम १९५४ साल
सिनोडों की आमदनी।

नया खानी	कटनी	बैबल सोसाइटी	राज्य वृद्धि	प्रभुप्रीत	थन्यदाव	एन.एम.एस.	स्तान दान	स्कूल खन्दा	सी.सी. ग्राण्ड	स्टेश
125 11 3	327 5 6	...	43 6 9	..	167 2 9	...	222 13 6	...	...	1.
...	40 1 0	...	...	...	51 14 6	...	...	456 8 0	650 0 0	
29 12 0	218 13 0	...	32 14 0	...	597 7 9	...	120 5 9	392 0 0	...	
21 0 3	91 10 6	...	...	4 0 0	20 10 0	...	39 9 3	...	1,839 0 0	
778 9 10½	1,501 15 10½	59 0 0	65 7 3	247 3 6	803 7 5	...	336 7 10½	...	...	
253 13 3	1,229 3 3	20 0 0	115 0 0	285 13 0	264 7 6	15 0 0	54 4 6	...	1,754 0 0	
...	131 5 3	...	...	321 2 9	48 15 9	...	123 14 9	..	1,900 0 0	
1 206 11 9	3,287 3 9	19 9 6	119 14 6	669 14 6	2,333 7 9	17 9 0	617 11 6	...	...	3
963 15 0	5,314 11 6	...	356 11 0	706 12 9	3,191 12 0	...	732 8 3	...	...	
854 1 3	3,052 1 6	2 9 0	256 11 9	731 6 0	1,365 0 9	21 4 0	149 13 6	...	150 0 0	2
519 14 6	298 8 0	...	88 4 6	108 7 6	540 5 0	...	124 3 9	...	228 0 0	3
...	1,498 6 3	38 5 9	180 3 6	720 0 0	1,379 2 6	...	167 13 3	263 0 0	...	
914 11 3	2,296 12 0	...	346 12 3	188 5 6	603 5 3	...	178 15 9	120 10 0	1,764 0 0	
494 7 0	1,847 0 2	18 11 3	103 0 9	802 5 4	485 5 3	0 7 0	163 4 9	2,138 4 6	...	9
372 7 0	785 8 0	...	10 7 0	401 15 0	836 13 0	...	113 4 3	...	...	
27 4 9	348 9 3	...	146 0 6	...	263 10 0	...	88 11 0	..	...	
...	883 15 9	...	95 15 9	524 12 0	174 7 0	...	144 7 9	216 7 0	...	
6,562 6 1½	23,153 2 6½	153 3 6	1,911 1 6	5,712 1 10	13,177 6 2	54 4 0	3,378 5 4½	3,586 13 6	8,285 0 0	2,0

१५४ साल

	एन.एम.एस.	स्नान दान	स्कूल खर्चा	सी.सी. ग्राण्ट	स्टेशन कमिटी	ग्रन्थ ग्रामदानी	कर्जा ओ एडवन्स	सबिक बाकी	कुल मीजान
9	...	222 13 6	...	...	126 7 0	96 7 0	...	...	5,239 8 10½
6	...	...	456 8 0	650 0 0	...	212 10 6	...	...	2,781 14 9
9	...	120 5 9	392 0 0	...	...	1,252 13 0	...	...	6,858 6 3
0 0	...	39 9 3	...	1,839 0 0	12 0 0	194 11 3	...	...	3,439 7 3
7 5	...	336 7 10½	...	...	...	481 1 9	1,210 10 9	...	18,340 11 0
7 6	15 0 0	54 4 6	...	1,754 0 0	...	15 0 0	...	140 7 6	10,838 8 6
5 3	...	123 14 9	...	1,900 0 0	...	42 11 6	...	3 10 0	3,462 6 3
7 9	17 9 0	617 11 6	...	...	337 7 0	298 4 6	...	...	36,617 3 9
2 0	...	732 8 3	...	...	...	2,700 0 0	...	...	50,647 7 6
0 9	21 4 0	149 13 6	...	150 0 0	218 2 6	58 0 6	30 0 0	56 0 3½	16,973 0 ½
5 0	...	124 3 9	...	228 0 0	346 5 9	99 12 6	2,136 1 9	379 0 6	11,307 7 0
2 6	...	167 13 3	263 0 0	...	...	1,040 0 0	75 0 0	...	15,462 11 0
5 3	...	178 15 9	120 10 0	1,764 0 0	...	126 4 3	173 2 9	18 1 9	20,209 9 3
5 3	0 7 0	163 4 9	2,138 4 6	...	961 7 0	589 6 0	870 11 3	629 5 7½	17,183 7 4½
13 0	...	118 4 3	...	...	...	...	...	...	9,937 5 3
10 0	...	88 11 0	...	...	...	191 0 6	...	255 0 6	4,985 10 1½
7 0	...	144 7 9	216 7 0	...	...	4,789 12 9	...	3,792 10 0	16,191 9 7½
6 2	54 4 0	3,378 5 4½	3,586 13 6	8,285 0 0	2,001 13 3	12,188 7 6	4,495 10 6	5,274 4 2	2,50,076 5 9½

सिनोडों के स्टेटमेंटों से तैयार किया गया ।

C. M. Horo

Assistant Treasurer,

G. E. L, Church, Ranchi.

सिनोड का नाम	पादरियों की संख्या	प्रचारकों की संख्या	पादरियों का तलब	प्रचारकों का तलब	नौकर	सफर वा बदली	प्रभुभोज	शिक्षा क्लास	पंच व महा
1 Ranchi Hd. Qrs. Cong.	2	...	2,399 0 0	...	1,068 0 0	...	...	...	...
2 Manbhum Synod Purulia	2	...	1,018 0 0	396 6 0	96 0 0	210 10 0	...	...	...
3 Bengal Synod (Dooars)	1	...	1,480 0 0	2,465 0 0	...	139 10 0	16 0 0	102 0 6	67
4 Hazaribagh Synod	2	6	1,094 2 3	795 1 9	20 0 0	166 6 6	...	...	...
5 Northern Synod	9	7	5,138 12 6	6,976 0 0	...	87 12 0	50 14 0	...	523
6 C. P. Synod	4	42	1,586 14 9	5,784 7 6	...	...	...	...	...
7 Calcutta L. W.	1	...	1,930 3 9	...	10 0 0	286 2 9	20 14 0	...	25
8 Orissa Synod	12	180	7,775 8 3	20,210 3 3	188 5 0	359 2 0	505 12 3	...	1,613
9 Assam Synod	10	115	10,031 11 0	17,606 9 9	...	2,982 14 9	183 5 6	...	1,061
10 Takarma Synod	5	39	3,312 14 0	7,507 3 9	53 13 0	10 0 0	33 14 3	184 3 3	158
11 Kinkel Synod	2	31	1,307 4 0	3,837 4 3	194 5 0	25 0 0	24 9 0	120 0 0	163
12 Koronjo Synod	3	32	3,029 10 9	7,586	...	...	53 9 0	...	348
13 Burju Synod	10	75	5,748 12 6	7,504 7 6	13 0 0	145 12 0	29 9 6	10 12 0	859
14 Govindpur Synod	4	30	2,765 0 0	4,346 0 0	172 0 0	29 0 0	127 8 3	...	68
15 Khutitoli Synod	3	33	1,495 2 9	5,730 0 6	...	...	51 15 0	...	368
16 Singbhum Synod	5	7	1,692 0 0	...	...	275 0 6	...	...	95
17 Jamshedpur Parish	1	...	1,571 12 0	...	572 8 0	44 7 6	36 7 0	...	...
G. Total	77	547	53,876 12 6	90,745 4 3	2,387 15 0	4,761 14 0	1,139 5 9	416 15 9	5,348

Western Synod का हिसाब नहीं आया ।

वार्षिक खर्च १९५४ ई. का

प्रभुभोज	शिक्षा क्लास	पंच बैठकी को महासभा	राज्य दृष्टि को सुसमाचार प्रचार	एन.एम.एस.	बैबल सोसइटी चन्दा	सिनोद देन को मंडली पैसा	स्कूलों का देन	कर्जा को एडवन्स	प्रो० फंड	ओफिस खर्च	मर
...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
...	...	...	...	...	...	...	450 0 0	...	27 12 0	41 1 9	1
16 0 0	102 0 6	67 10 9	...	...	...	232 8 0	1,398 0 0	...	41 14 0	35 8 9	...
...	...	...	...	...	5 2 6	86 12 0	510 0 6	...	...	72 2 0	3
50 14 0	...	523 6 0	...	...	59 0 0	...	2,870 9 2	222 15 6	...	499 1 3	1,4
...	...	...	...	...	...	307 9 3	2,919 2 9	...	24 0 0	50 0 0	...
20 14 0	...	25 0 0	...	...	...	...	...	70 0 0	...	50 1 0	...
505 12 3	...	1,613 8 6	42 9 0	17 13 3	19 9 6	...	2,475 4 0	...	225 13 0	418 7 3	2
183 5 6	...	1,061 1 6	...	...	...	...	...	...	60 10 0	282 10 0	1,3
33 14 3	184 3 3	158 0 6	276 0 0	...	...	233 11 0	906 1 9	30 0 0	18 5 0	245 6 3	58
24 9 0	120 0 0	163 12 6	252 0 0	...	...	...	1,721 12 0	2,058 13 6	88 9 0	233 5 6	...
53 9 0	...	343 12 0	...	...	33 4 0	16 13 3	3,243 9 0	...	106 8 6	264 12 9	...
29 9 6	10 12 0	859 11 3	1,775 0 0	...	...	127 5 6	2,095 5 0	193 13 9	250 10 0	508 6 6	10
127 8 3	...	68 0 3	...	...	...	160 0 0	3,441 9 6	1,331 10 6	99 6 0	248 10 0	...
51 15 0	...	368 7 3	...	...	...	...	812 4 0	...	...	40 7 6	...
...	...	95 11 9	201 12 0	...	2 3 9	...	515 15 0	...	...	155 14 9	5
36 7 0	...	...	374 15 0	...	15 0 0	1,595 0 0	1,317 6 0	...	...	39 2 0	9,03
1,139 5 9	416 15 9	5,348 2 0	2,922 4 0	17 13 3	134 3 9	2,759 11 0	24,676 14 8	3,907 5 3	943 7 6	3,184 12 3	13,25

सि

प्रीव देन की पैसा	स्कूलों का देन	कर्जा वो एडवन्स	प्रो० फंड	ऑफिस खर्च	मरामती	एसावन्स	अन्य खर्च	तहबिल हाथ में	कुल जमा
...	...	...	...	...	...	...	1,772 8 10 ¹ / ₈	...	5,239 8 10 ¹ / ₈
...	450 0 0	...	27 12 0	41 1 9	121 9 6	108 0 0	249 1 0	60 6 6	2,781 14 9
2 8 0	1,398 0 0	...	41 14 0	35 3 9	...	...	372 5 0	508 2 3	6,858 6 3
36 12 0	510 0 6	...	...	72 2 0	300 0 0	...	389 11 9	...	3,439 7 3
...	2,870 9 2	222 15 6	...	499 1 3	1,439 4 6	...	361 13 9	111 2 4	18,340 1 1
7 9 3	2,919 2 9	...	24 0 0	50 0 0	...	...	75 15 0	90 7 3	10,838 8 6
...	...	70 0 0	...	50 1 0	30 0 0	680 5 0	253 3 0	106 8 9	3,462 6 3
...	2,475 4 0	...	225 13 0	418 7 3	256 4 0	1,182 12 6	865 1 3	461 2 9	36,617 3 9
...	...	...	60 10 0	282 10 0	1,314 13 0	...	17,123 12 0	...	50,647 7 6
3 11 0	906 1 9	30 0 0	18 5 0	245 6 3	585 0 0	1,931 4 3 ¹ / ₂	1,299 5 6	182 13 6	16,973 0 1
...	1,731 12 0	2,058 13 6	88 9 0	233 5 6	26 0 0	174 0 0	566 11 9	514 0 6	11,307 7 0
6 13 3	3,243 9 0	...	106 8 6	264 12 9	...	138 0 0	207 12 0	38 7 9	15,062 11 0
27 5 6	2,095 5 0	193 13 9	250 10 0	508 6 6	100 12 0	214 0 0	553 3 9	79 0 0	26,209 9 3
30 0 0	3,441 9 6	1,331 10 6	99 6 0	248 10 0	...	1,448 4 0	2,516 8 0	429 14 10 ¹ / ₂	17,183 7 4 ¹ / ₂
...	812 4 0	...	...	40 7 6	...	...	1,438 15 3	...	9,937 5 3
...	515 15 0	...	...	155 14 9	50 0 0	562 0 0	899 12 0	535 4 7 ¹ / ₂	4,985 10 1 ¹ / ₂
5 0 0	1,317 6 0	...	...	39 2 0	9,032 12 6	...	1,256 1 6	336 2 1 ¹ / ₂	16,191 9 7 ¹ / ₂
59 11 0	24,676 14 8	3,907 5 3	943 7 6	3,184 12 3	13,259 7 6	6,438 9 9 ¹ / ₂	30,291 13 4 ¹ / ₂	3,453 9 2 ¹ / ₂	2,50,076 5 9 ¹ / ₂

सिनोडों के स्टेटमेंटों से तैयार किया गया ।

C. M. Horo
Assistant Treasurer,
G. E. L. Church, Ranchi.

G.E L. Church in Chotanagpur and Assam, Ranchi (Bihar)
BUDGET ESTIMATE FOR 1956.

HEADS		Expenditures			Income			Deficit		
1	Establishment	11790	0	0				11790	0	0
2	Dearnesh Allowance	768	0	0				768	0	0
3	Seminary	11605	0	0				11605	0	0
4	Evangelistic Work	18276	0	0	320	0	0	17956	0	0
5	Medical Work	2096	0	0	200	0	0	1896	0	0
6	Office Contingencies	1500	0	0				1500	0	0
7	Meetings & Conventions	5500	0	0				5500	0	0
8	Travelling & Transfers	8878	0	0				8878	0	0
9	Pension to Pastors	2220	0	0				2220	0	0
10	Charity	100	0	0				100	0	0
11	Contributions to Provident Fd.	2400	0	0				2400	0	0
12	Grant to Primary School	3900	0	0				3900	0	0
13	Tabitha Bible Trg. School	4320	0	0	1200	0	0	3120	0	0
14	Motor Expenses	2000	0	0				2000	0	0
15	Contribution to N.M.S.	1000	0	0				1000	0	0
16	Audit Charges	500	0	0				500	0	0
17	Calcutta Lutheran Work	2520	0	0	1200	0	0	1320	0	0
18	Bible Translation Work	1080	0	0				1080	0	0
19	Printing and Publication	720	0	0				720	0	0
20	Study-Help	2500	0	0	2500	0	0			
21	Catechists Training School	6060	0	0	1800	0	0	4260	0	0
22	Affiliation Fees	2939	0	0				2939	0	0
23	Contributions	3900	0	0				3900	0	0
24	Youth Work	300	0	0				300	0	0
25	Women's Work	860	0	0	100	0	0	760	0	0
26	Miscellaneous & Unforeseen	2500	0	0				2500	0	0
27	Head Quartars Congregation	3000	0	0	3000	0	0			
28	Congregational & Educational	350000	0	0	350000	0	0			
Total Rs....		452232	0	0	360320	0	0	92912	0	0

INCOME EXPECTED

1	American Subsidy	Rs.	60000	0	0
2	Contribution from Synods	"	32912	0	0

J. Lakra
President

N. E Boro
Secretary

C. M. Horo
Asst. Treasurer

चर्च कौंसिल का रिपोर्ट १९५५

मान्यवर चैयरमैन,

इस्त में माइयो तथा बहनों,

गौरव परमेश्वर को धन्यवाद हो जिसकी दया और अनुग्रह से गौस्नर एवं जै लिंकव वूदरान कलिशा की माहासभा इस वर्ष (१९५५) में बुलाई जा सकी है। तथै निधमावली के बाहरा किमी जाने के बाद यह चर्च कौंसिल सभा समाप्त होगी। आपने तथै अनुभावों के साथ यह सभा इस वर्ष आपने माहासभा का विचार-विशेष करेंगी। चर्च कौंसिल के रिपोर्ट से कलिशा के सामने आती हुई इन्ही समस्याओं को अधिकतर उल्लेख रहेगा।

गत दो वर्षों में, कलिशा के जीवन में अनेक शासन पालन एवं धर्म-विचार संबंधी प्रश्न आये जिन्हें हल करने के लिये तथा सामान्य संचालन के निमित्त वे नार पूर्ण चर्च कौंसिल की, और उक्त कार्यकारिणी की बैठकियाँ हुई। इन्हीं कार्यों से गत वर्ष (१९५४) मार्च माहिने में एक संश्लेषक सभा भी बुलाना पड़ा था। इसारी कलिशा से अनेक चुटियों के होते हुए भी, कई एक विषयों में कौंसिल की मदनी कीसीयों में फालता मिली है। इन बातों में माई-बहनों का सहयोग मिला है और सब से अधिक ईश्वर का अनुग्रह प्राप्त हुआ है।

गौस्नर शिक्षण और गौस्नर कलिशा का संबंध।

गत वर्ष के अतिरिक्त सभा सभा का एक विशेष विषय था - गौस्नर शिक्षण सौसाइटी के क्यूरेटोरियस और गौस्नर कलिशा के बीच का संबंध। साधारणतः इस इस संबंध को मा-बहनों का संबंध कहते हैं। यह संबंध भी स्थिर करने के लिये कौंसिल का विदेशी मिशनरियों के गौस्नर कलिशा से बुलाने एवं उनका पद (Status) निर्धारित करने के लिये Terms of Reference की आवश्यकता पड़ती है। परिस्थिति का अनुकूल ही इस शर्तनामा (Terms of Reference) में सुधार की आवश्यकता हुई थी जो गत अतिरिक्त सभा के सामने रखा गया था। श्री H. A. Lokes की इस सभासभा में उपस्थित थी। ये गौस्नर शिक्षण सौसाइटी के डायरेक्टर हैं। इस अतिरिक्त सभा में तय किये हुए निर्णयों के गौस्नर शिक्षण सौसाइटी के वरिष्ठ शिक्षक ने स्वीकार कर दिया है। इस प्रकार इन दो संस्थाओं का संबंध स्थिर किया गया है।

H. A. Lokes - Status
H. A. Lokes - Status
H. A. Lokes - Status
H. A. Lokes - Status
H. A. Lokes - Status

यूरोपीयों का नाम है और देश में बहुत से मिशनरों (अधिकांश में) जो कलकत्ता की सेवा-संस्था से नर रहे हैं। इन का काम नर प्रचलनों में है। अर्थात् धर्म प्रचार, महिलाओं की सेवा, सुसमाचार प्रचार की प्रवर्धना। Joint-Mission Board में यूरोपीयों का सहयोग से सुरभारत का प्रचार हो रहा है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिये और नरमल वगैरह और भी सन्तान प्रसारण कार्य जर्मनी में यूरोपीयों का सहायता की विचारणा में अच्छे चल कर रहे हैं। अभी इसी माहिने दो वाडकिण, मिस पर कलकत्ता खेस और फास डेजो हैमरिस उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिये रवाना हो गई हैं। फास डेनुस्व मोज और उनका चार पान्नी हीमलोड के मोतहत रह कर काम करने और सिखने के डाल से इसी माहिने जर्मनी चले गये हैं।

यूरोपीयों से सार हो गई है। क. ड. ड. ड. और उनका नर एक वन के बाद विदेश वत का रू चले। उन का फिर से वापस आना संभव नहीं हो सकेगा। मिस जो नरमल कार्ड भी कल भारत जहाँ को सकेगी। चूँकि उनका धर्म पात्र कई माहिने से अस्वस्थ हैं और अब आराम नहीं हो सकेंगे। इन दो नरमल माहिने के बदले आगे माहिने का इच्छा होगी तो यूरोपीयों का पास आना मोजा जो सकेगा है। इस प्रकार नरमल शर्तनमा बहस डेजो के बाद यूरोपीयों और वीस्व कलकत्ता का संबंध और भी सुदृढ़ हो गया है। दोनों संस्थाओं की संजरी से जो —

जोइंट मिशन बोर्ड

जोइंट मिशन बोर्ड का उद्देश्य उद्देश्य स्थित पुराने करप राज्यों में सुसमाचार का प्रचार हो रहा है। इस योजना की अन्तर्गत माहिने के वरकौट नाम के स्थान में एक अस्पताल बनाया जा रहा है। जोइंट मिशन बोर्ड माहिने के लिये प्रचारकों को सैथल डेनिंग दिया जाता है। जोइंट मिशन बोर्ड की भी यह इच्छा थी कि प्रचारकों को डेनिंग देना आवश्यक है।

यूरोपीय वलड कैडरेसन और भारतीय यूरोपीय कलकत्ता का कैडरेसन —

इन संस्थाओं में हमारा कलकत्ता का संबंध पहली जैसा ही चला आ रहा है। हमारा कलकत्ता की इन संस्थाओं में सपद मिलती आ रहा है। 1893 में यू. व. कैडरेसन में 15,000/-, 1898 में 20,000/- और 1899 में 20,000/- रुपयों का सपद मिलती है। यू. व. कैडरेसन से फोर भी पार वा हिदात आ रही है कि जोइंट कलकत्ता अपने सभी साधनों का उपयोग करे और पूरा तः स्वयंसेवक हो जाय। इसलिये कलकत्ता की भागी यह एक बड़ी समस्या है कि किस तरह कलकत्ता की आर्थिक समस्या को सुचारु हो। माहिने का रचना इस को जाना चाहिये।

यूरोपीय वलड कैडरेसन के प्रबंध से ही कलकत्ता ने कंडिशन माहिने देते की उच्च शिक्षा (धर्म विषय में) के लिये अमेरिकी (विस्मर 1898) मोजा है। और एक युवक, अर्थात् निर्मल मोज की भी इस वर्ष अमेरिकी मोजा जा रहा है। कंडिशन माहिने देते, अमेरिकी की सेंट पीटर्स बहर स्थित यूरोपीय मिशनरी में शिक्षा प्राप्त

प्राप्त कर रहा है जहां निर्मल मित्र को भी जाना है। इन दो विचारधाराओं को प्रत्येक के लिये लूथेरन वर्ल्ड मिशन से हाथमेली और जाने का खर्च भी दिया गया है।

वर्ल्ड काउंसिल ऑफ चर्चर्स

एक और अंतरराष्ट्रीय संस्था से हमें कलीशा का संबंध है जिसे वर्ल्ड काउंसिल ऑफ चर्चर्स कहते हैं। यह संस्था प्रारंभिक जगत के प्रोटेस्टेंट मसीहियों की है जिसका द्वितीय अधिवेशन १९५४ के अगस्त माह में अमेरिका के इन्सब्रुज शहर में हुआ था, जिसमें प्रिंसिपल जे. जे. पी. लीजा ने हमारी कलीशा का प्रतिनिधित्व किया था। विभिन्न कलीशाओं से प्रतिनिधि भेजने का जो नियम भारतीय लूथेरन मिशन द्वारा बना है वह महासभा के सम्मलेन स्वीकृति के लिए रखा जा रहा है। (देखिये Appendix - I)

सुरगुजा लूथेरन मिशन बोर्ड -

सुरगुजा क्षेत्र में सुसमाचार पुन्वार का काम जारी है। लूथेरन नेशनल मिशनरी सोसाइटी के साथ सहयोग का जो बर्तन रखा गया था उसकी स्वीकृति हुई है (दे० १९५३ महासभा मिनिट पृष्ठ ५४)। जो नये चर्च-होजक होंगे उनकी मंडलियां गोसनर कलीशा के नियमावली के अनुसार बनेंगी। ये मंडलियां गोसनर कलीशा के साथ संबन्धित (affiliated) होंगी। इस क्षेत्र में जो जयदाद लिये जाएंगे वे गोसनर कलीशा के नाम पर रहेंगे और रजिस्ट्री होंगे। जब कभी ऐसे जयदादों की बिजनी होगी तो उसके दाम से दूसरा जयदाद लिया जाएगा। इसलिये बिजनी किये जायें या जयदादों का दाम सुरगुजा मिशन बोर्ड को दिया जाएगा।

सुरगुजा क्षेत्र के Pioneer Pastor, Rev. C. J. Turkey ने अपने सुरगुजा के काम से स्वीकृति दिया है। फिलिड के मिशनरी फ्री. जे. बी. कुपायनन की मृत्यु ३१ अगस्त, १९५४ को हुई। आप कई महीने तक अस्वस्थ थे। कुछ दिनों तक फ्री. जे. बी. कुपायनन के काम संभालते रहे। सुरगुजा बोर्ड ने फ्री. जे. बी. कुपायनन को १९५४ विस्तर से फ्री. जे. बी. सुपरिन्टेन्डेंट नियुक्त किया है। अभी फिलिड में ६ पदवी, २३ प्रचारक, ४ शिक्षक (जिसमें २ बैबल शिक्षक हैं) और २ नौकर हैं। वपतिस्मा प्राप्ति की संख्या २००० से ऊपर है (सही संख्या अज्ञात है)। एक बैबल ट्रेनिंग स्कूल, एक प्रारम्भिक स्कूल, २६ क्वार्टर और ८ गिरजाघर अब तक बना है। १४ जगहों में गिरजाघर, और १३ जगहों में कोचवारियों के लिये क्वार्टर बनाने की आवश्यकता बताई गई है।

कई एक और मसीहि संस्थाओं की शिकायत पर मध्य-प्रदेश मन्त्र ने मसीहि पुन्वारों और मिशनरियों के कामों की जांच की। जो शिकायतें मसीहियों के विरुद्ध की गई थीं उनकी गहराई सिद्ध की जा सकी। सुरगुजा बोर्ड की ओर से कमिशन को भेजा गया था। कमिशन के दौर में, कमिशन के प्रश्नों का सही-सही जबाब दायित्व किया गया। कमिशन के चले जाने के बाद मसीहियों का उत्साह और भी बढ़ता जा रहा है। इस क्षेत्र में मसीहियों की संख्या बढ़ती जा रही है, वपतिस्मा दिया जा रहा है, पर, हमारे लिये यह सोचने का विषय है कि क्या हमें सिर्फ संख्या की वृद्धि करना ही है या नये धर्मसौजस्यों को मसीहि मंडलीयन सिखाना भी है? इस क्षेत्र की बढ़ती हुई संख्याओं का आत्म-पालन एवं आत्म-शासन की धिंदा अभी है उनी होगी, उम्मीद है हमारी कलीशा के लिए भार-सह्य हो होगी। कर्मचारियों की बहाली के संबंध, कोचवारों को भर्ति यह है कि जातीय दृष्टिकोण से बहाली न हो। सुरगुजा क्षेत्र के कर्मचारी या कोई भी अन्य जगह पर न सम्मिलित सुरगुजा क्षेत्र में सिर्फ उतार ही कर्मचारी रख रहे या भेजे जा रहे। ऐसे उदाहरण कोचवारों को भर्तित

में आते हैं जहां जातीयता और संकीर्णता दिखलाया गया है, और
ऐसे कर्मचारियों को कौंसिल हिदायत देना चाहती है कि
सुरगुजा में मरीहा का प्रचार सब प्रकार के लोगों में हो
और जातीयता का प्रचार न हो।

नेशनल क्रिश्चियन कौंसिल या बिहार क्रिश्चियन कौंसिल
नेशनल क्रिश्चियन कौंसिल द्वारा Comity Rules पर संशोधन
हुआ है। प्रस्तावित संशोधन पर गोस्सनर कौंसिल का विचार
N.C.C. को भेज दिया गया है। अब तक N.C.C. हेडक्वार्टर से
इस बिषय पर कोई खबर नहीं आई है। हमारी कौंसिल ने
यह सुझाव पेश किया है कि उस क्षेत्र में सुसमाचार
प्रचार करने व मंडली स्थापित करने में ऐसी मिशनों
या कलेशियाओं से पूर्व समझौता की आवश्यकता न
होनी चाहिये जिन्हें वह क्षेत्र काम करने के लिये
दिया गया है। ऐसे क्षेत्रों में यदि किसी कलेशिया
के बहुत से लोग बस जाय तो उनकी मंडलियों को
बढ़ाने में रोक रोक न किया जाय।

हिन्दू सरकार के साथ हमारी कलेशिया का
संबंध इसी N.C.C. के जरिये होता है। इसी प्रकार
भीति बिषयक बातों में बिहार सरकार के साथ
हमारा संबंध बिहार क्रिश्चियन कौंसिल द्वारा होता
है। अभी, प्राइमरी और सेकेंडरी स्कूलों के
सम्बन्ध बिहार सरकार से- B.C.C. द्वारा लिया
पड़ा चल रही है। बिहार सरकार का विज्ञान-
संबंधी नीति यह हो रही है कि स्कूलों पर
सरकार का अधिकार पहले से अधिक हो। अब
दो सिबर्ज के स्कूल रहेंगे - अर्थात् सरकारी और
जेर तरकारी। इस तरह कलेशियाओं और मिशनों के
स्कूलों की मालिकानाई हक (Proprietary Right)
भी सही संस्थाओं का नहीं रह जायगा। तब स्कूलों
के मैनेजिंग कमिटियों का संगठन अब नये कानून
अनुसार होगा जिसके मुताबिक मैनेजिंग कमिटियों
को Societies Registration Act 1860 के तहत
रजिस्टर करवा पड़ेगा। मैनेजिंग कमिटी में एक
सदस्य सत्तना ५००० रुपये और एक सत्तना १२)
रुपये देने वाला होगा। इस तरह की रूढ़ी है। रूढ़ी
लिखों के लिये ५००० रुपये देने पड़े हैं। इस बात
का जिक्र स्कूलों के लिये किया जा रहा है। इस बात

तबोता स्कूल।

यह स्कूल कलेशा को केंद्रित संस्था है जिसके द्वारा मंडली
सेविकाओं और महिला कर्मियों को शिक्षा दी जाती है। मंडलियों
की वृद्धि, मसीही घरानाओं की उन्नति और समूचे समाज
के विकास के लिये महिला सेविकाओं की आवश्यकता
वृद्ध है। कोसिल और तबीथा स्कूल - नर्स चारियों द्वारा
बराबर इसी आवश्यकता को मंडलियों में बतलाने की कोशिश
की जा रही है।

इस वर्ष कोसिल द्वारा 20 मंडली सेविकाओं को इस
स्कूल में पढ़ने के लिये 5) रुपये प्रति माह की जमा
10) रुपये प्रति माह छात्रवृत्ति (Stipend) देने का
इन्तजाम किया गया है। इसी प्रकार 8 लड़कियों को
नेतृत्व क्लास में (Leadership Training) पढ़ने के
लिये प्रति एक को 15) रु. प्रति माह स्टिपेंड दिया
जायगा। स्कूल जुन महिन के पहले सप्ताह में खुलेगी।
द्वि वर्ष तक के बच्चों और दिदी हुई वहनों को भी इस
स्कूल में लेते का इन्तजाम किया जा रहा है।

प्रचारक ट्रेनिंग स्कूल।

प्रचारकों को शिक्षा के लिये जेबिन्दपुर में प्रचारक
ट्रेनिंग स्कूल आई १८-४५ से खोला जा रहा है। इस
स्कूल के हेड मास्टर पाद्री रवीन्द्र कल्याण भंगरा और
सहायक शिक्षक पाद्री प्रभुदयाल सौरंग की बहाली
कोसिल द्वारा हो चुकी है। ये दोनों व्यक्ति काम इस
वर्ष माई महिन से सुरु करेंगे। 20 प्रचारकों को प्रति
माह 611) स्टिपेंड दिया जायगा।

लुथेरान चैपेल लोजिकल कॉलेज।

इस कॉलेज की उन्नति गत वर्षों के कार्यक्रम से प्रभाव
है। अभी 38 विद्यार्थी धर्म विद्या पा रहे हैं। Preliminary
क्लास में 25 है, 2. Jh. class में 12 है। गत वर्ष 8
विद्यार्थी सिरामपुर यूनिवर्सिटी से 2. Jh. पास किये,
वे हैं -

1. रवीन्द्र सेवियन विनोद होरी दीपेय वर्मा।
2. मार्टिन टेटे " " " "
3. जुनस बागे " " " "
4. रवीन्द्र हरदूगन गुडिया " " " "

गत वर्ष १४ काउंसलर इस संस्था से निकले जो विभिन्न
मंडलियों में काम कर रहे हैं।

इस कॉलेज के दूसरी कालिशाजी ये भी विद्यार्थी का
रहे हैं - रास का रवीन्द्र लुथेरान कॉलेज 31 (संगत प्रान्त) से।

आप लीजें जो मालूम होगा कि इधर जोरसनर कलीबा
और एवनेजर कलीबा ने एक Joint Lutheran Theological
Institution स्थापित करने की योजना बनाई है। के
लुथी से एवनेजर कलीबा में विद्यार्थी भेज कर हमारे
सेमिनरी में सहयोग दिया है। अतः यह बहुत ही संभव
समझा गया कि ये दो कलिशिये कलेज के वासन,
प्रबंध, स्पर्ध और स्टाफ विषयक बातों में पूरा पूरा सहयोग
करें। इसी लिये एक सम्मिलित बैठकी २० जून १९५३ को
रांची में हुई। फिर गत वर्ष इसकी दूसरी बैठकी १५ और
१६ दिसम्बर को रांची में हुई।

इस बैठकियों के अनुसार यह कार्य अब तक हुआ है—
लुथेरान के कलेजिकल कलेज के जे Governing
Body में एवनेजर के दो मेम्बर लिये गये, इस प्रकार यह
Joint Theological Board बना है। एवनेजर कलीबा के मेम्बर
Rev. O.S. Brundage और Rev. Michael Under है।

उस Joint College के लिये फिलहाल १५ एकर जमीन
जोसनर स्कूल वगान और कौंसिल वगान के बीच चुना
गया है।

कलेज में कामी जगह न रहने के कारणा कलेज
के उत्तर तरफ पुराने भंडारी लैन को मरामती हुई है।

कलेज में पढ़ाने के लिये स्कूल मिशन बोर्ड की
द्वारा से (एवनेजर कलीबा के जरिये) एक अमेरिकन
प्रोफेसर Rev. Robert Maland भेजा रहे है।

इस के अलावे अमेरिका के कई एक भाइयों ने, इस
कलेज के १० विद्यार्थियों के लिये, स्कोलरशिप दिया है।

यह स्कोलरशिप एवनेजर कलीबा के जरिये मिल रहा है। इस
स्कोलरशिप के लिये ७ विद्यार्थी हमारी कलीबा से लिये
गये है जिनकी ३ एवनेजर कलीबा से लिये जायेंगे।

उपरोक्त सभी बातों में हमारी चर्च कौंसिल की स्वीकृति
है। इस के अलावे और ३ स्कोलरशिप पेनसिलवेनिया
(U.S.A.) स्कालरशिप फंड से मिले है और ये
स्कोलरशिप हमारे विद्यार्थियों को दिये जा चुके है।

एवनेजर कलीबा के साथ सुनियन का प्रस्ताव।

रेव. जे० गोसडल ने, जो एवनेजर कलीबा (संतात परमना)
के जनरल सुपरिन्टेण्डेंट है, गत वर्ष हमारी कलीबा के
सामने एक सलाह रखी कि आगे बढ़ी पक्ष को अधिक

विधान महिमा के लिये एवं उसकी कलीशा को इस जगह में
 मिला करने के लिये गोरखनर कलीशा और खनेजर कलीशा
 मिल कर एक कलीशा बन जाये। इन दो कलीशाओं को
 मिलाने के लिये एक विधान या नियमावली की आवश्यकता होगी,
 जिसकी रूप रेखा भी उन्होंने ने प्रस्तावित नियमावली के आधार पर
 दिया है। यह विषय २८-६-१९५४ की कांसिल एवं मिनिस्ट्रियम
 की सम्मिलित बैठकी के सामने विचार निमित्त रखा गया। इस
 सम्मिलित बैठकी ने इस प्रस्ताव को मंजूर किया, कि ये उपरोक्त दो
 कलीशाएँ एक में मिल जायें, और खनेजर कलीशा के चुने हुए
 प्रतिनिधियों के साथ मिल कर विचार विमर्श के लिये एक कमिटी भी
 ठहराई गई। इस कमिटी में ये हैं :-

१. प्रेम० जे० लकड़ा ।
२. श्री सु० ई० होरी ।
३. श्री पी० डी० कण्डुलना ।
४. श्री ललित मोहन सेंडिल ।
५. पाद्री मनसिङ्ग हेमरोम ।
६. " सामुएल बागे ।
७. " जकारियाह खलर्यो ।
८. " जे० जे० पी० तिगा ।
९. " एस० कुला ।

इस कमिटी ने खनेजर-कलीशा के प्रतिनिधियों के साथ १९
 और २२ मार्च, १९५५ को बेनागडिया (सताल-परगना) में बैठकी की।
 यह बैठक का विषय है कि इस सम्मिलित बैठकी ने दोनों कलीशाओं
 को एक में मिलाने (Union) का प्रस्ताव रखा है और एक Drafting
 Committee नियुक्त किया जिसकी पहली बैठकी जून-महिना में Morhain
 Tea Estate (Messam) में होगी। यह Drafting Committee
 प्रस्तावित विधान वनावगी जो इस सम्मिलित बैठकी के सामने आने
 वाले सप्टेम्बर-महिने में रखा जायगा।

Drafting Committee में ये मेम्बर हैं :-

- गोरखनर कलीशा — १. पाद्री जे० लकड़ा ।
 २. पाद्री जे० जे० पी० तिगा ।
 ३. श्री सु० ई० होरी ।
 ४. श्री पी० डी० कण्डुलना ।

- खनेजर कलीशा — १. पाद्री श्री० माई ।
 २. " जे० मा० घोष ।
 ३. " मेथुसेला-२५ ।
 ४. श्री धनेश्वर वसुमावरी ।

Drafting Committee के Convener Rev O. E. है - चर्च का सिल
 और मिनिस्ट्रियम की सम्मिलित बैठकी (ता: २८-८-५४) में यह मौसला
 हुआ था कि draft constitution विचार निमित्त इसी महासभा में
 रखा जाय, पर-यह-नहीं-हो-सकेगा-क्योंकि-कई-एक-कारणों-से-यह

यह तैयार नहीं हो सकेगा - जो सा कि उपरोक्त बातों से साफ जाहिर है। जैसे ही draft Constitution तैयार हो कर गौसनर - एक्जीक्यूटिव कमीशन की समितित बैठकी से हो कर आवेगा, यह समाविष्टा समूचे सिबों में विचार निमित्त वितरित किया जायगा।
गौसनर - एक्जीक्यूटिव समितित बैठकी का कार्य निबटारा दिनांक - ११-१२ मार्च, १९५५ मलग दिया जा रहा है - (See appendix I)

कलीशा के स्कूल ।

हर्दिक स्कूलों के मनेमिंग - जमिंदी - निमाशा के निस्वन - सरकार की मोर से नया कानून निकला है, जिसके अनुसार कमीटी में वरमण्ड - जो राताना - ५००० रु. से १०,००० रु. तक Subscribed जो सलमाना २३ रु. ६० देगा, लिया जायगा।
D.P.S. बिहार तीन सदस्य चुनेगा। फिर मैनेमिंग - कमीटी को Societies Registration Act 1860 के मोर - regulation करना पड़ेगा। D.P.S. को यह महसूस होगा कि वह M.C. के Secretary को खरिज कर सकेगा। इस कानून के अनुसार कलीशा का Proprietary right नहीं रहेगा। कलीशा के अधिकारों की रक्षा के निमित्त, स्थानिय तीनों कलीशामों का मोर से D.P.S., Bihar मोर - Secondary Board of Secondary Education के पास चिठी लिखी गई है।

प्रिमरी स्कूलों के निस्वास भी अब नया सरकारी इन्टीजाम हुआ है। पहिले सरकारी ग्रांट - District Board के गारन्त मिलता था। अब सरकार इसे खुद अपने ही डिपार्टमेंट की मोर से देती है। हर जिले में एक District Education Planning Committee है जिसके देस रेख में प्रिमरी स्कूलों को ग्रांट कोरह दिया जाता है। District Superintendent of Education, एक महसर बहाल है जिसको बहुत बड़ा अधिकार दिया गया है। यही स्कूलों को payment करता है। उसे सभी स्कूलों के शिक्षकों के बहाली, छुट्टी, खराज इत्यादि करने का अधिकार है जिसको सरकारी सहायता मिलती है। इसके बारे में सरकारी माफूसों के यहां मोर - बिहार के मुख्य मंत्री के पास माफूस भेजो गव है। हमारी सभी स्कूलों का माफूस हलत खराब है। कई माहिजों से अधिकारी स्कूलों में शिक्षकों को बतन नहीं दिया गया है। इस कारणा स्कूलों के अन्य कार्यक्रम में भी सिधिलता आ गई है। कई एक कठिन परिस्थितियों के कारणा शिक्षकों को वेकेशियां मोर - Refresher class नहीं होने पाता है। विभिन्न सिबों के हर्दिक स्कूल मोर - प्रिमरी स्कूलों के संचालन में विभिन्न नीतियों काम में लाई जा रही है। प्रिमरी स्कूलों के Head Supervisor की हिदायतें नहीं मानी जाती हैं। Head Supervisor की तिन उपनकारी के बहस सी करवाईयां हो रही हैं। नतेजा यह होता है कि कलिका के संगठन मोर - माफूस से प्रिमरी स्कूल चिरे चिरे मलग हो रहे हैं - मोर कलिका का मलिकारि - हुक माहिजों माहिजों चला जा रहा है।

एक Board of Education बनाने की आवश्यकता मालूम हो रही है जिसमें हर्दिक स्कूल के Head Master या Head Mistress मगर सदस्य रहेंगे तो बच्चे काफी मदद मिलेगी। यह बोर्ड कलिका के स्कूल की नीति बना कर स्कूलों को आवश्यक मागुवर्दी देती रहेगी - मोर इस प्रकार सभी प्रकार के स्कूलों को एक समाज संगठन मोर प्रबन्ध में लायगी।

३०/१२/१९५८
 ३०/१२/१९५८
 ३०/१२/१९५८

१६५३ साल में गोविन्दपुर-खुबिली-हाई-स्कूल-को और १६५४ में
 चैनपुर-हाई-स्कूल-को सारंग-द्वारा-हरीश्री-द्वारा। इस प्रकार नमस्ते
 मिडिल स्कूल को और २५ स्कूल को प्रत्येक गत वर्ष हुई।
 गुमला, कोरेणो, खुदीरोली, लोहीदगा, विरन के ल, मर्या,
 लखनपुर, कोरे, लखनपुर स्थित हाई स्कूलों की स्वीकृति करनी
 तक नहीं हुई है। स्वीकृति कराने के लिये कोशिश हो रही है।
 तब तक कि मिडिल स्कूल को और बढ़ता।

कार्य-कारिणी को बढ़ती करने में चर्च कोसिल को बहुत सहायक
 और प्रशान्तियों उदारी पड़ रही है। शासन कार्य में नियम
 और बढ़ती विशेष स्थान रखता है। आवेदों पर प्रत्येक
 हमारी कलनीय। हम कामहीही सत्ता है जो बहुत ही योग्य
 हुई है। आशा है। करनी, छोटी छोटी बातों में हट कराना,
 माईयां द्वारा कार्य-कारिणी को बढ़ती दिखने के लिये दस्तक
 देना, कार्य-कारिणी को माईयां की बातों पर, कोसिल
 या सिविल को आशा के विरुद्ध चलना इत्यादि बातें
 हमारी कलनीय को कार्य-कारिणी में सहज हो ले पाई जाती
 है - यह बहुत शर्म और अपसोच की बात है। मंडली के
 अगलों और कार्य-कारिणी को उपरोक्त उदाहरण से मंड-
 लियों आशा, आगे और निश्चय बढता जा रहा है।
 माईयां में, काम को अपने हाथ में लेने की आवत
 जम रही है। चार्ज कोसिल के जैसलों और आवेदों को
 ठकुरा जा रहा है। कोसिल के जैसलों का विरुद्ध
 हर कही किया जा रहा है। कोसिल को इनत और
 कोसिल को मूल्य बढ़ा रहा। हर कही उद्वेग में
 और अपने पत को आत्मा बिलता है अनुशासन का
 नाम निशान नहीं है। उदाहरण के लिये कुछ बदलियों
 को जिक्र किया जाता है :-

- | | |
|--|-----------------------------------|
| १. प्राची-सामुल-हेमरोम- (मर्चा- प्रो. हाई-स्कूल) | को बढ़ती हुई-खुदीरोली मिडिल-स्कूल |
| २. श्री-पतरा-कुंगुडा (खुदीरोली मिडिल स्कूल) | " " मर्चा-प्रो. हाई-स्कूल |
| ३. " प्रो. डी. वडा (टकरमा-हाई-स्कूल) | " " गोविन्दपुर " " |
| ४. प्राची-सामुल-कुंगुडा (सिमडेगा) | " " रानीतरगापेरिस- |
| ५. " मनसिङ्ग-किडो (रानीरवंगा) | " " सुरगुआ-दोरा |
| ६. श्री-ज-गुडिया (टकरमा-हाई-स्कूल) | " " खुदी-प्रो. हाई-स्कूल- |
| ७. प्राची-लोरे-कुस-लकडा- (गुमला) | " " इचनेला (ए.पी) |
| ८. " प्रेमसुरव-कुंगुडा- (इचनेला) | " " गुमला- |
| ९. " लुशलमय-दोपगो (मर्चा) | " " सिमडेगा- |
| १०. " प्रभुस-कावराज-गुडिया- (सिमडेगा) | " " मर्चा |
| ११. " प्राची-रोशन-दोपगो- (चुरदगा) | " " वडीलिरिंगा |
| १२. " हेरन-नरिका (लाली) | " " सुमिया- |
| १३. " प्रो. लुस-पुली (विमसुकिना-महाम) | " " नार्थ-लखनपुर- |

उपर्युक्त-सभी-बदलियों-में-कोसिल-को-बिज्ञते-उदा. प्रो. वडा-कोरे-कोरे-भी
 सिर्फ-लंड-को-छोड़-कर-जिसकी-बढ़ती-दूसरी-जगह-बाद-में-हुई-मपने-नये-
 स्थान-में-गहा-गया-है। इन बदलियों के नहीं-पूरा होने के कारण कोसिल

कौंसिल को आर्थिक दृष्टि से भी दुर्द है। हमारी कलीशा में जो ऐसी कमजोरी आ गई है उसे दूर करना होगा अन्धधा समूचा शासक कार्य ही एक दिन बिगड़ जाएगा। इस संबंध में बहुत कुछ कलीशा के नियमावली में सुधार की भी आवश्यकता होगी। अतः यह विषय महासभा के विचार के लिये पेश किया जा रहा है।

१८५३ महासभा के फैसलों का पालन -

१८५३ महासभा में आदेश दिया था कि साक्षीकारी (जीत लेंगे) में और जोर बढ़ाया जाय। अब तक साक्षीकारी कमिटी ने इस और काम नहीं किया है।

इससे क्षेत्र के संबंध का तनाव जो लूथेरान एन. एम. एस. से चल रहा था, वह दूर हो चुका है।

इससे भी अब तक अशांति है। श्री. विक्रम टोप्पे का दल सिन्द से असहयोग करता आ रहा है। यह दल फिर से स्कॉटिश चर्च में जाने की कोशिश कर रहा है। श्री. शाकूब हुरिन अपना अलग दल बना कर कलीशा को कमजोर कर रहा है। यहां की अशांति दूर करने की कोशिश हुई है, पर अफासलता ही मिली है।

Comity Rules के बारे में National Christian Council को विचार गया है। अब नया संशोधन भी Comity Rules में हुआ है, जिसका लिफ्ट डा. रिपोर्ट में किया जा चुका है।

इससे पहले कौंसिल के डेविडों ने लूथेरान वर्ल्ड फेडरेशन के निर्देशों को अब तक प्रकाशित नहीं किया है।

आसाम का मुलाहजा गत वर्ष हुआ। आसाम की समस्याओं को हल करने के लिये गत वर्ष दिसम्बर में, कौंसिल ने एक कमिशन को ले कर यह कमिशन गई थी। आसाम की समस्याओं के विषय और तिनसुकिया के कलीशा अध्यक्षों का मुलाहजा हुआ और सभी स्थानों में नये क्षेत्रों कमिटियों का निर्माण हुआ। बहुत सा काम हो चुका है पर दावे पौखस पूर्ण की बढने नहीं कराई जा सकी है, कारण है अपने सिद्ध में रह कर कौंसिल और आसाम सिन्द के आदेशों को ठुकराते जा रहे हैं। कार्यार्थ के निमित्त यह विषय सिन्द मिनिस्टेरियम और चर्च मिनिस्टेरियम प्रेसिडेंट को सुपुर्द कर दिया गया है।

पोइंट मिशन बोर्ड का काम शुरू हो चुका है। इसका अधिक रिपोर्ट, बोर्ड सेक्रेटरी द्वारा महासभा में पेश होगा।

Study Hall के रूप में दिये गये इप्यों की यशुली की चिन्ता से ली है।

कलीशा-नियमावली सुधार के लिये इसी महासभा में प्रस्ताव रखा जाएगा - इस कारण कार्यक्रम में इस विषय को उचित जगह दी गई है।

Terms of Reference का संशोधन किया गया है जिस काफ के लिये अब वर्ष १८५० में एक आतिरिक्त महासभा बुलाई गई थी। इसे बर्लिन के कंफ्रेंस ने सहर्ष स्वीकार किया है। लूथेरान वर्ल्ड फेडरेशन ने भी इस पर इन शब्दों द्वारा आनन्द प्रकाश किया है :

"That we express our sincere joy about the acceptance of the revised TERMS OF REFERENCE for missionaries in the G.E.L.C. by the Mahasabha of this church."

१६०३६ दिनांक १६०३६ Latheran World World Federation, Department of World Missions के द्वारा Director, Fredrik A. Schlotz लिखे हैं :-

" My impression is that it is vast improvement over the earlier document. As it now stands, it may very well be used as an illustrative guide for other churches in Asia and Africa that may be facing the same problem."

३-१६ Terms of reference का आरम्भ इस प्रकार है :-

The Mahasabha of the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam receives with gratitude the declaration of the Kuratorium of the Gossner Mission Society dated 3.11.50, and the statement dated 3.11.50 which read as follows:-

" The Gossner Kuratorium is happy that the G.E.L.Church has become Autonomous, that there is therefore no need for the missionaries to assume administrative responsibility and that they will instruct their missionaries accordingly" and " the Kuratorium of the Gossner Mission Society is convinced that in the present situation of the Autonomous Gossner Evangelical Lutheran Church, it is no longer necessary or desirable to charge missionaries with responsible administrative posts, and to give them a vote."

The Mahasabha of the G.E.L.Church offers the following terms of reference to the Kuratorium of Gossner Mission Society :-

1. The relationship between the G.E.L.C. and the Kuratorium of the Gossner Mission Society shall be that of Daughter and Mother.
2. The Kuratorium of the Gossner Mission Society will send missionaries to work in the G.E.L.C. on the request of the G.E.L.C.
3. The missionaries of the field will work as friends and helpers in the development of the G.E.L.C. for specific period by personally accepting the terms of reference offered by the G.E.L.C. to the individual missionaries through the Kuratorium.
4. The Kuratorium of the Gossner Mission Society in Christian love and charity shall undertake to support their missionaries of the Gossner field. The policy is to receive such help through the G.E.L.C. Treasury.
5. All Missionaries shall be invited to attend the meeting of the Mahasabha. The men missionaries will be invited to attend the meetings of the Church Council, one by one, in rotation according to their alphabetic order. The missionaries will also be invited to attend the meetings of their respective synods. They shall be free to visit the congregations in any part of the Church and to attend the Church meetings as they find it possible with the information of the synod President.
6. All Missionaries working in the G.E.L.C shall be regular members of the Gossner Church.
7. All ordained missionaries shall be members of the Gossner Church Ministerium.
8. Each missionary will be given a specific work in the Church such as Evangelistic work among non-Christians, teaching in the Theological Seminary, Production of Christian literature, help running of charitable institutions etc.
9. The G.E.L.C. provide suitable accommodation for the missionaries working in the field.
10. These terms of Reference can be amended by the mutual consent of the bodies concerned.

11. All former proposals or drafts of "Terms of Reference" are superseded by these Terms of Reference.
12. The 'Joint Mission Field' will be administered by a 'Joint Mission Board' incorporated in the G.E.L. Church, in accordance with the regulations adopted jointly by the Mahasabha and the Kumbharium (Vide Mahasabha minutes 1933 p.p. 49-52.)

Reflected by another para.

फाइनेंस कमिटी ने कौंसिल के साथ मिलकर निम्न करने की प्रवृत्ति, शत वर्ष से कौंसिल की उर्वर्धक प्रवृत्ति में निरंतरता लाने के निमित्त मंडली पैसा वसूलने की प्रवृत्ति बढ़ा। श्री. दुर्गादास ॥) भासा मंडली पैसा कौंसिल खजाने में धीरे धीरे आने लगा है। फाइनेंस कमिटी ने इस पैसा को बसूलने के लिये अच्छी साधने प्रकाशित की है।

मार्च १९५३ के सत्र के अनुसार कौंसिल ने Mrs. A. Lakshmi को ५०० डॉलर लोन देने का आदेश दिया है। पर यह सब काम नहीं हुआ है। कौंसिल और प्रोपर्टी बोर्ड के प्रेस का आडिट १९५३ तक का हो चुका है।

पर बंधु के संचालकों ने उसकी उन्नति नहीं की है। कौंसिल के सामने इसका विषय नहीं लाया गया। परबन्धु के हिसाब से कौंसिल अपरिचित है।

गोश्वर कलीशा - सुस्माचार प्रचार करने की जवाबदेहि

गोश्वर कलीशा को एक सीमित संस्था न समझा जाय परन्तु संसार को एक बड़ी और महत्वपूर्ण कलीशा समझा जाय। संसार में और खास कर हमारे देश, जाति और समाज में जो दिनों-दिन बदलाव आ रही है उससे हमारी कलीशा की जवाबदेहि बढ़ती जा रही है। इस कलीशा का कर्तव्य यह है कि यह ईश्वर की इच्छा और अनुग्रह को जो मसीह में प्रकाश है, अपने बीच में और सुले संसार में प्रकाशित करे। इस उद्देश्य साधारणतः एक ही कर्तव्य और जवाबदेहि इस महासभा के सामने आते हैं जिसे निम्नलिखित दोनों में विभिन्न विषयों में और विभिन्न कार्यक्रमों में लागू करना है। हमारी कलीशा जो अपासना करने वाली, गन्तव्य देने वाली और दुख भोगती हुई मसीह की राह देखने वाली मुक्त है संसार बने कि संसार में मसीह को प्रचारने का एक गजबूत हथियार साबित हो। यह हम कैसे उपाय करें कि हमारी कलीशा इस महान जवाबदेहि के लिये और अधिक लाभ और मजबूत बने? इस प्रश्न को सामने के लिये हमें आनी

स्थानिय मंडालियों पर

दृष्टि करना पड़ेगा, जहां इस काम को सफलतापूर्वक करने के लिये सभी साधन और सामग्रिया मिलेंगी। मसीहियों का जो छोटा दौड़ा जो गांव में रहता है, वह प्रचारकान जो छोटे दौड़ों में काम करता है - मसीह के इस कार्यक्रम में बहुत बड़ा स्थान रखता है। इन स्थानिय दौड़ी मंडालियों की आत्मिक स्थिति में ऐसी बदलाव उदात्तलाना होगा। उनके सामाजिक और आत्मिक जीवन में ऐसी बदलाव

लाना होगा कि इन मंडलियों में मसीहीयत प्रेम, सहयोगिता और संगठन बरस-
आत्मा के सभी बानों की धारा बह निकलने। इन मंडलियों का जीवन
ईश्वर उपासना से ओत प्रोत हो जाय। उनके प्रतिदिन के जीवन में-
अर्थात् आत्मिक जीवन, सामाजिक आदान-प्रदान और आर्थिक
लेन-देन में भी मसीह प्रचार जाय। इन मंडलियों के लोगों के
बीच में ऐसा वातावरण पैदा हो जाय जहाँ लोभ, द्वेष, भागडा और
अशांति का नमोनिशान न रहे। उन लोगों में एक ऐसा नया
जीवन पैदा हो जाय जहाँ करवाईयों की आवश्यकता न पड़े।

इन मंडलियों के ईर्द गिर्द जो गैर मसीही लोग रहते हैं उन से
प्रेम और सहयोग का जीवन स्थापित हो। उन के साथ जीववहार
होगा उस से मसीह उनके नजदीक पहुँचेगा - प्रकाश उन के बीच
चमकाने लगेगा। हमारी मंडलियों में ईश्वर की कृपा से अनेक
वरदान या साधन मौजूद हैं।

संगीत या गान-भजन धर्म प्रचार का एक बहुमूल्य साधन है।
इन के द्वारा सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के साथ-साथ
आत्मिक विकास आवश्यक होगा। अतएव स्थानिय मंडलियां
धर्म प्रचार के प्रोग्राम में इसे नये ढंग से काम में लावे। शिक्षा
का प्रचार आवश्यक हो। प्रत्येक प्रचारक अपने एक यह काम हो
कि अपने सहृदय के सभी लोग (मसीही-गैर-मसीही) पढ़ना लिखना
जाने ताकि ईश्वर का वचन उनके पास आसानी से आ सके।
यह काम आनेवाले एक वर्ष में पूरा हो जाय इसकी चिन्ता होनी
चाहिये। लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा और वृद्धि के लिये मंडलियों
से ऐसा प्रबन्ध हो कि ३ या ४ मील पर एक एक मातृ-शिशु
सुविधा केन्द्र (maternity Centre) स्थापित हो सके। इन के
लिये ट्रेड मिडवाइवर या दाईयों की जरूरत होगी जिनको सरकार
शिक्षा देने का इत्तजाम कर रही है। किसानों की सुविधा के
लिये ऐसे केन्द्र खोलने जा सकते हैं जहाँ से उनको खेती और
जानवरों के संबंध की बातें मातूम हो सकेंगी, देश की खबर मिलती
रहेगी और अपने बुद्धिबल को बिकास करने की सुविधा होती रहेगी।
इस प्रकार सामाजिक उन्नति के साथ साथ नैतिक और आत्मिक
उन्नति होगी।

साधारण माई-बहनों को सुसमाचर प्रचार के लिये ट्रेनिंग देना आवश्यक
है। जवानों और युवातियों को अनुवाइ की शिक्षा देना होगा। मां बहनों
को आदर्श मसीही घराना संबंधी ट्रेनिंग देना आवश्यक है। इस के लिये
अधिक काम करने की आवश्यकता है। गांवों में, विहातों में, जा
जा वारा माई बहनों के बीच, उन से हिल मिल कर, उन की समस्याओं
को समझ कर, काम करने की आवश्यकता है। हम अब तक ऊपर
से नीचे की ओर काम करना सीखे हैं। हमें नीचे से ऊपर की ओर
बढ़ना चाहिये। सभी प्रकार के काम जो माई बहनों, युवा युवातियों के
बीच हो रहा है वह ऊपर से आ रहा है। नतीजा यह होता है कि मंडली
की जड़ तक, इकाई तक नहीं पहुँच पाते हैं और हमारी कोशिश
रेगिस्तान में वर्षा की तरह तुरंत सुख जाता है। इन विषयों पर
उचित सोच विचार की आवश्यकता है जो महासभा के सामने पेश
किया जाता है।

कलीशा की जनगणना ।

हमारी कलीशा की जनसंख्या का विवरण इस प्रकार है :-

१. अपतिरमा पाये हुओं की संख्या - - - - -	१९५२	१९५३	१९५४
२. कुटुंबियों की संख्या - - - - -	१,६४,७४५	१,६७,८४७	२,००,०७४
३. नये धर्म स्वीकारों की संख्या - - - - -	१,००,३७८	१,००,२१४	६८,५१२
४. पुराने " " " " - - - - -	७५६	८८३	७२५
	१,०५८	७२४	८५८

अपतिरमानुसार अपतिरमा पाये हुओं की संख्या इस प्रकार है

	१९५२	१९५३	१९५४
१. मुन्डा - - - - -	१,१२,६८६	१,१२,६०४	१,१६,०१४
२. हो - - - - -	६७६	६३५	५२२
३. खाल - - - - -	६४६	६३७	६०८
४. उराव - - - - -	६२,६१६	६३,६४६	६४,००६
५. खडिया - - - - -	१४,८४४	१४,३२८	१५,२४२
६. हिन्दु - - - - -	३,५६५	३,७१०	३,५४३
७. कोरोवा - - - - -	६४	६६	७२
८. मुसलमान - - - - -	७६	७७	३४

पुरोभिना
२३

कलीशा के कर्मचारियों का विवरण इस प्रकार है :-

पाद्री - - - - -	८८
प्राचार्य - - - - -	७१०
कंडिक्ट - - - - -	१०

अन्य प्रकार के प्राचार्य - २७८४.

आर्थिक विषय ।

कलीशा के सामने आर्थिक प्रश्न बराबर जटिल हो रहा जाता है । गत १९५३ महासभा में एक Finance Committee बनी जो कलीशा के आर्थिक वृद्धि में मदद देने के निमित्त है । गत अतिरिक्त महासभा में सिनॉडल बोर्ड को उठा कर मंडली पैसा की लागू किया गया । इस से यह आशा है कि अर्थ व्यवस्था में सुधार होगा ।

इधर खंजाची श्री. जकरियाह होरो को बिमारी के कारण खंजाची की मदद की आवश्यकता मालूम हुई इस कारण श्री मुकुट होरो को गत जनवरी से सहायक खंजाची नियुक्त किया गया है । इस से कलीशा को बहुत मदद मिलेगी इस लिये इन की सेवा की आवश्यकता आइने भी रहेगी । क्योंकि श्री. जे. होरो को महासभा ने नियुक्त किया है इस लिये उनके मविष्य का विचार महासभा को सुपूर्द किया जाता है । यह निश्चित है कि मविष्य में विदेशी मदद कम मिलेगी इसलिये कलीशा को अर्थ-व्यवस्था में सुधार करना पड़ेगा । सीधे दिग्ध धोरा से कलीशा की आर्थिक स्थिति का पता मालूम किया जा सकता है ।

आत्मिक जीवन की वृद्धि में ही हमारी सब समस्याएं दूर की जा सकती हैं जिसके लिये महासभा को चिन्तित होना चाहिये ।
चर्च कौन्सिल के नाम पर चर्च का व्यापार और बजट १९५५ और १९५६ नीचे दिया जाता है जिसे कौन्सिल महासभा में पेश कर रहा है ।

प्रेसिडेंट का दूर ।

गत दो बरसों के भीतर प्रेसिडेंट ने सारे दौरे में यात्रा किई खाकर बीते साल जब वे डरहमर कोकिस को सारी कलीश काइसे थे । गोविन्दपुर से नारायण किचा गया और बुडजु, टोका, जमलेरहा, फिर पनीसनी, टकरमा, जोन्हा टोली, खुडी टोली, सिमडेगा, कोरोजो, कोचेडेगा, जिनकेल, चैतपुर, गुमला, लोहरागाँव देखा कोटा गये और सब जगह माई बहिनों से मुलाकात हुई जिन मंडली को सिद्धा और उपदेश दिया गया । विहाल के गाँव २ से माई बहिन और बच्चे रोड करने को भाये । हजारीबाद, सिद्धा पुखलिया और सुलमय में पहुंचाये गये । हरिन की यात्रा में चक्राधारपुर, चैवासा, जमशेदपुर के सब गिर्जे देखे गये और आगे बढा म पहाड के मजलीन मामगाँव होते हुए जोशीपुर की छोटी मंडली देखी गई । आगे बढ कर सिमली पहाड क्षेत्र में धुसे और धने जंगल के भीतर सहदा नामक छोटे गाँव में पहुंचे जहां मंडली है । फिर लौटकर खदान माडा में चले गये गुडवा खडार की मंडली को देख कर बडबिल आये । फिर जौ केला होते हुए सिंहभूम की सबेर बहिनो मंडली रेंडा पहुंचे जि पचपचा होते हुए मनोहरपुर आये और मंडली से मुलाकात किये । आगे बढ कर चिडिया खदान पहुंचे जहां बडी मंडली है । फिर मलाई, पसुंग होते हुए खुरतवाडा पहुंचे जहां एक अच्छी मंडली है । फिर गोयल की नी पुरानी मंडली को देखते हुए जिनक पानी सिमजंगल तक पहुंच गये जहां भी एक अच्छी मंडली है ।

फिर नये गिरा जील्स देखने को आमगाँव गये जहां अस्पताल की नैव डाली । आगे बढ कर देवगाव पहुंचे जहां पुरानी मंडली है । तब मारसुआ होते हुए मुन्दरगाव पहुंचे जहां नये गिर्जे को संस्कार किया । वहां से राजगाँवपुर आये और कजरीडिया होते हुए जडा कुदार पहुंचे । फिर रोरकेला होते हुए बीरमित्रपुर पहुंच कर मंडली देख लिये । उधर धौधोर पेरिश के बरघोली और रायबोगा भी देख लिये । अब गाँवपुर छोड़ कर कोडवा बहाल की मंडली को देखते हुए सरहापानी आये । आगे बढ कर कामबीकापुर पहुंच गये जहां कोवाडि की मंडली को देखा । लौटते समय लमगाँव, बतौली, सीतापुर और कनकाली की मंडली देख लिया और जशपुर के इचकौला पहुंच कर इधर की यात्रा खतम किई ।

पूरब की यात्रा सब से लम्बी थी। मन्त्र कलकत्ता, सिरामपुर और सत्ता परगना को घेना गरिया पंधुचे और आगे बढ़कर दार्जिलिंग गये वहां से लौट कर दुवर्ग की मंडलीयों को देखा, माई बहिन गंगोटिया में जमा हुए फिर वारोबिसा में मंडली ने हमें ग्रहण किया। वारोबिसा में हाता का संस्कार किया गया और एक होस्टेल की नेव डाली गई।

असम में तेजपुर, धरारा शांतिपुर, खूस्वान पड़ा, बिन्दुबुरी और वैहा मंडली की मंडलियों को देखा फिर और दूर होते हुए राजा-बारी चले चगे जहां वही मंडली से मुलाकात हुई। आगे बढ़कर रायसिंग को माई बहिनो से मुलाकात हुई। असम में कलीशा का सब से पूर्वी मंडली तीन मुकिया पंधुचकर हवाई जहाज से लौट गये।

बुडू सिनव का मिशन फील्ड देखने लायक है। डाडीगुटू पेरिश और बुडू टमाड (अमेलेसा) के बीच एक बड़ा क्षेत्र है जहां कोई मिशन काम नहीं करता है। सच पूछो तो यह गोश्नर कलीशा का मिशन फील्ड है। बुडू सिनव ने यहाँ काम शुरू कर दिया है। टमाड रास्ता में नया पेरिश जिलिंगकोला है जहां हाता के लिये नई जगह लिई गई है। पाड़ी धर तैयार हो गया है इसी पेरिश में लडा एक गांव है जहां आखिरतानों के बीच काम शुरू हुआ है। वीरजिह्वा एक पुरानी मंडली है जहां माई बहिनो से मुलाकात हुई। डाडीगुटू हमारी पुरानी पेरिश है जहां माई बहिनो ने हम को ग्रहण किया। वहां से बहुत कठिन जगह में जाना हुआ जो मिशन क्षेत्र है। पानसकम तलती बुधसम तल है पर आगे बिलकुल पहाड और जंगल है जो केवल पैदल से पहुंचा जाता है। पैदल पानसकम गये जहां हमारी पुरानी मंडली है। फिर वहां से करीब ५०० फीट पहाड का रास्ता उतरना पड़ा और हम खांची नदी के किनारे लडडीह पहुंचे जहां एक स्कूल खोला गया है जो मिशन क्षेत्र स्कूल है। प्रायः सब लडके संसार हैं पर गीत कटेस्विस्म जानते हैं और राशु में खूस्वान बच्चों को समान हैं। फिर ५०० फीट का ऊंचा पहाड चढ़कर पानसकम पहुंचे और डाडीगुटू, दुली होते हुए अलकान्दी पहुंचे जहां नया गिर्जा घर बनाया गया है। फिर कोरोन टोला पेरिश को देख कर बुडू लौट गये। इस तरह से प्रेसिडेंट की यात्रा खतम होती है।

मंडली की आत्मिका पडा।

आत्मिक जीवन में आनेका धरी होते हुए भी कलीशा में पवित्र-आत्मा का काम आपनी दिव्यता देता है। गिर्जा आने जाने में आपनी दिलाई देवी जाती है पर साधारणता सत्त्वजनक है। गिर्जा आने और एतवार का सुव्यवहार करने का उपदेश बहुत आवश्यक है। किसी समाजे सारी कलीशा में चालू है पर बहुत जगहों में इस बात में दिव्यता है।

परिवार पार्थना भी हर एक घर में चालू नहीं है। सन्डे स्कूलों की सहायता से नही चलाये जाते हैं जो की सन्डे स्कूलों में इसके लिये काफी चिन्ता और मिहनत है। स्कूलों में चर्च विषय पर आवश्यक पूरा जोर नहीं दिया गया है। बच्चे को रेविस्म गीत और मुख्या स्थान का उद्देश्य करने पूरा ध्यान नहीं देते हैं। कोरेवा इलाकों में बैबल क्लास कोलेज है और आई बहिनो यवान युवातियों को बैबल शिक्षा दिई जाती पर ऐसी इलाकाए कम है। बैबल क्लास हर सिनग और इलाकाओं में खोलना चाहिये।

कलीशा में गान सज्जन की घड़ी है। सुन्दर और अच्छी गीत मंडा उदाव को खडिया भाषा में बजाये गये हैं पर उनका सुव्यावहार नहीं किया गया है। सेमिनरी को पुचार ट्रेनिंग क्लास में इसको ध्यान देना चाहिये।

सिनी और दान का असल मतलब मंडली को बताना चाहिये पर जब पुचा हो जाती है तो उसका अर्थ भूल जाते हैं और सिनी एक बोला हो जाती है। हमारे बारह किसिम के दान पुचा होने की जोखिम में है। दान में ईश्वर की ओर हमारा प्रेम और चन्चवाव दिवाई देवे।

निसा पानी की बढती है। इस विषय पर आजकल बहुत का उपदेश दिया जाता है। साल में कम से कम एक बार इस विषय पर उल्लेख किया जाना बहुत आवश्यक है। स्कूलों और समाजों में इसके विरुद्ध व्याख्यान होने चाहिये।

ओरोनोमी सर्वप्रथम एक आत्मिक चीज है इसको बहुत काम से समझते हैं। आत्मपोषण ही को बहुत लोग ओरोनोमी बोलते हैं जो मारी भूल है। खुरान का आत्म अनुभाव ओरोनोमी का पहिला म है। दूसरे भाग में आत्मशासन और आत्मपोषण है। इस विशेष भेद को समझना और समझाना बहुत आवश्यक है।

१९५४ का. मामद-वर्च/१९५५ और १९५६ वजद

मामद-वर्च का-१६ लाख-इस-प्रकार-है (देखिये-छापा-हुआ-बोरा)

अब मैं इस बात पर जोर देने की आवश्यकता दे रहा हूँ कि इसी कलीशा की आत्मिक जीवन की उन्नति के लिए निहायत जोर देना चाहिए। मैं उन लोगों को जो आत्मिक स्थिति किस तरह है, किता तरह मरने के लिए तैयार हैं, और किस तरह खुरान की कलीशा में जीना चाहते हैं, उस का वास्तविकता इन आंकड़ों से दिखत आता है :-

५,८२६ लोग मरवाला वन की द्वारा अपनी आत्मिक जीवन की दार्शनिक दृष्टि है / ८,१४६ लोग मरवाला वन के विरुद्ध लड़ते हैं / ५४ विवाहित जोड़े इस साल सम्पूर्ण अलग हुए हैं / २२६ जोड़े अलग अलग रहते हैं / ८१८ लोग खुरान की दृष्टि है

१८५३ में ५,६०० लीटर मीठे बालपन में गरावर रहते थे और
११,७५६ लीटर उसकी पिराय लड़ते थे / ६१ विवाहित जोड़े सम्पूर्ण
अलग ठाँव पर और २२२ जोड़े अलग अलग रहते थे / १३२ आपसी
रहने रहते थे /

उपरोक्त विवरणों से आप-मान-सकते हैं कि हमारी कलीशा
के मसीही परिवारों की कैसी स्थिति है। परिवार-८२-रहे हैं व्यक्तिगत
जीवन-नाश हो रहा है। इस वर्ष-२२६-विवाहित जोड़े-अलग
अलग रहते हैं और २१६ लोग रहने-रखते हैं जिससे १००० से
अधिक परिवारों का संवाहन दूना हुआ है। प्रत्येक परिवार के लिये
अगर-५-व्यक्ति हम-तो-५००० के करीब व्यक्ति इस पाप के
कारण दुःख सहते हैं। यह हमारे लिये चिन्ता का विषय होना
चाहिये। हम-यह सोचें कि क्या हम-मसीही व्यवस्थापक-समा-
पा-कर-ईश्वर के दिये हुए-दानों को बाँटते हैं या उन्हें जेब-
देते हैं जिस परिवार में, जिस व्यक्ति में मसीह-वास नहीं करता
वह कलीशा में निकम्मा मंगा है। इस लिये हमारी कलीशा को
प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक परिवार या छोटी-स्थानिय-मंडलियों के
जीवन पर गौर करना चाहिये ताकि हमारी कलीशा-मसीह को
प्रचारने का मजबूत हाथधार बन-जाय।

महासभा के प्रतिनिधियों-विजिटो, कौंसिल-सदस्यों, और अन्य
दर्शन-माझे-बहनों को कौंसिल-दान्यवाद देता है-और आशा-रखता
है कि इस-रीपोर्ट में उल्लिखित विषयों पर सौच-विचार किया
जायगा ताकि हम-आपने-कसबों को उचितरूप से सम्पादित कर
सके।

69

Church Council

Registered

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

Regd

Register No.

2/5755

Date

2/5755

To

2/5755

Regd No.

69

To

69

Postmaster
Ranch

To

The Secretary
J. E. L. Church
Ranch

2/5755

Ranch

the

29. 4.

1955

Ref - your letter no 1187/55 d/
55. 4. 55

Sir, today Rev. J. Lawe, M.A., B.D., S.T.M.
has made a complaint to me that
he is the duly elected President of
the J. E. L. Church Ranch and all
letters are to be delivered to him.
My Town Inspector is being
directed to enquire who the matter
and all postal articles addressed
to the President of J. E. L. Church Ranch
will be kept in deposit till the
settlement about the real President
of the Church.

Yours faithfully

53/380



In 3rd May '55

To Secretary,
G. E. L. Church,
Ranchi

Dear Sir,

In reference to your letter no
1205-7/55 of the 26th April, 1955,
we enclose herewith a copy of
letter dated 27th April, 1955,
received from the President -
Rev. J. Lakra. In view of the
facts stated in the letter we
are unable to allow operation
in the account in its present form
unless the dispute is settled up
and the bank is duly informed.
Our solicitor advises us to withhold
payments for the present year & if
in c. m.

Yours faithfully
J. Lakra
President

True copy
in letter read in
Rev. J. L. Labra

27th April '55

To

The manager,
Chesapeake Bay Hotel,
Ranchi

Dear Sir,

In continuation of my letter dated the
25th April 1955, I beg further to add that
on the 21st April while the Mahasabha
the highest authoritative body of the G. E. L.
Church was having its session under my
Presidentship a section of the said Mahasabha
staged a walkout when the President did not
allow a motion on point of order on constitutional
ground.

The walk out party held a meeting outside
the Mahasabha and elected a president,
Secretary and Treasurer of the walk out party
and gave out to the outside world that they
elected the president, Secretary and Treasurer of the
G. E. L. Church. The other section of the Mahasabha
remained with the Church. The other section of the
Mahasabha remained with the president, but some,
including my Secretary Shri N. E. Horro and I
former Secretary C. M. Horro joined the walk out party
party also elected my former Secretary Shri C. M. Horro
as their Treasurer.

At present Shri N. E. Horro is no
more Secretary of the G. E. L. Church and Shri C. M.
Horro is no more Treasurer of the G. E. L. Church
and as such Shri C. M. Horro forfeits all powers
to operate on the G. E. L. Church Funds.

Therefore until the G. E. L. Church
authorises some one to operate on the Bank
accounts of the G. E. L. Church Treasury. Please
hold up all issues from G. E. L. Church Treasury and
oblige

Yours faithfully
Sh. J. Labra
President of the G. E. L. Church
Banswa Mahasabha 21/4/55

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Registered Under Indian Societies Act 1860

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

No. 1184-85/55

The 25 th. April, 1955 .

Chotanagpur Banking Association Ltd., Ranchi.

United Bank of India Ltd., Ranchi.

Sirs,

I have to inform you that the General Conference of the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam, has in its biennial session on 22 nd. April, 1955, appointed new office bearers of the said church for another two years. The following are the new office bearers :-

1. President - Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., M.S.T.,
2. Secretary - Mr. N. E. Horo, B.A.,
3. Treasurer - Mr. C. M. Horo.

In the above office bearers new changes are in respect of the President and the Treasurer. Rev. J. J. P. Tiga becomes the new President in place of Rev. J. Lakra and Mr. C. M. Horo, former Assistant Treasurer becomes the new Treasurer. The above officers were elected by the duly constituted General Conference of the G.E.L. Church, by a majority of votes. Hence they take over charge of their respective offices immediately.

It is to inform you, therefore, that henceforth Mr. C. M. Horo, former Assistant Treasurer will operate on the Bank A/Cs as Treasurer of the G.E.L. Church. His specimen signatures have already been submitted to you, as he was so long operating on the accounts as Assistant Treasurer.

I am enclosing a copy of the resolution of the General Conference for your kind reference.

No. 1186/55.

Copy to Treasr & BIC Ranchi
for information

Yours faithfully,

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

EXTRACT FROM THE MINUTES OF THE G.E.L.CHURCH
MAHASABHA HELD FROM 19 to 22 ndAPRIL,1955.

APPOINTMENT OF OFFICE BEARERS:

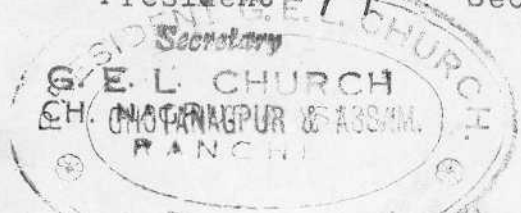
" Resolved that the following be appointed new
office bearers of the G.E.L.Church in Chotana-
gpur and Assam for 1955-1957.:-

President - Rev.J.J.P.Tiga,M.A.,B.D.,M.S.T.,
Secretary -Mr.N.E.Horo,B.A.,
Treasurer - Mr.C.M.Horo. "

J. J. P. Tiga
President 25/4/55

N. E. Horo
Secretary 25/4/55

C. M. Horo
Treasurer 25/4/55



Treasurer,
G.E.L. CHURCH
RANCHI

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Registered Under Indian Societies Act 1860

Mission Estd, 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

The 25 th April, 1955.

No. 1181-82/55

Chotanagpur Banking Association Ltd., Ranchi.
United Bank of India Ltd., Ranchi.

Dear Sirs,

It has come to my notice that Rev. J. Lakra, M.A., B. D., S.T.M., former President of the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam, has written to you to say that he still continues to be the President of the said church. This statement is incorrect as he was recently relieved of his office as President of the church by the General Conference by a majority of votes. This General Conference is a duly constituted body in which Rev. Lakra himself presided. He was removed from office on a motion of no-confidence. The Church Council also, over which he presided so long, was dissolved by an action of the General Conference. against/Rev. Lakra ~~was insisting~~ is protesting/ the action of the General conference, but this is illegal and untenable as the General Conference has the inherent right to appoint or dismiss an officer. Under the circumstances he cannot write to a bank and stop the present Treasurer to operate on the accounts.

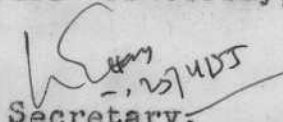
It is therefore requested that in future you should deal with our new Treasurer, MR. C.M. Horo.

I am informing you in a separate letter about the election of the new office bearers.

Yours sincerely,

No. 1183/55

Copy to Treasurer & ELC
Ranchi for information


Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

EXTRACTS FROM THE MINUTES OF THE G.E.L.CHURCH
MAHASABHA HELD ON 22 nd. April, 1955.

ABISWAS KA PRASTAW.

" Chunki Rev. J.Lakra, President ne kanun ke birudh niyamt riti se samarthan kiye huwe prastaw ko jo Mahasabha session 22 (21.4.55) men usko diya gaya tha, usko rule out (reject) kiya o mahasabha ko yah bhi nahi samjhaya kih kaise yah prastaw unconstititutional hai, yahan tak kih prastaw ko parha bhi nahi. Kul 116 upasthit angong men prastawak aur samarthak aur 61 delegatong ki sahi hai. Usne niyamawali ke birudh yah kam kiya is karan is mahasabha ka biswas un par nahin hai, atew we turant President ke pad se hatae jain.
SANKALP:

Gossner kalisha 1955 Mahasabha ke 113 upasthit delegaton g me se adhikans delegatong ne jinki sankhya 61 hai, Rev.J.Lakra President par 21.4.55 ko mahasabha session men no-confidence arthat a-biswas ka prastaw pesh kiya, is karan yah mahasabha aj 22.4.55 ko isi ghari se Rev.J.Lakra ke G.E.L.Church ke President pad se utarti hai"

.....

Certified to be true copy of the Masabha resolution dated the 22 nd. April, 1955.

S. K. 29-4-55
Manasabha chairman.
G.E.L.Church, ChNpur
and Assam.

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Registered Under Indian Societies Act 1860

Mission Estd, 1845—Autonomous 1919.

Secretary : MR. N. E. HORO B. A.

Ranchi, (Bihar) India.

No. 1205-7/55

The 26th April, 1955.

Chotanagpur Banking Association Ltd., Ranchi.
United Bank of India Ltd., Ranchi.

Sirs,

In continuation of my letter No. 1184-85/55 dated Ranchi the 25th April, 1955 I have to submit herewith a copy of the resolution of the Church Council of the Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur and Assam in which the new Treasurer has been given power to operate on the Bank accounts. The new Treasurer is Mr. Christ Mukut Horo.

Copy of the said resolution is enclosed herewith.

Yours faithfully,

W. E. Horo 26/4/55
Secretary.

Copy of the Church Council resolution (Extract from the Church Council meeting minutes dated 23/4/1955.)

TREASURER'S POWER TO OPERATE ON BANK A/Cs.

former

" In view of the fact that the/Assistant Treasurer Mr. C.M. Horo has now been duly elected Treasurer of the G.E.L. Church,

It is hereby resolved : that Mr. C.M. Horo be authorised to operate on the bank accounts as Treasurer of the G.E.L. Church."

W. E. Horo 26/4/55
President

W. E. Horo 26/4/55
Secretary
G.E.L. Church, Ranchi.

Christ Mukut Horo
Treasurer.

1474/55-CC-68

12 th. May.

5.

The Manager,
Chotanagpur Banking Association Ltd.,
RANCHI.

Dear Sir,

In reply to your letter 55/380 dated, Ranchi the 3 rd May, 1955, I have to say the following:

That Rev. J. Lakra's letter of 27 th April, 1955 gives completely a wrong picture. It is a fact that majority of Mahasabha delegates staged a walk out on 21 st. April towards the end of the General Conference session. The material facts of this walk-out are as follows:

That in the morning session of the Mahasabha on 21.4.55, a written resolution on behalf of 63 delegates out of 113 was handed over to the President Rev. J. Lakra. The subject matter of this resolution was to dissolve the Church Council for failure to perform its duties properly in respect of these four subjects enumerated below:-

- a) Failure to realise 500. dollars from Mrs. J. Lakra, wife of the President, which she unauthorisedly appropriated for attending general convention of the Lutheran World Federation held at Hanover, Germany in 1952. This matter was previously considered by the Church Council and the Mahasabha in 1953. The final decision of the Mahasabha of 1953 was to realise this amount from Mrs. J. Lakra.
- b) Failure to take suitable action in the matter of sending one Miss P.M. Khess to Germany. She was allowed to go to Germany in the first week of April, 1955 without the final decision of the Church Council in this matter, at the cost of the Church and for the service of the Church. On a matter of objection, the Church Council had postponed consideration of her matter. ~~As a matter of fact, as arranged she was to go after a year.~~
- c) Communal feeling in Surguja Mission field - failure to take suitable action to check it.
- d) Loss of Rs. 20,226-11-2 which the ex-treasurer Mr. Z. Hero is supposed to have, according to the Cash Book. Failure to take suitable action.

This resolution was evidently suppressed by the President Rev. J. Lakra. Towards the close of the Mahasabha on 21.4.55 (this was the last day of the Mahasabha session) the mover and seconder of the resolution wanted the President to place it before the house for consideration. To this attempt, Rev. Lakra declared that he was ruling it out. He said that it was unconstitutional. He gave no reasons whatsoever in support of his action. The mover and seconder and many other delegates demanded from the President the specific reasons why he thought that this resolution was unconstitutional. The President declared that no reasons are needed to be explained. Delegates requested the President to read out the text of the resolution. But, the President refused to even read out the resolution. The Mahasabha was rather perplexed and so demanded to know the text of the resolution. It wanted to know why and under what reasons the President was declaring that resolution to be out of order and unconstitutional. But the President refused to read out even when the council members intervened. This was followed by exchange of hot words between the President and the mover and seconder of the resolution. The seconder of the resolution said that the President was having his own way and was acting like a dictator. To this the President retorted that he was a dictator and immediately ordered those opposing him to walk out of the house. Immediately then, the majority of the delegates walked out of the house leaving behind no quorum for the Mahasabha, which dispersed.

After this incident the Church Council sat for reviewing the whole situation and advising the President. This church council advised him to place the resolution before the house, and for this purpose the Church Council decided to convene the Mahasabha on 22th April, '55. President Lakra did not agree for placing the resolution before the house. He maintained that his action in refusing to read the resolution was correct. He however, agreed to convene the Mahasabha. Accordingly I, as Secretary of the G.E.L. Church notified that the Mahasabha will sit on 22.4.55 at 8.30 a.m. It was also decided in the same Church Council meeting to have its session in the morning of 22.4.55 at about 7.30 a.m., one hour before the Mahasabha. It was feared that the delegates who walked out on 21.4.55 will break away, and so the same Church Council in the night of 21.4.55 sent a commission to them with a view to explain to them the intention of the council to settle up all misunderstandings.

Next morning on 22.4.55, the church council sat at 7.30 a.m. as scheduled. In this session the council members tried to persuade the President to agree to place the resolution in the Mahasabha. Towards the end of 21.4.55 mahasabha session, another resolution was tabled by which it was sought to express want of confidence on the President Rev. Lakra. This latter resolution was the outcome of the incident of 21.4.55. After spending much time it transpired that Rev. Lakra would not agree to what the whole church council was trying to persuade him to agree to. It was already past 8.30 a.m. - time for sitting of the mahasabha, and nothing could be decided. At this stage many of the church council members left the house saying that the President was not relying on the present church council and it was not fruitful for them to sit in the council when the President behaves irresponsibly. Many of the council members submitted their resignations and left the house. Members expressed their concern over the attitude of the President which was sure to bring about a split in the church. After this the council was plunged in to a disorder and there was a question of quorum. The President wanted to call off the mahasabha. Council did not agree. Thus the council ceased to function.

After the council ceased to function and the council members cleared off the church, mahasabha members came in for the session. The mahasabha sat with a large majority required by the church constitution. Rev. J. Lakra did not attend this session in order to avoid the questions at issue. It should be noted that this mahasabha was duly convened by the church council. It was therefore perfectly in order. This session subsequently dissolved the church council and then removed the President Rev. J. Lakra from office. After this it appointed an Ad Interim Church council to carry on the work till 31st October, 1955, after which a new church council will be formed as per the constitution. The following new office bearers were elected by this mahasabha :

1. President Rev. J. J. P. Tiga, M. A., B. D., M. S. T.,
2. Secretary Mr. N. R. Horo, B. A.,
3. Treasurer Mr. C. M. Horo.

It is, therefore, wrong to say on the part of Rev. Lakra that the walk-out party held a meeting outside the mahasabha and that the other section remained with the mahasabha. Out of a total strength of 113 delegates, 83 were in the mahasabha and the remaining including Rev. Lakra himself did not attend this session of the mahasabha. Actually he and his few friends were outside the mahasabha. Does Rev. Lakra mean to say the 30 delegates including himself who did not attend the session form a Mahasabha? He calls the mahasabha attended by majority of delegates as walk-out party conference and calls the minority of 30 delegates who formed themselves in to a communal group led by Rev. Lakra himself as the mahasabha. It is curious to understand him in face of bare facts. According to his logic, in whatever group he is present that becomes the Mahasabha. He thinks and let the world kakak-believe that he is the G.E.L. Church and whatever he says is correct. It is a pity that he cannot reconcile himself to bare facts. It was his own mistake in not attending the mahasabha duly convened by the Church council under his own chairmanship. It is wrong to challenge that this mahasabha is unconstitutional, because it removed him from office. It was he who created all these troubles by not properly handling the resolution on 21.4.55. I advised him in the mahasabha, but he would not

would not listen. As a matter of fact it was evident even on 21.4.55 that he had lost confidence of the mahasabha and it would have been a prudent thing for him had he resigned then and then or sought a vote of confidence. It was not advisable for him to occupy the presidential chair. It is no use challenging the verdict of the majority of a properly convened mahasabha.

It should be remembered here that the mahasabha is the highest authority of the G.E.L. Church, which Rev. Lakra admits himself. It appoints executive officers like the President, the Secretary and the Treasurer of the G.E.L. Church. They are dismissed by this mahasabha when desirable. This principle is provided in the church constitution itself. Evidently ~~known~~ these officers are not above the mahasabha and as such cannot challenge the authority and integrity of this august body. All these three officers are mutually responsible to each others for ~~their~~ their works and jointly and severally responsible to the Church Council and the Mahasabha.

It is wrong to suppose that the Secretary and the Treasurer are appointed by the President and are responsible to him. These two officers are only responsible to the church council and the mahasabha. Rev. Lakra, therefore, cannot address the Secretary and the Treasurer as "my" Secretary and "my" Treasurer. He is no authority to dismiss any of these officers. He cannot write to the Bank and say that he is withdrawing the power of the Treasurer to operate on the accounts. He cannot do even in normal cases, now he is no officer to send any information to the Bank. That is acting beyond his jurisdiction and he is liable to explanation. Mr. C.M. Horo, the Treasurer ~~is~~ by virtue of his appointment becomes the custodian of church funds, and only the mahasabha can withdraw this power from him. Rev. Lakra cannot snatch away the Treasurer's constitutional rights and power.

Rev. Lakra is claiming himself to be the valid President by saying that the mahasabha is with him. If calculations are made, it will appear that out of 113 delegates, 83 were against his continuing as President. About the remaining 30 delegates, it cannot be said that they were or are with him. There is no documentary evidence to prove that. Even if it is said that they are with him, it will be absurd to say that these 30 delegates form the mahasabha. It is really unthinkable. Rev. Lakra is basically wrong - he is challenging the authority of the mahasabha which appointed him. He is declaring the session of the mahasabha of 22.4.55 as illegal which was duly convened by the church council/his own chairmanship. If he is aggrieved at all he may appeal to the mahasabha for relief. It is not proper for him to create troubles and file objections here and there. He has ~~no~~ no legal right to write to the bank. No President of the G.E.L. Church had any sweeping powers. Under the church constitution, the President has no veto power. This point should be properly understood.

The past few days have clearly shown, which should be appreciated by the bank, that Rev. Lakra though claims himself to be the valid President has failed to function as such. If he were the President, he could have convened the church council or even the mahasabha at a time when according to him a state of emergency exists. Why does he not supply the bank with names of the Secretary and the Treasurer of the church? If he thinks the President has sweeping powers, why does he not authorise anybody to operate on the accounts? These are open questions. We, the new office bearers submitted relevant resolutions of the church council and the mahasabha. Why does he not submit such ~~extra~~ resolutions stating that Mr. N.E. Horo and Mr. C.M. Horo are no longer secretary and treasurer? As a matter of fact, Rev. Lakra knows his own weaknesses and knows it very well that the mahasabha is not behind him. He knows that he cannot authorise any body to operate on the accounts. He is creating troubles and is sabotaging the activities of the church. By advising the bank to stop making payments, he has put the church in to great loss and inconveniences, a church with over 2 lacs of membership. We are here trying to put all facts for your consideration.

I have reasons to believe that Rev. Lakra was trying to see your solicitor before the latter advised you for stopping further payments out of the G.E.L. Church funds. If Lakra has seen him and then arrived at a decision, we consider that to be unfortunate. Our point is if Lakra's point of view was taken in to consideration,

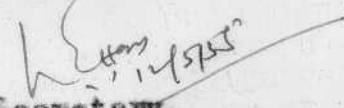
ours too ^{should} have been taken in to consideration.

I have this information that Rev. Lakra told you that he was appealing to higher authorities for intervention and settlement of disputes, if any. To this I make it clear that Rev. Lakra himself in his letter under reference has admitted that the mahasabha is the highest authoritative body of the church, and as such, no higher authority exists. There is, of course, the Federation of Lutheran Churches in India, which can advise us as a christian body. The present church council in the absence of the mahasabha is the proper authority to deal with all sorts of administrative functions. The Treasurer accordingly acts and operates on the bank accounts.

There is another important point. The present church council is doing all administrative functions to which Rev. Lakra has no objection. If he really did not recognise the mahasabha and the present church council, he would have taken all legal actions possible to stop us from functioning. He could have moved the court for an injunction. It is more than 20 days and he has not taken to that step. It is clear enough that his only intention is to sabotage the new church council, and create troubles in the church.

In the end may I refer to your letter under reference in which you say that in view of the fact stated in the letter (of Rev. J. Lakra) you are unable to allow operation in the account in its present form. I take it that you have based your decision on the facts provided by Rev. Lakra's letter of 27 th. April, 1955. In the foregoing paragraphs I have tried to enumerate all the material facts involved and request you to consider this case anew; and by doing so may I once more impress upon you to take all the aspect in to consideration. As I said before, our opinion was not fully taken in to consideration as in the face of proper resolutions and documents supplied by me on behalf of the church council, an irresponsible letter from an individual was fully entertained. By saying this, I however, do not say that you should favour me but shall certainly hope that what is proper and just should always be done by your institution. The whole church is co-operating with the new church council, even from the area which is supposed to be under the influence of the former President Rev. J. Lakra. Our treasurer is receiving money from the areas and we are accepting to get some drafts even from our areas. I do not know how you would advise us under the circumstances.

Yours sincerely,


Secretary.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No.....

Dated the 20. 5. 1955

Mr. N. Minz B.A; B.D.,
President,
G.C.Y.O., Ranchi.

Received Paul Bagg
for
Jyoti Munda also
Hass 25/5/55

Dear Mr. Minz,
Yours of the 19th. inst. Thanks.

Para 1. The question asked of you was whether you (Mr. Minz)
accept the Church Council appointed by the Mahasabha at the
last meeting . You should answer for yourself, not for the
G.C.Y.O.

Para 2. Sections are not recognized by the Church Council. If
you recognize ,then you cannot serve the whole church. The
Mahasabha and the Church Council want to serve the whole church
and would want the G.C.Y.O. to serve the whole church without
any recognition of sections. Whatever the last Mahasabha has done
is for the whole church. The Church Council, the new officers
are all for the whole church. The G.C.Y.O., as you seem to
suggest, recognizes the existence of two sections in the church
and therefore wants to take a neutral position. To take a neutral
position will mean that the G.C.Y.O. will have to remain outside
the Gossner Church. Your acceptance of one Church , and one Maha-
sabha and one Church Council with one set of officers is abso-
lutely necessary if you seek to serve the Gossner Church in any
way in its entirety. You seem to remain neutral but you are not.
You must recognise one Church under one Mahasabha before you can
be entrusted with the task of serving the whole Church.

2/5/55

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission End. 1842 - Autonomous 1919.

G. E. L. CHURCH COMPOUND

RANCHO BIHAR INDIA.

President: - Rev. J. J. P. Ties, M.A., D.D., D.T.M.

11

Dated the 20. 2. 1922

Ref No.

Please let me know at once whether you recognise the existence of one Gossner Church with one Mahsabha, one Church Council and one set of officers, and the Church Council, and this set of officers are those who have been appointed by the last Mahasabha. Both your presiding over the meeting of the G.C.Y.O. and going to the U.S.A. for further studies being deputed by the Gossner Church will depend upon your acceptance of the Mahasabha as it is and the Church Council with the officers newly elected last month.

Para 3. The Executive, Youth Board and the Annual General Conference of the G.C.Y.O. have no jurisdiction over the Mahasabha to decide the status of the present Church Council. They are not asked to pass any verdict on this point. I don't think the G.C.Y.O. will indulge in questions like this.

Please let me know immediately whether you want to serve the Church under the present Church Council or not. It is a question to you, not to the G.C.Y.O. As I have said above and also in my previous letter, further progress in the matter of making arrangements for your going to U.S.A. will depend entirely upon your clear decision and expression to the effect that you acknowledge this Church Council which has been appointed by the last Mahasabha. Unless you do so, it will be impossible for the officers appointed by this Mahasabha to do anything in this matter. Similarly, the officers appointed by the last Mahasabha are bound to allow only such a person to preside over a Conference of the whole Church such as the Youth Conference at Rajgangpur who is under this Mahasabha and its Church Council. I am sorry, I cannot say anything else. I am compelled to take this position and I would plead with you to consider it and do what is best for the whole Church.

Sincerely Yours, J. J. P. Ties

To, The Rev. J. J. P. Tiba. M.A; B.D, S.T.M.
PRESIDENT
Present Church Council.

Ranchi,
19-5-55.

Dear Sir,

Received your letter of 14th May 1955,
(Ref. No. 1574/55). Thanks.

The Church Council recognised by
the entire G. E. L. Church in Chotanagpur and
Assam is automatically accepted by the
Gossner Church Youth Organisation.

But when there is a dispute over
the authority in the Church and some
sections of the G. E. L. Church are questioning
the status of the present Church Council,
the G. C. Y. O. has to take the neutral position
because administrative and Constitutional
matters are beyond its (G. C. Y. O.) jurisdiction.

If the G. C. Y. O. is asked to say on
the status of the present Church Council, any
single member or single officer bearing of it, can
not voice on this matter under the present circumstances.
The matter must pass through the Executive, Youth
Board and the annual general Conference of the
G. C. Y. O.

Sincerely yours,
Nirmal Kishor
President

Gossner Church Youth Organisation

Forwarded White Leg
R.L. C

all correspondence
with Dr. Main Team
(to + fro) . H

2/5/53-





To,

The Principal
Gossner College Hostel
Ranchi
Ranchi.

N-13.52.53-

Application of Messrs
Basant Tikey +
(Y.J.) Ghanta Kupin
for house
forwarded to the Secy. C.
J. B. Gupta
21/5



Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., M.S.T.
Lutheran Theological College,
~~Rajmachi~~,
R A N ChH I
Bihar.

#11/5/53-

To

The President,
G.E.L.Mission, Ranchi.

Sir,

I beg to state the following facts for your kind consideration and favourable order.

That having come to know that some houses were occupied by the Military persons are now vacated.

That I am a bonafied Christian of G.E.L. Mission. I am a Govt.servant and am leaving out side. At present I am in great need of house. So many others missions peoples are leaving in G.E.L.Mission houses.

I, therefore, beseech you to kindly provid me one house which is builded near the Elizabeth ground and house is already vacated ~~Dr. X.~~ So I may kindly be favoured as ~~prayed for~~ above prayed for. For this I shall ever grateful to you.

if any other house will be available under your kind disposal.

Yours faithfully,



11/5/53

(Basant Kumar Tirkey)

Physical Training Instructor,
Ranchi College, Ranchi.
11th May, 1955.

*Forwarded to the Secretary,
G.E.L. Church for necessary
action.*

*Indira
President,
21/5/53*

Quarterly Statement of Receipts

January to March 1955.

RECEIPTS

Heads.	Budget Account	Special Account.
1.1.55 Cr. Opening Balance.....		24,413-14-7.
1. Bible Society Chanda.....	61-00-0.	
2. Evanston Conference.....	12-00-0.	
3. N.M.S. Chanda	54- 5-9.	
4. Head Quarters Congregation	1,344- 3-4½.	
5. Mandli Paisa.	4,358- 6-0.	
6. Advance Recoverable	3,060-13-0.	40-00-0.
7. Loan Recoverable	65-00-0.	
8. Seminary	85-00-0.	
9. Evangelistic Work.	37- 1-9.	
10. Primary Schools	533-12-6.	
11. Bethesda Hall		950-00-0.
12. P.F. Contribution		100-00-0.
13. Property Board.		252-00-0.
14. Loan Refundable		1,000-00-0.

Cash Balance.

Special A/C..... Cr. 22,871- 5-7.

Budget A/C..... Dr. 18,293- 5-7½.

Net Cr..... Cr. 4,577-15-11½.

Total..... 9,611-10-4½. 26,755-14-7.

Dr. Closing Balance... 18,293- 5-7½.

G.Total... 27,905-00-0. 26,755-14-7.

Quarterly Statement of Expenditures

January to March 1955.

PAYMENTS

Heads.	Budget Account	Special Account
1.1.55 Dr. Opening Balance.	9,148-14-3.	
1. Women's Work.	37-00-0.	
2. Head Quarter Congregation.	951-10-9.	
3. Mandli Paisa.	9-10-0.	
4. Advance Recoverable.	939- 9-0.	2665-00-0.
5. Contingencies.	490-15-0.	
(6) Medical Work.	344- 8-0.	
7. Motor.	451-10-0.	
8. Dearness Allowance.	748-00-0.	
9. Establishment.	1,965-00-0.	
10. Travel & Transfers.	3,387- 7-6.	
11. Meetings & Conventions.	513-00-0.	
(12) Seminary.	2,435-00-0.	
13. Miscellaneous & Unforeseen.	85- 1-6.	
14. Pension.	505-00-0.	
15. Evangelistic Work.	2,583-00-0.	
(16) Calcutta Work.	600-00-0.	
17. Primary Schools.	1,578-00-0.	
18. Printing & Publication.	240-10-0.	
19. Bible Translation.	160-00-0.	
20. Contribution	389-00-0.	
21. Tabitha Bible Training School.	242-00-0.	
(22) Youth Organization.	100-00-0.	
23. Study Help.		142-00-0.
24. Missionaries Budget.		34- 1-0.
25. Govt. Grant in Aid.		1,000-00-0.
26. Property Board.		43- 8-0.
Total	27,905-00-0.	3,884- 9-0.
Cr. Closing Bal.		22,871- 5-7.
Grand Total.	27,905-00-0.	26,755-14-7.

Amthoro.
Treasurer

G.E.L.Church Provident Fund

Quarterly Statement from January to March, 1955.

	<u>Receipts.</u>	<u>Payments.</u>
1. Own contribution	556- 5-0.	
2. Ilaka contribution	241-10-6.	
3. C.C.Contribution		180- 8-6.
4. Received from Prac.P.Fund	81-11-0.	
5. S.B.withdrawn	1,703- 9-0.	909- 1-0.
6. Loan Recoverable	20- 0-0.	1,450- 0-0.
7. Miscellaneous	0- 0-6.	
8. Suspense	9- 6-0.	
9. Interest paid		73- 0-6.
Total.....	2,612-10-0.	2,612-10-0.
Opening Balance.	11,193-11-0	
Closing Balance.		11,193-11-0.
Grand Total....	Rs.13,806- 5-0.	13,806- 5-0.

Balance sheet as on 31.3.1955.

	<u>Liabilities.</u>	<u>Assets.</u>
1. Own Contribution...	21,004- 8-2.	
2. Illaka Contribution ..	8,346- 0-4.	
3. C.C.Contribution.	8,525- 4-6.	
4. Widow Fund.	4,330- 4-0.	
5. General Reserve.	3,215-15-0.	
6. Loan Recoverable.		3,371- 0-0.
7. Miscellaneous	14- 7-0.	
8. Prach.P.Fund.	81-11-0.	
9. F.D.in U.B.I.Ltd.		26,795-0-0.
10.S.B.D.in U.B.I.Ltd.		3,162-15-6.
11. Interests payable	995- 2-6.	
12. Suspense.	9- 6-0.	
Total.....	46,522-10-6.	35,328-15-6.
Cash.....	...	11,193-11-0.
Grand Total....	46,522-10-6.	46,522-10-6.

G. S. S. S.
Treasurer

III Pracharak's' Prov. Fund.

Quarterly Statement from January to March, 1955.

	<u>Receipts</u>	<u>Payments.</u>
1. Own Contribution	35-11-6.	
2. Illaka Contribution.	35-11-6.	
3. Paid to G.E.L.C.P. Fund.		81-11-0.
Total.....	71- 7-0.	81-11-0.
Opening Balance.	5,057-13-6.	
Closing Balance.....		5,047- 9-6.
Grand TotalRs.	5,129- 4-6.	5,129- 4-6.

Balance Sheet 31-3-55.

	<u>Liabilities.</u>	<u>Assets.</u>
1. Own Contribution	2,528- 1-6.	
2. Illaka Contribution	2,503.11-0.	
3. Sunspense	104-14-0.	
4. Interest paid		7- 6-0.
5. G.E.L.C.P. Fund		81-11-0.
Total.....	5,136-10-6.	89- 1-0.
Cash.....	...	5,047- 9-6.
Grand Total....	5,136-10-6.	5,136-10-6.

IV G.E.L.C. Reserve Fund.

Quarterly Statement from January to March, 1955.

	<u>Receipts</u>	<u>Payments.</u>
1.1.55. Opening Balance	2,478-15-10.	
Interest on F.D. for 1949-54.....	400-....	
Total.....	2,878-15-10.	
31.3.55 Closing Balance.....		2,878-15-10.
Grand Total.....	2,878-15-10.	2,878-15-10.

V Centinal Jubilee Fund.

Quarterly Statement from January to March, 1955.

	<u>Receipts.</u>	<u>Payments.</u>
1.1.55 Opening Balance	3,232-5-3.	
31-3-55 Closing Balance.	...	3,232-5-3.
Total.....	3,232-5-3.	3,232-5-3.

Carbone

VI Widow's Fund.

Quarterly Statement from January to March, 1955.

	<u>Receipts</u>	<u>Payments.</u>
1.1.55 Opening Balance.(Dr)		9-8-0.
31.3.55. Closing Balance(Dr)	9-8-0.	
Total....	9-8-0.	9-8-0.

Trial Balance 31-3-55.

	<u>Dr.</u>	<u>Cr.</u>
1.F.D. in United Bank of India Ltd., Ranchi	4,121-10-8	
2. Deposit in Rehargara Co.Op. Society.....	764-7-8½	
3. Govt. Promisory Note of 1265 sent to Purulia on 20.11.48 for drawing interest.....	100-0-0.	
4. Fund.....		4,942-3-8½
5. Undistributed Interest.....		34-6-9.
Total ...	4,986-2-5½	4,976-10-5½.
Cash (Dr).....		9-8-0.
Grand Total	4,986-2-5½	4,986-2-5½.

Summary of Cash Balance of 31-3-1955.

	<u>Dr.</u>	<u>Cr.</u>
1. Budget Account.....	18-293-5-7½	
2. Special Account.....		22,871-5-7.
3. G.E.L.C.P. Fund.....		11,193-11-0.
4. Pracharaks' P. Fund.....		5,047-9-6.
5. G.E.L.C. Reserve Fund.....		2,878-15-10.
6. Centinal Jubilee Fund.....		3,232-5-3.
7. Widow's Fund.....	9-8-0.	
Total.....	18,302-13-7½	45,223-15-2.
Net Credit.....	26,921-1-6½	...
Grand Total Rs..	45,223-15-2.	45,223-15-2.

DETAILS OF NET CR. BALANCE OF 31-3-1955.

	<u>Amount</u>	<u>Amount.</u>
1. Net Cr. Balance as per summary	26921-1-6½.	
2. In.C.N. Banking Asscn. Ltd., Ranchi (C/D)		1461-0-11
3. F.D. in C.N. Banking Asscn. Ltd., Ranchi (R/F)		2740-0-0.
4. F.D. in C.N. Banking Asscn. Ltd., Ranchi (Jubilee Fd.)		3232-5-3.
5. C/D in CN Banking Asscn. Ltd., Ranchi (R/F)		138-15-10.
6. With Mr. Z. Horo Ex-Treasurer		7572-6-0.
C.C. Account (15-2-55) ...	2937-12-2	
Less Dr. Bal. of W.F. ...	9-8-0	
	2928-4-2	
G.E.L.C.P.F.	11193-11-0.	
Prach. P.F.	5047-9-6	
	19169-8-8	
		19169-8-8.
		26741-14-8.
		179-2-10½.
7. In hand		
Total...	26921-1-6½	26921-1-6½.

M.16/5/55.

Z. Horo
TREASURER,
G.E.L. CHURCH RANCHI.

To,
Rev. J. J. P. Niga (M.A. B.D. ST.M.)
Ranchi.

from Rev. P. P. White
C. E. L. Church.
P.O. Jinsukia.
Upper Assam.

Mirza.

11. 5. 55

Rev J. J. P. Niga साहब-

आप को हरिद्वार से प्रसन्न होवे ।

मैं दांचो हो से एक सफुल्ल पात्र हूँ जिसके द्वारा मायावत दुःख
को शीघ्र हमारा महत्त्व करने के योग्य हो गई है, उसके विश्वास
गया है की आप दुःख मार्ग के समाप्ति हैं । जो कुछ है वह
सच्चाई के लिये जड़ना समों का एक है । मेरी भावना है की प्रमाण
हमारे लिये तो यदि आप थोड़ा वक्तो वक्तो मिलने जारिये
सच्ची परिस्थिति को निरवधारण करने देते तो वह सम्भव
होती । मेरी प्रार्थना है की इससे दूर मैं आपकी प्रशंसा
मिल सका है ।

आपका प्रभु

आपका विश्वास सेवक

P. P. White



NO.

From

Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.,
Secretary,
Bihar Christian Council,
Lutheran Theological College,
Ranchi.

To

The Secretary,
National Christian Council,
Nagpur.
Dated Ranchi, the 7th May, 1955.

Dear Sir,

May I have 50 copies of the full text of the
Comity Rules which have been recently passed by the
National Christian Council.

(2) Please send also 50 copies of "The Resources of
the Church in India and their use.

Thanks.

Yours sincerely,

J. J. P. Tiga
Secretary,
Bihar Christian Council,

B.L.

9, Thambuswamy Road, Madras-10.

11th May 1955.

The Presidents of the Constituent Churches of the F.E.L.C.

Hereunder is the extract from the Minutes of the Lutheran N.M.S. Executive meeting held at Tirukoilur on 30th April 1955:

"Minute 6 (b) (iii) Ladies' Auxiliary: Mrs.R.B.Manikam has accepted the invitation of the L.N.M.S.Council to act as Chairman of a committee of representatives from the Constituent Churches of the Federation and to organise the Lutheran N.M.S.Ladies' Auxiliary. RESOLVED to request Mrs.Manikam to convene such a group preferably in September this year in Madras. The organised Women's Samajas of the Constituent Churches may be requested to depute their Officers or other representatives to attend this meeting at the cost of the concerned Church or Women's Samaj."

The Presidents are requested to kindly encourage the formation of the Lutheran N.M.S.Auxiliary Branch which Mrs.Manikam has kindly consented to organise. It is very essential that a conference of representatives of women's organisations first meet in order to draw up a programme for work and organisation.

Jacob Kumaran

Secretary, L.N.M.S.

Copies to All Churches.

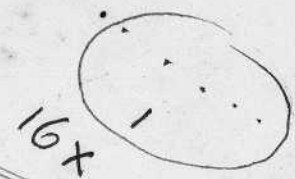
Dr.(Mrs) R.B.Manikam

The Rev.K.Nathaniel

The Rev.J.D.Asirvadam.

Freedom

Hand



16x



split



1934

1985

22/-

20/-
4
20/-



Handwritten text inside the large oval, possibly 'Handwritten' or 'Handwritten'.

Handwritten text, possibly 'Handwritten'.

FACTS ALREADY
STATED
NO SPLIT

~~CHORE~~ SUBSIDY
YOUR CHOICE

Handwritten signature or mark at the bottom left.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No.....

Dated the ...13th... May.....195 5

The Rev. Dr. R.B.Manikam, President,
F.B.L.C.India.

Dear Dr. Manikam,

Thanks for your letter dated the 10th. inst. Knowing how much you love this Gossner Church I can easily understand your anxiety at this time. In due consultation with the fellow officers of the Church Messrs N.E.Horo and C.M.Horo Secretary and Treasurer respectively, I have sent the following Express Telegram today :

" REPLY SENT ALREADY. BETHESDA SEVENTEEN THOUSAND IN SCHOOL ACCOUNT AND THREE THOUSAND WITH CHURCH TREASURER , FINANCIAL IRREGULARITIES GETTING STRAIGHTENED BY NEW TREASURER CHRIST MUKUT HORO. KINDLY SEND SUBSIDY.LETTER FOLLOWS. "

1. Bethesda Hall money : Rs.17,000/- was received by me from the Church Treasurer. The rest was with him. I never got it. I never deposited any of this into my own account . A Bank account was opened in the name of the Bethesda Girls' School Building Fund with the Chotanagpur Banking Association and the money was deposited there and operated jointly by the Secretary of the school (myself) and the Headmistress (Miss SM Bodra). The number of the Pass Book is Ledger No. 12 and Folio No. 91. It is ebtirely false to say that the Hall Fund money was deposited in my own account .The Bank itself is my witness.

2. Implementation of the recommendations of the auditor :

P.T.O.

2. Implementation of the recommendations of the auditor's report ... I am a member of the Church Council since October, 1953. It is not even two years. Before that I was not in the Church Council for many years. So also Mr. N.E.Horo the new Secretary is in the Church Council only for the same period as I. The new Treasurer Mr. C.M.Horo is in the Church Council only from last April. It is not even one month for him to be in the Church Council. For the period I have been in the Church Council, i.e; 1953 to 1955 I tell you Dr. Manikam, I have never been shown any report of the auditor. It has not been placed before the members of the Church Council, if I am not mistaken. *I have never been brought to the Mahasabha. Rev. Jhalani who was the President of the Church since 1942 to 1953 should be able to explain how the former officers treated with the audit report.*

The new Treasurer Mr. C.M.Horo came last January as an assistant Treasurer. At the last Mahasabha the former Treasurer Mr. Z.Horo was deposed and Mr. C.M.Horo was made Treasurer. He is trying his best to follow the instructions of the auditor. I asked him several times these days and he told me that he has been able to adjust more than Rs.10,000 which had been advanced to various individuals. The former Secretary Mr. C.D.Sirka had against him an advance of more than Rs.19,000. Mr. C.M.Horo the new Treasurer is after him like a leech and he hopes to get the matter settled with him before long. ~~He has already got several thousands of rupees refunded.~~ No doubt we are going to loose much money from the previous accounts. But I can assure you that we have got now the best Treasurer available in the Church at this time. We have every reasonable hope that from now on the funds will be very well handled in the hands of the new Treasurer.

The P.F. a/c's are now up to date

3. Split in the Church : I am not at all prepared to accept that there is a split in the Church. There is one Church one Church Council, one Mahasabha, one Executive. Mr. Lakra defies the authority of the Mahasabha. He wanted the Church Council and the Mahasabha to let him go his own way and do what he wanted. Whenever there was a check he interpreted that to be grudge, malice, enmity and so on. In order to defend him in his wrongdoings he was all the time, ever since 1933, keeping ready a group of his relatives and some strongly communal-minded brahmins to be at his beck and call. These are the people who have been the cause of the downfall of the Gossner Church. Now when they have been rightly arrested, *they are presenting to you a case of split in the Church. I am convinced that you will be helping the Gossner Church to be ruined rather than help*

her to fight against communalism, narrowmindedness and selfishness, *if you send a Commission*

Please don't think for a moment that I take pleasure in being a President. I was happy with the job of teaching in the Seminary. I shall be happy to be sent to parish as a humble pastor. I have obeyed the call of the Church. I did not want to be the President. None of my relatives wanted me take this place. Sooner I get back to the place where I was the better it is for me. But how can I do that? Would you want me to tell these 83 delegates out of 113 that I don't want to shoulder the responsibilities at a time when there was the cry for help. I have always considered you to be my friend, nay more than a friend. You have been my guide and counsellor, one who has commanded affection and admiration. I put before you a challenge in the name of the Gossner Church. What shall we give place for? Selfishness and Communalism OR Common good and Integrity of the Church to the principles of oneness of Christians of classes and communities in the Lord Jesus Christ? In 1934 Mr. Lakra disobeyed the Mahasabha and the Church Council when he was asked to leave the High School and take the position of Ministerial Instructor in the Church. He created disturbance. His cry was heard by the Federation and what was the net result we know. This time he disobeyed the Mahasabha and there is the talk of the coming of a Federation Commission. I don't think it is wise for anyone to stop anyone who wants to come and help solve difficulties. But what will be the remedy? That is the question. Let Mr. Lakra do what he likes and let him keep an army of his relatives and some of his tribesmen for any emergency. That will be the remedy. The other remedy may be: Let the Federation appoint a President, a Secretary and a Treasurer for the Gossner Church for a specific time until the Federation has confidence upon the Mahasabha. *If you please let the decision of the Mahasabha stand and Mr. Lakra obey.*

4. The subsidy: I want to speak plain in this matter. We are a poor Church. We have always lived on begging. We have never felt ashamed of begging so that our institutions may thrive and the Church may grow. But if the subsidy is used as a bridle, and the Church's highest authority, the Mahasabha is threatened, it is best that the subsidy be stopped. It appears at times that the subsidy comes for Mr. Lakra, not for the Church. The Federation was always anxious to see the irregularities in the management of funds to be removed. Mr. Lakra was there for the last 13 years as President of the Church. Treasurers and Secretaries came and went away but the conditions in the finances never improved. On the other hand, it ended with the loss of Rs. 20,226.11.2 pias which is supposed to be in the hands of Treasurer Z. Horo in the report of Mahasabha 1955. From where will he pay this amount? How did it come to this? Rev. J. Lakra, Mr. C.D. Sirka, and Mr. Z. Horo are the fittest persons to explain it. The irregularities were there and loss of money is a fact. You have chosen to punish the new officers and you want to make further subsidies dependent upon settlement of dispute between me and Lakra. I can't understand this.

~~If you have no confidence upon the Mahasabha and the present officers the way left is Either Stop the subsidy Or~~

If you have no confidence upon the Mahasabha and the present officers the way left is **EITHER STOP THE SUBSIDY OR** appoint your Mahasabha and officers for the Gossner Church and send them the subsidy. We cannot force you to have confidence on us. The Mahasabha has brought drastic changes in the Executive. Please see what you can do.

With kind regards,

Yours Sincerely,

J.J.P. Tiga
(J.J.P. Tiga) 13/5/55

To,

The Superintendent.

Gossner College Hostel.

Ranchi.

Sir,

With due respect and humble submission I beg to state that this year I passed I.A. from your hostel. Now I join B.A. in Ranchi College, so I wish to stay in your hostel this year too.

I, therefore, earnestly request you to kindly allot me a seat in the hostel. For this act of your kindness I shall be ever grateful to you.

Obediently yours.

Karabani Mission

9-5-55-

Mathias Hamborn

Dear Mr Hamborn,

Received your letter of 9.5.55-
Congratulations. Yes, a seat will be reserved for you for the session 1955-56.

With hearty greetings

Yours sincerely
J. M. G. J.

Synod's Contribution to C. C. for 1951.

Assam	...	...	2236	0	0
Duars	...	...	450	0	0
Burju	...	...	3262	0	0
C. P.	...	..	1206	0	0
Hazaribagh	...	...	146	0	0
Khutitoli	...	...	1547	0	0
Kinkel	...	...	1530	0	0
Manbhum	...	...	446	0	2
Northern	...	...	2582	0	0
Orissa	...	...	4234	0	0
Singbhum	...	...	885	0	0
Western	...	..	1771	0	0
Koronjo	...	...	2810	0	0
Takarma	...	...	2765	0	0
Govindpur	...	...	2548	0	0
			28418	0	0

H. Q. to centralize all its income so also Calcutta.

S. Surin

16/4/51

Z. Khalkho

164//51

Z. Horo

Treasurer

16/4/51

C. B. A. C.

16/4/51

Pastors' Salary Scale

Non Matric + Short Course 40-2-50 EB 2-60

Non-Matric Seminary } 45-60 EB 2-20

or Matric Short } 35 55

Matric Seminary

45 70%
(40) (60)

Matric L.Th

I.A., I.Sc, Short Course } 50-2-70 EB-2-80
(40) (60)

I.A., L.Th.

B.A. Short Course } 60-2-80 EB-2-100
(50) (75)

B.D. Simple 70-3-90 EB-3-115
(70) (105)

B.A., B.D.

M.A., Short Course } 80-4-100 EB-5-125-5-150
(80) (120)

M.A., B.D. ... 100-5-150 EB-5-200-5-225
(100) (150)

225-150
75

M.A. B.D. - B.A. B.D. (115-105-10)

225-150=75-10

150-190

M.A. - B.A. = 75

225
300

Matriculation

tees _____

11.12.1950

Rs 20/-

Rs 20/-
Annual Examination — Feb 5, 1950

B. A.

Fees —

Jan 22, 1950

Exam —

March 5, 1950

18-10-10

13

1508

Q-8-A-103

1204 35

52

130
40

- 1) $\overline{XI} + 3m \text{ Seen} = 50 \quad \cancel{2/2} \quad 70$ Matr fail
 - 2) $\overline{XI} + 4yrs \text{ Seen} = 60 \quad \cancel{2/2} \quad 80$ " Pass
 - 3) $\text{Matr} + 3m \text{ Seen}$
 - 4) $\rightarrow \overline{XI} + 4yrs \text{ Seen} = 70 \quad \cancel{3/2} \quad 100$ Seen Pass + ~~Matr~~
 - 5) $\text{I.A.} + 3m \text{ Seen} = 75 \quad \cancel{3/2} \quad 105$
 - 6) $\text{Matr.} + \text{Seen} = 80 \quad \cancel{4/2} \quad 120$ Pass + Pass
 - 7) $\text{I.A.} - 2yrs + 3m = 2yrs 3m$
 - 8) $\text{Seen} = 4yrs$
 - 9) $\text{I.A.} + 3 \text{ Seen} = 4yrs 3m = 85 \quad \cancel{4/2} \quad 125$
 - 10) $\text{I.A.} + \text{Seen} = 6yrs$
 - 11) $\text{M.A.} + 3m = 6yrs 3m$
 - 12) $\text{B.A.} + 1 \text{ Th.} = 7yrs$
 - 13) $\text{B.A.} \text{ B.A.} = 7yrs$
- 50
16
66
- 90 4/2 130
- 100 5/2 150 200 250
- 110 5/2 160 200 250 300
- 120 5/2 200 150 20 170

$$6) D.A. + 3 \text{ Sem} = 4 \text{ yrs } 3. = 85 \frac{1}{2} \text{ } 125$$

$$7) A. + \text{Sem} = 6 \text{ yrs } 90 \frac{1}{2} \text{ } 130$$

$$8) M.A. + 3 \text{ m} = 6 \text{ yrs } 3 \text{ m. } 100 \frac{5}{12} \text{ } 150 \text{ } 200 \text{ } 250$$

$$9) B.A. + \text{Sem or } 1 \text{ k. Th.} = 7 \text{ yrs } 110 \frac{5}{12} \text{ } 160 \text{ } 200 \text{ } 250 \text{ } 300$$

$$10) B.A. \underline{B.D.} = 7 \text{ yrs } 120 \frac{5}{12} \text{ } 200 \text{ } 150 \text{ } 20$$

$$11) M.A. \underline{B.D.} = 9 \text{ yrs } 145 \frac{6}{12} \text{ } 265 \text{ } 170 \text{ } 30 \text{ } 60 \text{ } 200$$

$$12) M.A., B.D., S.T.M. = 11 \text{ yrs } 180 \frac{6}{12} \text{ } 300 \text{ } 170 \text{ } 230$$

$$13) (M.A., B.D.), \underline{D.D.} = 200 \frac{10}{12} \text{ } 300 \text{ } 10 \text{ } 400 \text{ } 250$$

$$16 \overline{) 250} \begin{array}{r} 16 \\ 90 \\ 90 \end{array}$$

$$20 \overline{) 135} \begin{array}{r} 140 \end{array}$$

$$165 \overline{) 120} \begin{array}{r} 45 \\ 25 \\ 70 \end{array}$$

$$120 \overline{) 120} \begin{array}{r} 270 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 25 \\ 25 \\ \hline 50 \end{array}$$

275

$$\begin{array}{r} 275 \\ 80 \\ \hline 355 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 100 \\ 32 \\ \hline 132 \\ 25 \\ \hline 157 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 100 \\ 32 \\ \hline 132 \end{array}$$

M. Gen.

J. D. W. H.

$$(A.6 - A.7) \cdot 25 = 100 - 100$$

$$(A.6 - A.7) \cdot 25 = 100 - 100$$

Handwritten notes and signatures.

Handwritten notes and signatures.

M. Bern.

J. D. L. W.

102
70
32

100
132
25
197

100 100

100 100

100 100

(A. B. - A. C.) 100 = 100 - 100

(A. B. - A. C.) 100 = 100 - 100

100 100

100 100

100 100

185

150 -

200
100
300

(A. B. - A. C.)

100 = 100 - 100

100 100

185

100 100

100 100

100 100

100 100

100 100

100 100

100 100

100 100

100 100

100 100

100 100

100 100

100 100

IV. CLERKS AND PEONS OF CENTRAL INSTITUTION

Qualification	Starting Pay	Increment	Maximum
Under Matric Tech not Trained ...	20	1½/2	30
Under Matric Trained ...	25	1½/2	35
Matric not Trained ...	25	1½/2	35
Matric Tech Trained ...	30	2/2	50
Head Clerks must be Tech Trained and Experienced ...	40	2/2	60
Peons should be able to read and write ...	10	1/3	15

V. PASTORS

Non-Matric Untrained Pastors ...	30	2/2	45
Non-Matric Sem-Trained ...	35	2/2	55
Matric Sem or L. Th. or I.A. ...	40	2/2	60
I.A. Sem or I.A. L. Th. ...	50	4/3	75
B.A. ...	60	3/2	90
B.A. L. Th. or B.D. (Cal) ...	70	4/2	105
B.A. B.D. or M.A. <i>trained</i> ...	80	4/2	120
M.A. B.D. ...	100	8/3	150

Note:—(a) Special consideration be made for foreign study and degree holders.
(b) Ilaka Chairman's allowance Rs 10 and Parish Chairman's allowance Rs 5 p m

VI. CANDIDATES

Non-Matric Seminary ...	25	2/2	40
Matric Seminary ...	30	2/2	45

VII. PRACHARAKS AND PRACHARIKAS

M. E. & M. V. and below Un. Tr.	12	1/3	18
M. E. & M. V. Trained Pracharaks	15	1/3	22
Non-Matric Trained Pracharaks	16	1/3	25

Note:—In future M. E. or M. V. passed pracharaks and pracharikas only will be taken as far as possible.

VIII. HEAD PRACHARIKA

M. E. or M. V. Trained & Experienced	20	1½/2	30
Non-Matric " " "	30	2½/2	50
Matric " " "	45	4/3	70

IX. MEDICAL

D. B. Scale be allowed.

X. CENTRAL INSTITUTION OFFICERS

	On Allowance Basis
President ...	Ordinary pay plus President's allowance of Rs 70
Secretary ...	Ordinary pay plus Secretary's " " " 50
Treasurer ...	Ordinary pay plus Treasurer's " " " 50
Head Supervisor ...	Ordinary pay plus allowance of " " 20
Lady Supervisor ...	Ordinary pay plus allowance of " " 20
Seminary Principal ...	Ordinary pay plus allowance of " " 20
Church Supervisor ...	Ordinary pay plus allowance of " " 20
Superintendent of Prach. Tr. School ...	Ordinary pay plus allowance of " " 20
Assistants at Seminary and Prach. Tr. Classes ...	Ordinary pay plus allowance of " " 5

- N. B.—1. Special consideration be made for foreign study and degrees.
2. Application of this scale will be considered after it has been passed by the Mahasabha.
3. Assam Choti Sabha to prepare and submit scale for Assam Field.
4. Board of Management to consider the scale of the Board workers and the Press.
5. C. C. to decide N. B. No. (1).

C. H. HERENZ.

Secretary, G. E. L. Church.

SALARY SCALE

of

THE G. E. L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM, RANCHI.

(Passed by the Full C. C. Meeting d/—2.10.46)

I. TEACHERS

A. PRIMARY SCHOOLS

Qualification	Starting Pay	Increment Amt. Yr.	Maximum
U. P. Untrained	Rs. 7	1/2	12
U. P. Trained	10	1/3	15
M. E., M. V. Untrained	10	1/3	15
M. E., M. V. Trained	12	1/3	18

NOTE :—(i) The Head Pandit of the L. P. School must be a M. E. trained with his scale as above.

(ii) (a) The Head Pandit of the U. P. Vernacular school may be either an M. E. trained with his scale plus Rs. 3 as Head Master's allowance or a V. M. with his own scale.

(b) For U. P. English, the Head Master must be at least a Matric, the scale of an untrained Matric being 25 1 1/2 35

B. M. E. and M. V. SCHOOLS

M. E. Trained	15	1/3	20
Matric Untrained	25	1 1/2	35
Matric Trained, C. T.	30	3/3	50
V. M. C. T. & Non-Matric C. T.	25	1 1/2	35
V. M.	20	1 1/2	30

NOTE :—M. E. & M. V. Head Masters—Rs. 10 and Rs. 5 Head Master's allowance respectively for M. E. and M. V. in addition to this scale.

C. HIGH SCHOOLS

Vernacular Teacher V.M.	20	1 1/2	32
Vern. Teacher V.M. C.T.	25	1 1/2	35
Matric Untrained	25	2/2	40
Matric, Trained	30	2/2	50
Classical Teacher	30	2/2	50
I. A. Untrained	30	2/2	50
I. A. Trained	40	2/2	60
B. A. Untrained (Graduate)	50	3/2	80
B. A. Trained (Graduate)	60	4/2	100
M. A.	65	8/3	120
M. A. Trained	70	8/3	130
NOTE —Head Master Ordinary	100	8/3	150

D. WOMEN TEACHERS

(1) Up to M. E., M. V. Trained, will be the same as that of men teachers.

(2) Matric Untrained	30	2/2	50
Non-Matric Trained	45	4/3	70
Matric Trained	60	3/2	90
I. A. Untrained	70	3/2	100
I. A. Trained	80	7/3	125
M. E. Head Mistress Rs. 10 allowance in addition to the ordinary scale	120	9/3	180
B. A. Untrained	70	3/2	100
B. A. Trained	80	7/3	125
Head Mistress of H. E. School	120	9/3	180

NOTE :—Appointment of Head Masters and Head Mistresses of H. E. Schools be made by promotion as far as possible and the salary will be the above scale plus the increment already given.

II. MENIALS OF SCHOOLS

M. E. or M. V. Schools chaukidars should be able to read and write	7	1/3	12
H. E. School chaukidar should be able to read and write	10	1/3	15

III. HIGH SCHOOL CLERK

Matric Teacher Trained	30	2/2	50
------------------------	----	-----	----

10/- increment
 Study, 50% I
 maxim

1. Non-Matric. Short Course.	50. — 75-
2. Matric Short " " " " " "	60. — 90
3. Non-Matric Seminary	70. — 105-
4. Matric Seminary	80 — 120
5 " L. Th.	
6 I.A. Short	
5. I.A. Seminary	90 — 135-
" L. Th.	
B.A. Short	
6. B.A. L. Th.	100 — 150
I.A.; D.D., B.D.	
7. M.A. Short	110 — 165-
B.A., B.D.	
8. M.A., B.D.	120 — 180
or M.S. Th., B.D.	
9. M.A., B.D., S.T.M.	130 — 195-
10. D.D. or Ph.D., (earned)	140 — 210

S.A. Blackman
 18/6/51

enrich 50%	I	II	III	20%	IV
maxim	15				
75-	75-	183	80	120	100 - 150
90	90	195	90	135	120 - 180
105-	105-	158	100	150	140 - 210
120	120	186	110	165	160 - 240
135-	135-	203	120	180	180 - 270
150	150	225	130	195	200 - 300
165-	165-	248	140	210	220 - 330
180	180	270	150	225	240 - 360
195-	195-	293	160	240	280 - 390
210	210	315	170	255	280 - 420

AGENDA FOR THE CHURCH COUNCIL EXECUTIVE

16-17 th May, 1955.

- ✓ 1. Confirmation of last church council minutes.
- ✓ 2. Review of present situation.
- ✓ 3. Pracharaks' Training school.
- ✓ 4. Tabitha School.
- ✓ 5. Marcha matters.
- ✓ 6. Rev. J. Lakra's letter.
- ✓ 7. Rev. Asirvadam's letter.
- ✓ 8. Surguja matters.
- ✓ 9. Bihar Christian Council delegates.
- ✓ 10. Minutes of the officers' meeting.
- ✓ 11. Letters from Dr. Manikam.
- ✓ 12. Financial situation.
- ✓ 13. ~~C. C. representative on Ranchi Mandli Panch.~~
- ✓ 14. Quarterly statement of finance - January to March, 1955.
- ✓ 15. Any other competent matter.
- ✓ 16. L. H. College.
- ✓ 17. A. N. E. pal's letter.

10

Dear friends in Christ!

Over one century has passed that our forfathers became Christians, Christ's followers. And since 1918 our Gossner Evangelical Lutheran Church became autonomous. More a Church will grow in age, more it becomes necessary to take special care for the women and children in the Church, so that the life in the Christian homes may be fully consecrated to Christ:

1. Christian women who are wives and mothers, girls, who will become wives and mothers, have the special privilege, duty and responsibility to plant that name, which is above all names, the name of Christ, into the hearts of their children. In the Christian mother's hands lies much of the child's bodily and spiritual welfare and education. But this duty she cannot fulfill if she does not ^{know} Christ, revealed in the Word of God.

2. Christian wives whose husbands do not obey the Word of God, should win them for Christ without words, by leading a holy life. This they can only do when they know Christ revealed in the Holy Scriptures.

3. Christian women and girls should not care only for a pure heart, but also for a clean and tidy dwelling. These should keep their bodies clean and their homes tidy and their houses homely. They also should care for proper food. These things need special training.

4. Here with us is the custom that money and wealth of the house and family is trusted into the hands of the women. How necessary it is that they will learn to spend carefully and economically the money entrusted to them, so that they will not only have enough for the family, but also to give for the spreading of the kingdom of God and for maintenance of the congregations and Church. This again needs special training and knowledge of the Word of God.

5. In secular schools there is no place anymore for religious instructions. Therefore Christian mistresses, women and girls must come forward to teach the Word of God in periods outside school hours, or as Sunday-School helpers, or take a leading part in prayer meetings or bible classes among women and children. This again needs special training and study of the Scriptures.

6. In the congregations there is necessity of "deaconesses" - but not of the type of those in Europe or America. That means Girls or widows must be trained who are ready to serve their sisters in the congregations in their bodily and spiritual needs - who also become helpers for the Pastors who are restricted by old manners and customs to help the women in their congregations as their need requires.

These are the needs for healthy Christian life in every Church, so also in the Gossner Church.

For these purposes the Tabita Bible and Basic Training School was established. Since 1950 it is recognised as one of the Central Institutions of the Gossner Church. In January 1955 The Church Council decided to give full stipends for 20 girls or widows who want to become deaconesses. Besides full stipends will be given to 2 experienced mistresses, one experienced deaconess, one bride of a theological student who is at present in Amerika for study and the wife of a former Headmaster who is at present in Germany for theological study. These five ladies will join for one year the "leadership-Class"

for bible study and special training for leadership.

The "Tabita Bible and Basic Training School" is at present in Govindpur. According to the new decisions of the Church Council we have to

1. Enlarge the whole school building, so that we also may be able to start a most necessary work of the Inner Mission: to give home and education for fallen girls and to give a home for little children whose parents are living among ⁿ⁻not-Christians and who therefor are in danger of non-Christian influence. Estimate : 10 000 Rupies.

2. We need a new big kitchen - Estimate 1 000 Rsupies.

3. new furnitures - 500.- Rupies.

4. two new sewing machines - 800 Rupies.

5. one well - 1 000 Rupies

6. one brick-wall around the whole compound - 1 000.- Rupies.

7. we need a school library - 500.- Rupies.

We would be very grateful if you would help us to enlarge and improve this very important work.

Govindpur, 15 th May 1955.

From:

Misses Diller and Schmidt,
Govindpur

To

The President and Secretary of the G.E.L.Church
Ranchi

Dear Sirs!

Dr. Martin Luther says "If to-morrow the world will perish, yet to-day I will plant my apple tree!" In this faith and sense of duty we both also are determined: In spite of the present difficult circumstances we will start in our Lord's name the new course of the Tabita School, beginning of June. Therefore:

1. Please accept all the applications which you received. We propose: Send all the applicants to us beginning of June. After 3 - 4 months we shall request you to come to us and select by a test those girls whom you think fit.

2. Please inform immediately all the applicants that they should come to Govindpur on the 4 th or 5 th June. It prevails an uncertainty about the Tabita School on account of the present state of the Church. Please read in this connection enclosed post-card sent by an applicant.

3. Please select a deaconess in place of deaconess Naemi Samad at Khutitoli, who will join the leadership - class. We propose to try Dharmdasi Lakra, who just passed her deaconess-examination. Her address:

Village Karaigura

P.O. Kinkel - Distr. Ranchi.

4. Please sign the certificates of the five students who have passed their deaconess examination and return the certificates to us. Thank you!

5. According to your request we prepared an appeal to Christian friends in America to send donations for the Tabita School. Please correct, or cut, or add whatever you like. We hope and pray that the appeal will have good response.

6. Enclosed we may send some coloured prospects of the Tabita School for distribution. Please enclose also one in each appeal.

With all good wishes and much prayer for wisdom and guidance in your difficult task

Yours in Him

two sisters

A. Diller R. Schmidt

TO THE MEMBERS OF THE EXECUTIVE COUNCIL OF THE F.E.L.C.

On 12-4-55 the President of the FELC Dr.R.B.Manickam, the Vice-President Rev.E.Raman and Bishop Sandegron met in Madras and discussed certain important items pertaining to the FELC and circulated those items to the other officers of the FELC.

The following items are approved by the officers of the FELC. They are now sent to the members of the Executive Council of the FELC for their approval. Replies from the members should be sent to the Acting Secretary of the FELC within 15 days on receipt of this communication. The following is the address of the Acting Secretary:-

Mr.M.Anantham, B.A., L.T.,
Acting Secretary F.E.L.C.,
Nayudupeta,
Nellore District.

The members of the Executive Council are requested to remember the undersigned in their prayers as he leaves the country for a year's stay in U.S.A.

- I. EAST ASIA LUTHERAN CONFERENCE: Resolved that
1. The East Asia Lutheran Conference be held at Madras on January 19-20, 1956, either at Gurukul, Madras, or at the Adaikalanathar Church, Vepery, Madras.
 2. Those who come from outside India for this Conference be invited to attend the Jubilee celebrations at Tranquebar on January 13-14, 1956 and at Madras on January 15.
 3. During the intervening period (January 16-18) these foreign delegates be divided into small groups of three or four members each, and be invited by Lutheran Churches in India, particularly in South India, to visit their Churches and speak at a number of places, and the Bishop Sandegron be responsible for such assignments to Churches.
 4. That the Tamil Christian Council Jubilee Committee, with Dr. Ruby Manickam as Convener, be responsible for the housing of these foreign delegates while at Madras.
- II. INVITATIONS TO FELC DELEGATES TO ATTEND THE LWF EXECUTIVE COMMITTEE MEETING AT MADRAS IN JANUARY 1956. Resolved.
1. That since the LWF Executive Committee has invited 20 representatives of the FELC to attend their meetings at Madras in January 1956, the following allocations be made:

TELC	3	East Joypore	1
AELC	3	West Joypore	1
GELC	3	Chhindwara	1
Sirhadi (W. Pakistan)	2	Santhal	2
South Andhra	2		
Arct Church	1		
		Total	19.
 - and that the remaining one seat be kept pending.
 2. That the Constituent Churches of the FELC be informed that if among the officers of the FELC they have any of their own members, then these should be elected to represent them.
 3. That these twenty persons will be expected to attend the Jubilee celebrations at Tranquebar, the LWF Executive Committee meetings at Madras and the East Asia Lutheran Conference at Madras and that therefore in choosing delegates to Tranquebar or Madras, these facts should be borne in mind by the Churches concerned.
- III. 12 FELC REPRESENTATIVES TO ATTEND THE NEXT ASSEMBLY OF THE LWF IN AMERICA IN 1957.
- Resolved that this matter be considered by the next FELC Executive Committee meeting.
- IV. FELC DUES TO THE LWF.
- Noted that this matter has been already dealt with.
- V. FOREIGN INVITEES TO JUBILEE CELEBRATIONS.
- Resolved that invitations to Organisations like the IMC and the WCC to send their representatives to the Jubilee celebrations in January, 1956 be issued in the joint names of the President of the Tamil Lutheran Church and the President of the FELC.
- Luthergiri,
Rajahmundry,
28.4.1955.
- Sd. A.N. Gopal.
Secretary, F.E.L.C.

Mem No. 1448-1446/55 dated Ranchi, the 9th May, 1955.
Copy forwarded to all the C.C. members for information.
B.L.9/5/55.

G. E. L. CHURCH
CH. NAGPUR & ASSAM

No. 1418-1446/55.

Rev. J. J. P. Tiza.
President.
G. E. L. Church
Ranch.

Calcutta

Ental - 14.

13-50-55.

Dear Sir,

We have come back safely from Assam and Dooars' tour. Everywhere our work was satisfactory and successful. At Calcutta we visit three places - Barrackpore, this evening, Santagálhhi - tomorrow evening and the Calcutta Church on Sunday. Hope that work here also, will be successful.

We leave Calcutta by 15th evening and hope to reach Raulhi on 16th. I will see you about the Visa and other things in connection with my sailing on 16th afternoon at your residence. I have received letter from our youth

secretary in charge
that I might have to
leave Ranchi soon
after my arrival
for Purulia, Jansahpur
and Chakras. So I
would like to see
you before I leave
Ranchi again for
another tour programme.

Wendell (Bixal)
and myself are doing
well and hope you
and the family to
be the same.
Yours truly,

Sincerely yours,
Nirmal Mitter



नाम Rev. J. J. P. Tiba
पता M.A.B.D.M.S.T.
डाकखाना Gossner Church
जिला Comapound
Ranchi (P.O.)
BIHAR

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No.....1579/53-

Dated the16.....5.....195 5.

Mr. N.Minz B.A; B.D.

Dear Mr. Minz,

Received your Post Card last Saturday. I am afraid I cannot do anything further regarding your going to U.S.A. until your Synod authorities do not change their mind and allow me to do so. As the circumstances are the Church Council of which I am the President cannot do anything either for you or for any other member of the Western Synod or for the Synod as a whole. I am prepared to do my duties all of these but your Synod President has stopped me from doing that.

If, however, at least you as an individual assure me that you recognise the present Church Council as the Executive body of the Mahasabha I shall certainly do all what I must as an Executive officer under the present Church Council.

Yours Sincerely,

J. J. P. Tiga
President.

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

President:—Rev. J. Lakra, M.A., B.D., S.T.M.

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No.....

Dated the **6th. May**.....1955..

Rev. J. J. P. Tiga

Secretary Bethesda High School

As directed by Dr. R. B. Manikam, President,
Federation of Lutheran Churches in India, I ask you to kindly
submit to me a full and upto date report of the Bethesda
Hall money amounting to Rs. 20,000/- only, including the
upto date expenditure and balance, on or before Monday
the 9th May, 1955.

Rev. J. Lakra.

A similar report was
asked for a few weeks back
from the cc. treasurer and
I submitted the same. I would
like to know why mat was
sent.

J. Thijia
2/5/53

[Signature]
President G. E. L. Church
Ranchi.

Dr. R. B. Maintram M.A. B.L. Ph.D. F.R.S.
Rm. R. E. L. C. India

Dear Dr. Maintram,

The following letter was received by me from Rev. J. Laban and I gave a reply to the same. A full account was submitted by the Secy Bethesda L. H. School on and it was expected that the same had been already communicated to you. I am enclosing herewith a copy of the said account. The construction work is going on in full swing and if desired, ~~another~~ ^{subsequent} accounts will be sent to you at intervals.

In future please write to me direct or to the Secretary of the L. E. L. Church. The Church Council is fully acquainted with the matter and the Secy can ~~write~~ ^{write} to you in this connection.

© The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam

Mission Estd. 1845 — Autonomous 1919.

Rev J. J. P. Tiga, M.A., B.D., S.T.M.,

President: — ~~Rev. J. Lakra, M.A., B.D., S.T.M.,~~

G. E. L. CHURCH COMPOUND
RANCHI BIHAR INDIA.

Ref No.....14(1)55,

Dated the ... 7th May,1955 .

To

Dr. R. B. Manickam, D.D.,
President,
F. E. L. C. in India,
'The Refuge'
Royapuram,
MADRAS-13.

Dear Dr. Manickam,

The following letter was received by me from
Rev. J. Lakra and I gave a reply to the same. A full account was
submitted by the Secretary Bethesda Girls High School on 29 ³/₅₅
and it was expected that the same had been already communicated
to you. I am enclosing herewith a copy of the said account. The
construction work is going on in full swing and if desired,
subsequent accounts will be sent to you at intervals.

In future please write to me direct or to the
Secretary of the G. E. L. Church. The Church Council is fully
acquainted in this matter and the Secretary can write to you
in this connection.

Yours sincerely,

J. J. P. Tiga
President,

G. E. L. Church, Ranchi.

B.L.7/5/55.

True copy.

From: - Rev. J. Lakra M.A., B.D., S.T.M.

6th May, 1955.

Rev. J.J.P. Tiga.

Secretary, Bethesda Girls' High School, Ranchi.

As directed by Dr. R.B. Manickam, President, Federation of Lutheran Churches in India, I ask you to kindly submit to me a full and upto date report of the Bethesda Hall money amounting to Rs. 20,000/- only, including the upto date expenditure and balance, on or before Monday the 9th May, 1955.

Sd. J. Lakra,
President G.E.L. Church
Ranchi.

Rev. J. Lakra.

A similar report was asked for a few weeks back through the C.C. Treasurer, and ~~submit~~ I submitted the same. I would like to know why that was not sent.

Sd. J.J.P. Tiga.
6.5.55.

No. 199/53

From:

The Secretary,
Bethesda Girls' High School, Ranchi.

To,

The Asst. Treasurer,
G. E. L. Church, Ranchi.

Dated Ranchi the 29-3-55.

Dear Mr. Here,

In compliance with your verbal request I enclose herewith the up to date A/C of the Bethesda Girls' High School Hall. For vouchers Mr. I. S. Eeka will appear personally and produce them for your purpose.

Yours faithfully.

Sd. J. J. P. Tiga
29.3.55.

Enc:- statement I & V
in 3 sheets.

Statement I.

	Rs.	A.	P
Receipt	Rs.	20,	352-13- 0
Bank Int.		159-	5- 0
Local Contribution		10-	0- 0
Total.....	Rs.	20522 -	2- 0

Statement II

<u>Expenditure</u>	Rs.	A.	P
a. Equipments	156-	3-	9
b. Materials	951-	11-	6
c. Labours	945-	12-	0
d. Advance for Surkhi	110-	0-	0
e. Lime	100-	0-	0
f. Labour	25-	0-	0
G. Mr. Eoka for immediate needs	190-	12-	0
Total	Rs.	2479 -	7- 3

See Voucher.
Statement No. 5-1
Rs. 2053-11-3

Statement III.

Balance on 29.3.1953

Receipt Rs. 20,522-2-0

Expenditure Rs. 2479- 7-3

Balance Rs. 18042-10- 9

Statement IV.

Bank Account

1. Cheanagpur Bank S.B.A/c..... Rs.10,269-5-0.

2. With the Church Council:-

352-13-0

3000- 0-0

2000- 0-0

1000- 0-0

950- 0-0

.....7773-5-9

Rs. 18042-10-9

Total of I & 2.

2479-2-3
10269-5-0
7773-5-9

20522-2-0

3,950

20,522-2-0
159-5-0

20362-13-0
17000-0-0

3362-13-0

Statement No. I.
Expenses.

Date	Equipment.	Material	Labour	Remarks.	V.N.
4/2	10-0-0	-	-	Drawing Check	(1)
21/2	33-0-0	-	-	Metable tape	(2)
23/2	1-11-0	-	-	Register	(3)
"	23-11-6	-	-	Pickaxe	(4)
24/2	..	Rs3-0-0	-	Ceir String	(5)
26/2	..	-	Rs.107-4-0	Labour Payment (1)	
4/3	1-6-6	-	-	Register	(6)
"	16-8-3	-	-	Mortar Pains	(7)
5/3	-	-	143-2-0	Labour Payment (2)	
10/3	65-1-6	-	-	Shovels & Mortar Pains	(8)
11/3	-	1-6-6	-	Wire nails	(9)
"	0-9-0	-	-	Register	(10)
12/3	4-4-0	-	-	Empty tines	(11)
"	-	-	174-4-0	Labour Payment (3)	
16/3	-	244-0-9	-	M.S.Rods	(12)
"	-	1-11-6	-	Scrues	(13)
"	-	2-0-0	-	Transport of Rods	(14)
17/3	-	117-0-0	-	Khowa	(15)
"	-	102-0-0	-	Lime	(16)
"	-	157-4-9	-	Ciment	(17)
"	-	3-12-0	-	Transport of Ciment	(18)
"	-	1-8-0	-	Bamboo	(19)
19/3	-	-	251-4-0	Labour payment (4)	
26/3	-	-	268-14-0	Labour Payment (5)	
28/3	-	216-0-0	-	Khowa	(20)
"	-	102-0-0	-	Lime	(21)

Total.Rs.156/2/9, 951/11/6 945/12/- Total. Rs.2053-11-3.

Copy forwarded to President Rev. Y. Y. P. Tiga

26. 4. 55.

From:

Miss A. Diller

Govindpur

P. O. Jariagarh, Distr. Ranchi

Bihar-India

Dear Mister Horo!

Sorry I could not meet you at the last Mahasabha. But you will understand that under the existing circumstances at the Mahasabha I did not like to increase your burdens.

1. The report of the Tabita School we will send later by registered letter.

2. Regarding applications for the new training course beginning of June we request to collect also those which were sent to Rev. J. Lakra. Rev. Lakra told us - when he came here for the examination - that again three applications had been sent to him.

3. We may remind to kindly select in time 5 experienced mistresses for the new leader course. On their behalf please consider carefully point 4.

4. The budget for Tabita for 1955-1956 was fixed according to our proposal. Thank you! But we miss in the budget the stipends for the 5 experienced mistresses who should join Tabita for one year's bible training. Each of them should get 20.-Rs. - that means 15 Re. for boarding fees etc. and 5.-Rs. pocket money. Do you remember this resolution? This point I wanted to mention in the report of the Tabita School at the Mahasabha. But, as you know there was no chance to do so. So please decide whether 100.-Rs. per month can be added to the budget for Tabita, otherwise we will be unable to admit 5 mistresses for which we would feel very sorry. If you cannot add to the budget 100.-Rs. p.m. please do try to get the money from the Berlin Board.

We pray for guidance, patience, faith, joy and strength for your new great task.

Yours sincerely *two sisters*
J. A. A. Diller

26. 4. 55.

From Miss A. Diller
Govindpur
P. O. Jariagarh, Distr. Ranchi
Bihar-India

Dear President Tiga!

Enclosed copy of the letter to Secretary Mr.N.
Horo regarding Tabita School we may also forward to you for kind consideration and action.

We were very disappointed when you did not come for the final examination of the Tabita School on the 12 th April. But we hope for the next time!

Also for you ,dear President Tiga,we pray that our Lord may help and bless you by all means in your new and difficult task!

Yours very sincerely

two sisters

L. Schmidt. A. Diller

गोस्नर एंवजेलिकल लुथेरान चर्च छोटानागपुर और आसाम ।

चरवाही पत्री

गोस्नर एंवजेलिकल लुथेरान कलीशा के सब अंगों के नाम ।

प्रभु यीशु ख्रिस्त में प्यारे भाइयो और बहनो,

आप सभी को गोस्नर चर्च कौंसिल की ओर से यीशुसहाय ।

आप लोगों को मालूम होवे कि तारीख १८-२२ अप्रैल १९५५ में गोस्नर एंवजेलिकल लुथेरान चर्च की महासभा हुई । इसी महासभा में भलाई के लिये यह फैसला किया गया कि पुरानी चर्च कौंसिल उठा दी जाय । यह भी फैसला हुआ कि पाद्री J. Lakra और श्री Z. Horo क्रमसः प्रेसिडेन्ट और खाजांची पद से हटाये जाएं । महासभा ने पदधारियों का चुनाव नये सिरे से किया जो १९५५-५७ महासभा तक के लिए रहेंगे । वे ये हैं प्रेसिडेन्ट Rev. J. J. P. Tiga, सेक्रेटरी श्री N.E. Horo और खाजांची श्री C.M. Horo.

३१ वीं अक्टोबर तक के लिए एक Ad-interim चर्च कौंसिल बनाई गयी है और उसके लिए निम्न अंग ठहराए गये हैं :—

आसाम सिनोड :	1, Rev. M. Hemrom 2, Sj. G. Kandulna	कोरोँजो सिनोड :	1, Rev. C. B. Aind 2, Sj. J. Dhan
बंगाल सिनोड :	1, Sj. Masihdas Ekka	मानभुम सिनोड :	1, Sj. L. M. Sandil
बुड़जू सिनोड :	1, Rev. H. Topono 2, Sj. I. Topono	नोर्दन सिनोड :	1, Rev. J. Toppo
सी. पी. सिनोड :	1, Sj. C. C. Toppo	ओड़िस्सा सिनोड :	1, Rev. S. M. Bage 2, Rev. C. B. Ekka 3, Sj. N. Kerketta 4, Sj. D. M. Guria
गोबिन्दपुर सिनोड :	1, Rev. S. Surin 2, Sj. P. C. Horo	सिघभुम सिनोड :	1, Rev. M. Topono
हजारोबाघ सिनोड :	1, Rev. N. Bhuinya	टकरमा सिनोड :	1, Rev. J. Kiro 2, Sj. H. Surin
खुटीटोली सिनोड :	1, Sj. Mansidh Topono	वेरटन सिनोड :	1, Sj. Alfred Kindo
किकेल सिनोड :	1, Rev. H. Dungdung 2, Sj. C K. Minz	हेडक्वार्टर कंघीगेशन	1, Rev. S. Kula
		प्रोपर्टी बोर्ड :	1, Mr. P. D. Kandulna

सब सिनोडों से निवेदन है कि अपने अपने सिनोडों से नये प्रतिनिधियों के नाम चुन कर चर्च कौंसिल सेक्रेटरी के पास भेजें । १ली नोवेंबर १९५५ से ये चुने हुए प्रतिनिधि चर्च कौंसिल के अंग रहेंगे ।

चर्च कौंसिल बहुत यत्न के साथ काम कर रही है जिस्तें कलीशा की सब बातें सुचारु रीति से चलें और मण्डली में शांति, पारस्परिक प्रेम बढ़े और पूरी कलीशा को ईश्वर की आशीष होवे ।

प्रभु आप लोगों के साथ रहे ।

आप का विश्वास,

C. M. Horo,
खाजांची ।

N. E. Horo
सेक्रेटरी ।

J. J. P. Tiga,
प्रेसिडेन्ट ।

70

Rev.

आप लोगों को धन्यवाद। आप लोगों को गत महासभा में बताया जा चुका है कि गोस्नर कलीशा कठिनाईयों और दुर्गियों को फैलते हुए आगे बढ़ रही है। सभी की परिस्थिति को आप जानते हैं और अपने २ कर्तव्य से जानकर आवश्यक है इस लिये निम्न बातों को और आप का ध्यान आकर्षित करते हैं।

१) अपने सरहद का मंडली पैसा जुद्धयुक्त किया जाय (१९५४ एवं १९५५ का) मंडलीय आवश्यकता को स्पष्ट रूप से बतावे और समझावे कि कलिया को पूर्णरूप से आत्मपालित बनाने का कार्य हमारे सामने है। बाहर से, दूसरी मंडलियों से, हम सहायता नहीं मिल सकती है जब हम अपने पैर पर खड़ा होना चाहें।

२) अपने २ क्षेत्र के अन्दर मंडली के नाम में कोई गैर-कबूली चन्दा बकौत तहसील न करने पावे।

३) रिपोर्ट मिली है कि कुछ क्षेत्र के लोग मंडली पैसा और अन्य चन्दा तहसील कर पुराने President जो लकड़ा के नाम से भेजने का प्रबन्ध कर रहे हैं। हम यह बताना देना चाहते हैं कि ऐसा करना अनुचित और अनियमित होगा। जितने भी दान, देन या चन्दा कलिया के अन्दर होते हैं, वह प्रभु के नाम में होता है, किसी एक व्यक्ति के नाम में नहीं। ऐसा करना कलिया के प्रबन्ध के विरुद्ध होगा और जो ऐसा काम करेंगे सो कलिया को हानि करेगी। इस लिये मंडलियों में इस विषय पर साष्ट रूप से बताना देना आवश्यक होगा।

४) पाद्री और प्रचारक लोग अपना पोभिउन्ट फंड पहले के अनुसार चर्च को सिल स्वजांची के पास भेजें। अन्य जगह जमा देने से उसपर सूद नहीं दिया जा सकेगा और कौंसिल उसका जवाबदेह नहीं रहेगी।

५) मंडली में अप्रशान्ति फैलाने के लिये विभिन्न प्रकार के पर्चे और चिट्ठियां बांटी जाती हैं, इस बात से मंडली को घबराना नहीं चाहिए। गत महासभा में जातीयता का कोई प्रश्न नहीं था,

न अग्र है। जो जातीयता का डर दिखलाते वे कलीशा में भाषाते फैलाना चाहते हैं। चर्च कौंसिल के झूलते दूसरी संस्था या व्यक्ति द्वारा जो भी पर्चे या विद्दीयं आप लोगों के पास जायगी उसपर ध्यान न दें। समय समय पर ईश्वर कलीशा को मजबूत है और कमजोर व्यक्तियों को हिलाता है। कलीशा संगठित है और एक व्यक्ति संगठन को हड़ नहीं सकता। कलीशा की एकता के लिये प्रार्थना किया जाय।

भ्रमरसोस की बात है कि प्रैनेक लोगनों 22-8-55 को महासभा में बैठे ही नहीं वे गड़बड़ कर रहे हैं वे अपनी कल्पित बातों या सुनी सुनाई बातों के द्वारा हानिकारक बातें फैलाते हैं। कृपा करके इन बातों से बर्चिष्ट।
 2) कलीशा का सम्पूर्ण अधिकार प्रथमतः हां निर्लेखन हमारे प्रभु और चारवाली येशु ख्रीस्त का है जो कलीशा का सिर है। यह अधिकार न किसी मनुष्य को न किसी समाज को दिया गया है।

कलीशा की नियमावली-संगठन के नियम।
 कलीशा में प्रभुगाराकारी होने के कारण बहुत दुःखदायक होती है। 1838 साल ही से महासभा को चर्च कौंसिल के विरुद्ध बर्चिष्टों दखलबन्दी करने बनती रहती है और ये कलीशा का अधिकार चैलेंज किया जाता है और व्यक्ति लोग प्रभु के कलीशा के विरुद्ध मजबूत होने के लिये जातिवत्ता का डरना ले कर दल खड़ा करते हैं। यह अधिकार का साधना करना है।

सबों से निवेदन है कि कलीशा की महासभा को सब कोई माने और उसके साथ सहयोग करें।
 प्रभु की आज्ञाओं सभी को मिले।

प्रभु में आप लोगों का निश्चय

M. N. S.
 PR. SECRET.

L. S. S.
 SEC. TARY, 13/5/55

S. S. Koro.
 TREASURER.

GOSSNER T. T. CAL LUTHERAN CHURCH COUNCIL, P. A. M. C. I.

13/5/55,

B. J.
 D. T.

Budget for 1955-56

The two missionary ladies in charge of the Tabitha school pointed out - a mistake in the present budget and the mistake is this that the scholarship of 5 teachers for leadership class at Rs 20/-/pm. has not been shown. The school needs a sum of Rs 12,000/- ^{for this purpose} Besides, the school is in urgent need of Rs 13,000/- for the repairs of the buildings. Hence there is

In this connection it was pointed out that in order to start the Pracharab's Training school there is the need of Rs 1,500/- for repairs, furniture and library.

Resolved that the Kuratorium be requested to grant a sum of Rs 4,000/- for the following as detailed below:

- | | | |
|----|--------------------------|------------|
| I | Tabitha school - | Rs 25,00/- |
| II | Pracharab's Trg school - | Rs 15,00/- |

Dear Director Lolius,

May I forward to you
the following resolution of passed at
a meeting of the officers of the E. & L.
Church held on the 7th May 1953.
Myself and the Resident had personal
talks with the two missionary ladies
at Goringham on the 1st May, 1953. The
matter may kindly be treated as
very urgent.

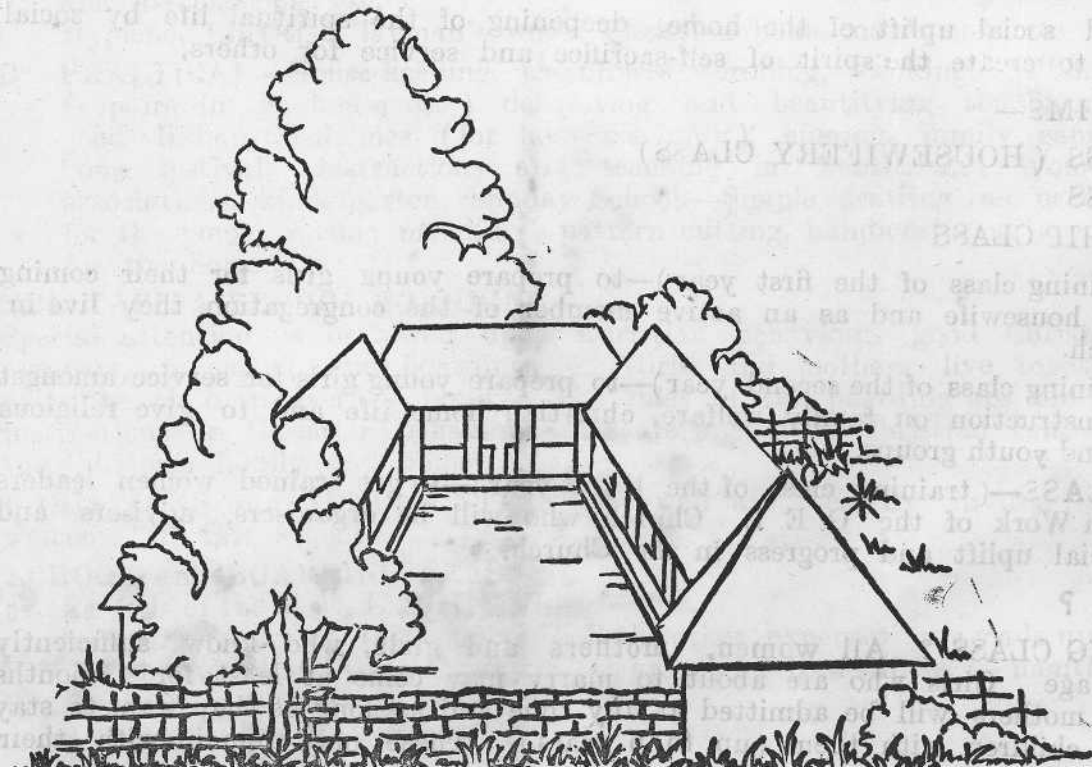
With kindest regards to you
and other members of the Kuratorium,

Yours Very Sincerely

Secretary,

E. & L. Church.

TABITA



**TABITA BIBLE AND HOME-TRAINING-SCHOOL,
GOVINDPUR, DT. RANCHI, P.O. JARIAGARH - INDIA.**

BIBLE AND HOME-TRAINING-SCHOOL'

SCHOOL FOR SERVICE IN FAMILY AND CONGREGATION.

1. **Necessity of this Training.** The Church cannot neglect women and their special task in family and congregation. The life of a congregation depends on the mothers. They are the teachers of the coming generation. This is a great task—but how little are our girls prepared for their motherly task in family and congregation! Therefore the coming mothers and housewives need special training and help and advice for their special task—to create and foster pious christian spirit in home and family, to bring their children to the LORD by good christian education and teaching. They need instructions how to keep their homes clean and tidy, how to work economically for the sound uplift and steady progress of home and family life.
2. **Aim of the TABITA-SCHOOL.**—spiritual and social uplift of the home, deepening of the spiritual life by social and educational work in our congregations, to create the spirit of self-sacrifice and service for others,
3. **The three TRAINING CLASSES and their AIMS—**
 - a. HOUSE KEEPING CLASS (HOUSEWIFERY CLASS)
 - b. CHURCH SERVICE CLASS
 - c. CHRISTIAN LEADERSHIP CLASS

AIM of the HOUSEKEEPING CLASS— training class of the first year)—to prepare young girls for their coming task as a christian pious mother and housewife and as an active member of the congregation they live in. They are layman-workers of the Church.

AIM of the CHURCH SERVICE CLASS—(training class of the second year)—to prepare young girls for service amongst women, girls and children by giving instruction on family welfare, christian home life and to give religious instruction in schools and in women and youth groups.

AIM of the CHRISTIAN LEADERSHIP CLASS—(training class of the third year)—to get trained women leaders for the Women's Work and the Youth Work of the G. E. L. Church who will be organisers, advisers and instructresses for the spiritual and social uplift and progress in the Church.

4. WHO may apply for the different classes ?

a. for the HOUSEKEEPING CLASS ? All women, mothers and girls, who know sufficiently Hindi and who are not under 16 years of age. Girls who are about to marry may come at least for 4 months before their marriage. Married women and mothers will be admitted at any time and as long as they want to stay and learn. Mothers may bring their little children with them (up to 6 years). These may remain with their mothers in the Tabita-School-Boarding.

b. for the CHURCH SERVICE CLASS ? All girls, who are willing to serve the Church as religious and social instructresses for women and girls and children in family, schools and congregation. If they have passed successfully the Housekeeping class, they may continue their studies and training in the Church Service class, Girls under the 9th standard have to learn for 2 years, all above the 9th standard have to learn in this class for 1 year only. After that final examinations will be held. Successfull and faithfull students will get a CERTIFICATE to take up work as a Deaconess.

c. for the **CHRISTIAN LEADERSHIP CLASS** ? ALL girls, who have successfully passed (1) the **HOUSEKEEPING CLASS**, (2) the **CHURCH SERVICE CLASS**, (3) who served at least for one year faithfully in a congregation. After that she may apply for the **LEADERSHIP CLASS** to take up higher training.

5. **SUBJECTS OF INSTRUCTIONS IN THE TABITA-SCHOOL !**

A. **THEORETICAL**—Selected parts of the New and Old Testament, Catechism Church history, pedagogics, methods of teaching, child welfare, family welfare, social welfare, instructions about youth work and the Women's Work in the Church, keeping accounts as it is useful for family and associations, etc.

Hygiene, Christian layman's work, Christian home movements, etc.

B. **PRACTICAL**—House-keeping, cleanliness, ironing, cooking, self-help, (repairs in the house etc.) decorating and beautifying the Home, good Indian medicines (for home use only), singing, family games, home festival, instructions and teaching in Youth and Women-associations, kindergarten, Sunday School—Simple drawing as needed for the home, sewing, mending,—pattern cutting, handicrafts as needed for the home.

6. **THE TABITA SCHOOL BOARDING—**

Special attention is bestowed upon Christian behaviour, good Christian manners, in school and boarding life. Girls and mothers live together with the children as a big family. The rules of the boarding are biblical instructions on Christian behaviour and are meant as Christian rules for the Christian family and home.

7. **CHRISTIANS and NONCHRISTIANS** as well are heartily invited and welcomed in this school

8. **SCHOOL and BOARDING FEES.**

a. for girls of the **G. E. L. CHURCH—**

parents pay Rs. 10/8/- only. (all the other expenses are made up by the School and the C.C. The C.C. grants a stipend of Rs. 5/- monthly)

b. for mothers of the **G. E. L. Church—**

monthly Rs. 15/8/- only

c. for small children—

2-4 years old—Rs. 5/-

5-6 years old—Rs. 7/-

d. for all others, not belonging to the **G. E. L. CHURCH—**

monthly Rs. 20/- only.



THEREFORE WITH JOY SHALL YE DRAW WATER OUT OF THE WELLS OF SALVATION !

IN THE BIBLE IS WRITTEN—

Who can find a virtuous woman? For her price is far above rubies. The heart of her husband doth safely trust in her, so that he shall have no need of spoil. She will do him good and not evil all the days of her life. She girdeth her loins with strength, and strengtheneth her arms. She layeth her hands to the spindle, She stretcheth out her hand to the poor, yea, she reacheth forth her hands to the needy. Strength and honour are her clothing, and she shall rejoice in time to come. She openeth her mouth with wisdom, and in her tongue is the law of kindness. She looketh well to the ways of her household, and eateth not the bread of idleness. Her children arise up and call her blessed; her husband also, and he

praiseth her. Many daughters have done virtuously, but thou excellest them all. Favour is deceitful and beauty is vain, but a woman that feareth the LORD, shall be praised. Give her of the fruit of her hands, and let her own works praise her in the gates.

PROVERBS 31

“.....Let the Word of Christ dwell in you richly in all wisdom, teaching and admonishing one another in PSALMS and HYMNS and spiritual songs, singing with grace in your hearts to the LORD. And whatsoever ye do in work or deed, do all in the name of the LORD JESUS giving thanks to GOD and the Father by him. Be obedient—not with eye-service, as menpleasers, but as the servants of CHRIST, doing the will of GOD from the heart.....”



CENTRAL-INSTITUTION OF THE G. E. L. CHURCH IN CHOTA-NAGPUR AND ASSAM, INDIA.

Kororijo,
The 4th May, 1955.

Dear Rev. Tiga,

Perhaps you have not forgotten the matter we were talking about in the verandah of the Cold hostel, Ranchi, during the period of Mahasabha last. I had been to the lady Principal, Bethesda Training school, Ranchi, and learnt from her that the application of my daughter Letare Dhan has reached to her office. Kindly try to award her both the stipends from Govt. as well as of the C.C.

I am well, Hanna as well as all the members of the family are well. Jisusahay to you all. May God help you in your new sucun.

Yours sincerely,
J. Dhan.

Dhangri nacha
The 1 May 1955

महाशय

भाप को यह जानकर
बड़ी खुशी होगी कि मैंने फस्ट
क्लास का स्ट्रेस्ट फेज कर। मेरा
बिचार अब Theological College
में नाम लिखाना है। कृपाया
कालेज प्रिन्सिपल की ओर से
मुझे शान्ति प्रदान करें

भाप का आशाकारी

Shimon Barla
Dhangri nacha
Birumitrapur
Sundergarh
Orissa



पोस्ट कार्ड

केवल पता

to,



नाम the Principal
पता Lutheran Theological
College Ranchi
Ranchi
डाकखाना
ज़िला Ranchi

Recd
30 Apr. 23.4.55

छोटानागपुर इसाई केन्द्रीय सहयोग बैंक लिमिटेड रांची की

To
Shri. J.J.P. Tiga
Ranchi

सालाना आम सभा १९५५ ई०

नोटिस

छोटानागपुर इसाई केन्द्रीय सहयोग बैंक के अधीनस्थ सहयोग समितियों को विदित हो कि बैंक की सालाना आम सभा तारीख २३ अप्रैल सन् १९५५ ई० रोज शनिवार को २ बजे दिन से बैंक ऑफिस में शुरू होना निश्चित किया गया है।

इस लिये समितियां अपने प्रतिनिधियों को चुन कर आम सभा के कार्यावली में भाग लेने को भेजें। प्रतिनिधियों का नाम नीचे लगे फार्म में शामिल भेजें और उसपर मोहर छाप भी लगा दें नहीं तो बगैर फार्म के किसी के भाग लेने का अधिकार नहीं हो सकता है। ध्यान रहे कि डेलिगेट फार्म और डेलिगेट के चुनाव के सोसाईटी के प्रस्ताव का नकल अगर बैंक ऑफिस में आम सभा होने के तारीख से कम से कम तीन हफ्ता पहले नहीं पहुंचने पर सभा में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा।

कार्य विवरण

- १ सभापति का चुनाव।
- २ गत १९५० साल की आम सभा तारीख १६ वीं जून १९५३ और गैर मामूली आम सभा तारीख १५ दिसम्बर १९५२ ई० को कार्य-वाही को दृढ़ करना।
- ३ डायरेक्टरों का ३४ वां वार्षिक रिपोर्ट पर विचार और बैंक के कामों पर सोच विचार करना।
- ४ ऑडिट रिपोर्ट, आमद खर्च, देना पावना और नफा नुकसान का चिट्ठा सन् १९४६ से ३०-६-५२ और सन् १९५२-५३ और १९५३-५४ पर सोच विचार करना और स्वीकार करना।
- ५ बैंक के कर्जा लेने की हद मोकरर करना।
- ६ बैंक के कर्जे और अमानत पर सूद का हद बांधना जो रजिस्ट्रार साहेब के आदेश के विरुद्ध न हो।
- ७ नए साल के लिये बोर्ड आफ डायरेक्टर्स का चुनाव।
- ८ अन्य कोई विषय।

रांची

तारीख २१ मार्च १९५५ ई०

मौ० जहूर अली

ऑनैररी सेक्रेटरी

नोट:—समितियों से अपील है कि वे अपने डेलिगेटों के मारफत कम से कम मो० ३०) रुपया या इससे ऊपर जहां तक हो जरूर सामिल बैंक भेजें इसलिये कि प्रोभिन्सीयल बैंक की कर्जा वापसी की मांग है। और यह वापस नहीं करने से बैंक को नुकसानी का भय है। रुपया भेजने का जरूर ध्यान रखें ताकीद जानें।

डेलीगेट फार्म

- १ समिति का नाम वो मोहर छाप:—
- २ डेलीगेट का नाम:—
- ३ डेलीगेट का सही:—
- ४ समिति के सेक्रेटरी का सही:—
- ५ डेलीगेट चुनाव के समिति के प्रस्ताव का हवाला और उसका नकल



22nd April — 80 delegates out of 113
 CP Number 1542
 = 17 out of 27 77

छोटानागपुर एवं आसामस्थ गोस्सनर एवंजेलिकल लूथेरान कलीशा

की
 राँची में होनेवाली १९५५ की द्वयवर्षीय महासभा
 एवं चर्च कौंसिल बैठकी
 का
 कार्यक्रम ।

मंगलवार	१२ अप्रैल ५५	संध्या तक कौंसिल सदस्यों का आगमन ।
बुधवार	१३	पूर्ण कौंसिल की बैठकी । पहली बेला ८-११ बजे
बृहस्पतिवार	१४	दूसरी बेला २-३०-४-३० बजे
शुक्रवार	१५	कलीशा मिनिस्ट्रियम की बैठकी
शनिवार	१६	कौंसिल-मिनिस्ट्रियम सम्मिलित बैठकी
महासभा प्रतिनिधियों के लिये तैयारी आराधना राँची खूस्त गिरजे में		
जहाँ सर्वसाधारण भाई-बहन भी शामिल हों ।		
चलानेवाला—पाद्री हबिल तोपनो		समय शाम—६-३० बजे ।
रविवार	१७	सुबह ६ बजे आराधना—
उपदेश—		पाद्री एस० कुला ।
पदाभिषेक अनुष्ठान—		पाद्री मनसिद्ध हेमरोम ।
सहायक—		प्रेसिडेन्ट जे. लकड़ा ।
सा २-३० बजे प्रभुभोज अनुष्ठान—		पाद्री जे. जे. पी. तीगा ।
सहायक—		पाद्री मनसिद्ध हेमरोम ।
सा २-३० बजे प्रभुभोज अनुष्ठान—		पाद्री मनसिद्ध हेमरोम ।
सहायक—		पाद्री मसोहदास लकड़ा ।
		पाद्री जुनस किंडो: अथवा
		धर्मदास टोप्पो ।

महासभा

१८-४-१९५५—२०-४-१९५५

प्रति दिन सुबह ७-३० बजे से ११ बजे तथा दूसरी बेला २-३० बजे से ५-३० बजे तक महासभा का कार्यक्रम रहेगा । ७-३० से ८ बजे तक उपासना होगी । ता १६ और २० अप्रैल को क्रमशः पा० बिलोकन एका और पा० जुनुल तोपनो सुबह का आराधना लेंगे ।

कार्यक्रम :—

- प्रेसिडेन्ट का विशेष उपदेश ।
- प्रतिनिधियों और विजिटरों का स्वागत एवं परलोकगत अंगों के प्रति समदुःख प्रकाश — प्रेसिडेन्ट ।
- प्रतिनिधियों एवं विजिटरों की हाजरी व नामदर्ज सेक्रेटरी ।
- विभिन्न संस्थाओं एवं व्यक्तियों का समाचार सेक्रेटरी ।
- महासभा कार्यविवरण के लिये लेखक एवं कमिटियों का निर्वाचन
 (क) रेकार्डिंग सेक्रेटेरियों का निर्वाचन । (ख) एडजुडिकेशन कमिटि का निर्वाचन ।
 (ग) रिजोल्यूशन कमिटि का निर्वाचन ।
- चर्च कौंसिल का रिपोर्ट (सब एकजिब्यूटिव अफसरों का सम्मिलित रिपोर्ट):—
 (क) चर्च कौंसिल का रिपोर्ट
 (ख) नियमावली सुधार प्रस्ताव और संकल्प
 (ग) एबेनेजर चर्च के साथ जी० ई० एल० चर्च का जोइन्ट
 कांफरेंस का रिपोर्ट
 (घ) वजट १९५५ और १९५६

सेक्रेटरी

खजौंची

७ राज्य वृद्धि का रिपोर्ट:—

(क) जोइन्ट मिशन क्षेत्र

जोइन्ट मिशन सेक्रेटेरी

(ख) सुरगुजा क्षेत्र

सुरगुजा बोर्ड में कलिशा प्रतिनिधि

८ बोर्ड ऑफ प्रोपर्टी का रिपोर्ट:—

(क) जयदाद संबंधी

बोर्ड सेक्रेटेरी

(ख) जी० ई० एल० चर्च प्रेस

प्रेस सुपरिन्टेन्डेन्ट ।

९ लूथेरान थेओलोजिकल कॉलेज का रिपोर्ट:—

प्रिंसिपल

१० तबीता स्कूल का रिपोर्ट:—

मिस्स डिल्लर

११ स्कूलों (हाई, मिडिल और प्राईमरी स्कूल) का रिपोर्ट:—

हेड सुपरवइजर

१२ चिकित्सा विभाग का रिपोर्ट:—

सेक्रेटेरी

१३ महिला सम्मेलन का रिपोर्ट:—

महिला सेक्रेटेरी

१४ युवा-संघ का रिपोर्ट:—

युवा-संघ सेक्रेटेरी

१५ आलोचक कमिटी का शिफारिस:—

सेक्रेटेरी

१६ अंतिम उपदेश और प्रार्थना:—

प्रेसिडेन्ट

नोट—(क) महासभा प्रतिनिधियों को १७ ता: (रविवार) शाम तक पहुंच जाना चाहिये। स्टोश हॉस्टेल में प्रतिनिधियों के हर प्रकार की सूचना के लिये दफ्तर रहेगा। इस दफ्तर में श्री मसकल्यान होरो से सभी सूचना आप ले सकते हैं।

(ख) कई एक सिनदों ने ४० रु० डेलिगेटस फीस न दे सकने की असमर्थता प्रगट की है। इसलिये यह हिदायत दी जाती है कि हर सिनद के प्रतिनिधि अपने अपने खर्च से महासभा आवें।

(ग) जो प्रतिनिधि या विजिटर मेस में खाना चाहते हैं उनके लिये मेस का प्रबन्ध होगा अतः जो मेस में खाना चाहते हैं वे अपना नाम और मेस चार्ज श्री प्रभुदयाल बागे कौंसिल आफिस को अगोतर दें। प्रतिनिधिगण ५ दिन का खर्च प्रतिदिन १।। के हिसाब से ७।। रु० ले कर आवे। (१७ और २१ ता: आधा आधा बेला, १८, १९ और २० पूरा दिन)।

(घ) जो प्रतिनिधि यह चाहते हैं कि उन के लिये डेरा का बन्दोबस्त हो, वे अपना नाम शीघ्र श्री मसकल्यान होरो, कौंसिल आफिस को दें।

(ङ) जहां तक बन पड़ प्रांतानांघ अपना थाली, कटोरा, गिलास आदि लेकर आवें।

(च) डेलिगेट या विजिटर अपने साथ कागज-पेंसिल, कलिशा नियमावली गत महासभा मिनिट लेकर आवें।

(छ) हर सिनद का रिपोर्ट, संस्थाओं का रिपोर्ट, १९५३ एवं १९५४ का आमद-खर्च का व्योरा तथा सिनदों का १९५५ बजट कौंसिल सेक्रेटेरी के पास ४ अप्रैल तक पहुंच जाना चाहिये।

(ज) हर एक सिनद प्रेसिडेन्ट अपने सिनोद के अन्दर जो पाद्री, प्रचारक, माष्टर, प्रचीन वा साधारण भाई-बहन जो मंडली में विशेष काम किये हों और जो बीते दो वर्षों में परलोक-वासी हुए हों उनका संचित रिपोर्ट कौंसिल सेक्रेटेरी को ४ अप्रैल तक में भेज दें।

(झ) जो विजिटर महासभा में बैठना चाहते हों वे अपना नाम अपने सिनोद प्रेसिडेन्ट और सेक्रेटेरी की सही के साथ कौंसिल सेक्रेटेरी को १७ अप्रैल तक भेज दें। हेडक्वार्टर के विजिटर हेडक्वार्टर चेयरमेन और सेक्रेटेरी की सही के साथ अपना नाम उक्त तारिख तक दे दें।

मेस का समय ॥

सुबह की चाय...	...	...	...	...	६ बजे।
कलेवा ...	...	...	...	...	११-३० बजे।
साम चाय ...	...	...	...	...	४ बजे।
वियारी ...	...	...	...	...	८ बजे।

एन० ई० होरो

सेक्रेटेरी।

जी० ई० एल० चर्च, रांची।

Program
Tanya of Refuse
M. Hoo.

Kandarp. H.E. School
Packed. P.O.

Dr. Ramelw.

12-4-1953.

My dear Rev. J. P. Tiga.

The Thursday — 1-3 April
1953. — Rev. J. Lakra & Rev. Halil
Topmo. Came to Takasma with view
to know my opinion regarding my
salaries & prob.

In this connection I have
been informed by some. That there are
certain people who say before Rev.
J. Lakra & Rev. Halil Topmo that the
order of excommunication against me has
not been withdrawn. Some deposited
to them that coming before the altar
is to confess one's own guilt. Such
are the chains of ideas — gathered by
those two gentlemen.

I do not know what exact-
ly had happened before those two gentle-
men. in the meeting of 4-4-1953. These are
hearsay.

Please see, that right thing he told in the
Council meeting. I trust and hope that
you will try to do what is right and just
and for the benefit of the Church & of myself.

Yours Sincerely

E. A. Stearn

Park St. H.E.
School

Amos

It is God and with his grace we shall
soon see the fruit of his work in
our hearts. I am sure you will
be able to do much good in the
world if you only have the grace of
God.

Yours truly

Wm. L. G.

Wm. L. G.

Wm. L. G.

Wm. L. G.

Rev.
J. J. P. Tign
Principal
B. D. College
Theological
Ranch

No. 1344-51/55

All Executive members of

the Church Council of the G.E.L.Church in Chotanagpur
and Assam.

The next Executive meeting of the G.E.L.Church Council is tentatively fixed for 16th and 17th May, 1955. The meeting will start on 16th from 3 P.M.

The cost of convening this meeting roughly comes to Rs.100/-. The Treasurer has at present no money, but the meeting is essential. If by 12th May, 1955 the Treasurer does not get any money this meeting will have to be cancelled, unless the members express in writing that they are prepared to meet their expenses for the present which will be paid to them as soon as funds are available.

W. S. 415
Secretary,

G.E.L.Church, Ranchi.

B.L.4/5/55.

Rev. J. P. Tyagi, President

Tipkapani,
5.5.55,

My Dear Biranim,

श्रीशु सहाय ।

हम सब परिवार प्रच्छे हैं, आशा है पिता परमेश्वर आप सबों को भी कुशल मंगल रखा होगा ।

जब से घर आया हूँ ! बाहर के दुनिया की हाबत से अनजान हूँ । आप से एक बात की अर्जी है कि यदि हो सके तब बाबा के साथ आप भी इस जंगल के मंगल दर्शनार्थ आ जाने की कृपा कीजियेगा । हो सके तो 'जंगल का अन्त' पुस्तक भी दो चार लेते आनें । मक्का टोली के पास लोग लाने के लिये आये रहेंगे ।

Yours Sincerely,

L. Ekka.

To,

The Principal,
L. Th. College Ranchi.
Dear Sir,

Hereby you are reminded again to come for the Kondra Glaka Bible Class, which is going to be held from 16th of May 55 evening up to 18th of May 55. You are requested to reach on 16th. We shall be at Majhatoly to receive you.

We thanks,

Yours Sincerely,

L. Ekka.

President,

Masiti Sewak Samaj.

Kondra Glaka.

To

The Secretary G. E. L. Church,

Dear Sir,

I acknowledge receipt of your order to go to Khutitoli having given charge of the Marcha High School to M. M. Horo to-day. I beg to submit that I have discussed about my difficulties with Rev. Tiga. I assure you that the day my difficulties are solved I am prepared to hand over charge and to proceed to Khutitoli.

Yours sincerely
J. Kemron.

18.4.58

CHENGAVILLA
PARASSALA
TRAVANCORE
14-4-55

Dear Principal

Thank you for your
kind letter.

The Research Committee
of St Leonard College decided
to grant a scholarship to
my wife Joy Gamaliel to
help her attend your college.
We plan to arrive there
by the end of June.

I reached home

this evening and want to
work on my thesis soon.

I look ahead to a
beneficial time there at
Ranchi.

Once again I thank
you for agreeing to let
my wife attend your college.

Yours sincerely
J.C. Gou

अन्तर्देशीय पत्र

इस पत्र के अन्दर कुछ न रहिये

POSTAGE



Rev. J. P. P. Tiga M.A.B.D., M.S.T.
Lutheran Theological College
RANCHI
BIHAR.

पहला मोहर

दूसरा मोहर

भेजने वाले का नाम और पता :-

J. C. Gaudin
Chengavilla
PARASSALA
TRAVANCORE



पत्रों को इस प्रकार लिखें :-

गोस्नर कलोशिया युवा-संघ दौरा का समर्पण आराधना ।

रांची ख्रिस्त गिरजा, १८-४-५५ सोमवार ६ बजे शाम ।

१ अगुवों तथा सदस्यों का प्रवेश । (मण्डली खड़ी रहे) ।

गीत — उठो यीशु के लिये, हे क्रुश के योद्धाओ
राज्य भरंडा करो ऊंचा, हानि न होने दो
जय पर वह जय प्राप्त करके, सेना चलावेगा
जब तक कि हर एक शत्रु, अधीन न होवेगा

२ मण्डली बैठे — साक्षीवाणी १६६

३ मण्डली उठे — (अगुवा) पाद्री निकोदिम भुँईया ।

अगुवा — उनके पांव क्याही सोहते हैं जो अच्छी बातों का सुसमाचार
सुनाते हैं ।

मण्डली — हे प्रभु मुझे तथा सारी मण्डली को अच्छी बातों का सुसमाचार
सुनाने वाला बना ।

अगुवा — मैं किसे भेजूं और हमारी ओर से कौन जायगा ?

मण्डली — हे प्रभु मैं यहाँ हूँ, मुझे भेज ।

अगुवा — पके खेत तैयार हैं, पर बनिहार थोड़े हैं । खेत के मालिक से बिन्ती
करो कि वह खेत काटने को मजदूर भेज दे ।

मण्डली — हे खेत के स्वामी, मुझे बनिहार बना कर खेत काटने को भेज ।

४ प्रार्थना — जुनाथान होरो, (इसके बाद मण्डली बैठ जाय) ।

५ भजन — यीशु बिना कोई न, तारणहारा २

१ यीशु ही जगत का सृजन हारा । ४ यीशु ही जगत को जीवन देने हारा ।

२ यीशु ही जगत का पालने हारा । ५ यीशु ही जगत को शांति देने हारा ।

३ यीशु ही जगत उद्धार करने हारा । ६ यीशु ही पापों का मोचने हारा ।

६ बचन पढ़ना — लूक १०: १-१६ कुमारी दोरोथी सोय ।

७ उपदेश — निर्मल मिंज ।

८ साक्षी वाणी १००

९ Send off — समर्पण पाद्री जे० लकड़ा ।

१० मण्डली उठे — प्रार्थना, डाक्टर पी० तोपनो (सब गाँव साक्षीवाणी १५५) ।

११ आशीष — पाद्री एस० कुला

यीशु — सहाय

गोस्नर चर्च प्रेस, रांची ।

Wherewithal Shall a youngman
thereto according.



Cleanse his Way ? By taking heed
to thy word. Psalms 119, 9.

GOSSNER CHURCH YOUTH ORGANISATION

CHOTA NAGPUR & ASSAM

President—Shri N. MINZ.

Sect.—Shri P. BAGE.

Treasurer—Kumari J. MUNDU.

Vice-Pres.—Shri C. A. TIRKEY.

Joint Sect.—Kumari H. GURIA.

RANCHI

Memo No.

The 195

To, The Rev. J. J. P. Tigge

Principal
Luther. Theological College Ranchi.

Dear Sir, you are requested to kindly speak on
the W.C.C. Evangston, with the projector, on 28th
May 1955, at the Gossner Church youth conference
at Raygangpur (Orissa).

Thanking you,

L. J. P.

C. A. Tirkey

BY AIR MAIL
PAR AVION



Dr. J.J.P. Tiga,

Lutheran Theological College,

Ranchi, Bihar, India.

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION

17, route de Malagnou
GENEVA SWITZERLAND



Mod. dép. No. 65 262

THE LUTHERAN WORLD FEDERATION

Executive Secretary: Dr. Carl E. Lund-Quist

DEPARTMENT OF THEOLOGY

Director: Teol. Dr. Vilmos Vajta

GENEVA, Route de Malignou 17
Telephone 6 71 30 (36 71 30)
Cable: LUTHERWORLD - GENEVA

April 14, 1955.

Dr. J.J.P. Tiga,
Lutheran Theological College,
Ranchi, Bihar, India:

Dear Dr. Tiga:

I simply want to give you a short report on the scholarship application of Mr. Saban Surin. We have received from you the recommendations and the minutes of your church meeting. On December 14th we mailed to Mr. Surin the necessary application forms. We have never heard from him again. Since his application is not complete, it would be against our rules to consider him for scholarship.

We have, however, tried to investigate whether a scholarship to Mr. Surin would not be in line with the policy of our scholarship program. Mr. Surin has been in Europe for three years under the auspices of the Gossner Mission. We feel that another person should be given the opportunity of coming from India and making further studies. We have come to this conclusion although we did not see any recommendations from the present professors of Mr. Surin. It may be that such recommendations would give us some possibility of reconsidering this matter. However, I hope to have your understanding for the viewpoints expressed by our committee.

I want to express to you my best personal greetings.

Very sincerely yours,

Vilmos Vajta

Vilmos Vajta

VV:am

cc: Mr. Saban Surin, Berlin-Friedenau, Handjerystrasse 19/20.

To

the principal;
L. Th. college
Ranchi.

Sir,

Most humbly and respectfully, I beg to state that, due to some reasonable causes, I would like to discontinue my L. Th. college as a regular student and I would like to remain as an external student. The domestic affairs compel me to forward this petition under the decision of the Seminary authority.

I request you to be kind enough to grant my petition.

yours faithful
Pupil

B. Tigga

20/4/56

Received
B. Tigga
20/4/56

40
The Secretary, President,
Treasurer and Members of
The G. F. L. Church Council
Ranchi

महाशय:-

मुझे गरीब लाचार बिधवा श्री मांग पेश हो चुका है ~~मुझे~~
हैतः ७.४.५३ को, जिस का एक पत्र समापति तथा एक पत्र खजची को
अर्पित है। जिस के अनुसार मुझे बाबू लौरेंत्यूस से २५) रु प्राप्त है। फिर
भी १३२) रु. मुझे उन से पाना है। जिस का न्याय फिर से आप
से चाहती हूँ।

दूसरी बात जो मैं आप के पास नम्र विनय पेश करती हूँ,
आप वहुतों को कुछ बहुत बात मालूम ही होगी सो ये है:-

(क) जिस कमरे में मैं रहती थी उस को लपने बेटे को जिम्मेदार
टाटा चली गई। (ख) मेरा बेटा कुछ दिन रहकर उस को बन्द
कर कहीं दूसरे जगह रहने लगा।

मैं जानना चाहती हूँ कि:- (१) ताता जीव दरवाजा क्यों
तोड़ा और खोल दिया? (२) किस हक से हाविल ने ताता तोड़ा?
(३) सलोमी तथा उस की बेटे को मेरे कपड़ों पर क्या हक है?
कि वे उन का इस्तेमाल करें? (४) किस अधिकार से दुबारी
मेरे उस कमरे में पैठ गई? (५) जब झाड़ू वाली को रखना ही था
तो मुझे को इस की खबर क्यों नहीं दी गई? कि मैं लाकर अपनी
चीजों को हटा लेती? (६) क्या ये सैन्धवाजी जीव खरी नहीं है?

तीसरी:- आप सभी की मालूम है कि कोठरी
बढ़ाई गई है, तथा हाविल उस काम की सुरुआत में ही
किफायत है, तथा हाविल की खुद मालूम है कि उस में निष्ठा
२०) रु खर्च हुआ है। मतः मेरी नम्र विनय आप से है कि
ये सारी खर्च यात्रे २१२) रु तथा मेरी सब चीजों की लौटाव
और जिम्मा देने की कृपा करेंगे। तथा मेरी सब लज्जियों
का न्याय करेंगे। और मेरा उपकार करेंगे। इन सब भले
कामों के लिए मैं सदा धन्यवादित होगी। होऊंगी।

Copy forwarded to the
President. etc.
& Members - etc.
for necessary action
&
information
17/4/53

आप की विन्यास

शरानी खलखली (झाड़ू वाली)
बाबू लौरेंत्यूस हस्ततल कामपेश

VIA AIR MAIL
MIT LUFTPOST
PAR AVION



Rev.
J.P.Tiga, Principal,
theological college,

G.E.L. Church R a n c h i,
District R a n c h i.
B i h a r I n d i a.

Saban Surin, Berlin-Friedenau,
Handjerystr 19/20-Germany.-



My dear Rev Tiga. Many thanks for your kind letter .
I was glad to hear from you. I wish you many health
for your work in the Gossner Church.
God give you many hope in Jesus Christ.

Your Karl Hensel.

Karl Hensel.

From Saban Surin, Berlin-Friedenau,
Handjerystr 19/20,

the 13.4. 1955.

To
Rev J.P.Tiga,
B.D. S.T.M. (Principal)
theological college Ranchi.
G.E.L. Church Ranchi.
District Ranchi.
Bihar India.

My dear Tiga,

many thanks for your kind service, which you have done or rendered in favour of my study and scholarship in Amerika. I am already in receipt of such papers from the Ranchi office. But, I am very sorry, that I could not act further because of the fact, that it was not vivid and clear from both sides-our Gossner Church and the Gossner Mission in Germany.

Well, I put this matter before Dr Lokies for the consideration. Dr Lokies did not give the final decision and forwarded this matter to the Church Council Ranchi. However he says, that the Gossner Church is going to send you for B.D.S.T.M. Degree, but the same Degree can be achieved here without exchanging of the German University, for there is some provisions for the foreigners, in which some special facilities and advantages are made, in order to acquire such Degree. He wants, that my study should not be disturbed by this and that way, but should be regular in a German way and method. However the final decision lies in the hand of our Gossner Church. I am willing to do every thing according to the wish and the desire of our Gossner Church and the Gossner Mission.

Now, I am going to keep contact with the American university for my S.T.M. course. However we thought of our Degree, but that will be solved without any problem as Dr Lokies has promised to do so.

According to the decision of the officer's meeting in Ranchi, we are very glad to know, that there is a rush of Students in Ranchi theological college. It means, that there is much improvement or the seminary is now in growing stage.

Let us hope that all the branches of the Church will be run in co-operation and in the spirit of Brotherhood and in the love of our Lord Jesus Christ. May God give you strength for this task.

Yours brotherly

Saban Surin

1955

Luther Theological Seminary
Como Avenue and Luther Place
St. Paul 8, Minnesota
April 4, 1955

My dear Pastor Tiga:

I am overjoyed to find that now the necessary documents for the entrance of Mr. Minz to our Seminary have been completed and they were sent to you about three days ago. I hope that we have completed all of the papers needed. If not, please let me know very soon, for I shall take personal charge of it.

Perhaps you know that we now have a new president, Dr. A. N. Rogness, who entered into his duties the first of this semester.

I meet Mr. Tete very often. He was in my office a few days ago. He has given a good account of himself. Right now we are in the midst of our Easter vacation. Mr. Tete will be studying in the library for four or five days, and then go out to a congregation in the country for several days. We give him many opportunities like this to see the rural church work, as well as the urban. We are also attempting to gather books for him and for your library at Ranchi. Do you use German books at all? We have a number of exegetical books in German which are in our duplicate sets in the library. I cannot promise very many, but once in a while books do come in like that from pastor's libraries.

Just these few words to you today in order that you might know that we are very happy about Mr. Tete and look forward to Mr. Minz. We are also interested in the future of your school and plans. Mr. Tete has enlarged our vision a great deal in regard to the work in your mission. I read a very fine article by Mr. Minz in the "Gospel Witness", which told me very much about the youth program. I think I mentioned before that we are arranging for Mr. Tete to take Hebrew during this summer. This course lasts about eight weeks. During that time he can pass the examinations for the Hebrew Exegesis classes.

May the Lord richly bless all your plans, and may He grant you joy.

With my personal greetings and best wishes.

Cordially in Christ,

A. S. Burgess.

P.S. Two copies of a letter which you received concerning Mr. Minz were sent to the American Consulate in Calcutta.

P.S.²

There is a possibility that I shall visit Sumatra & Japan this summer. If possible I hope to visit your school. This is my hope. It is not certain yet. I will know about May 1st. This would be a great experience for me. A.S.B.

You from the Lutheran World Convention
I will meet in Minneapolis in 1957
Come and see us again — Welcome!

Handwritten notes on the left side of the envelope, including "Burgess" and "A. S. Burgess".

A. S. Burgess
 1481 Fulham Street
 St. Paul 8, Minnesota
 USA



**AIR LETTER
 AÉROGRAMME**

**VIA AIR MAIL
 PAR AVION**

Rev. J.J.P. Tigr, Principal
 Lutheran Theological College
 Ranchi, Bihar
 INDIA

MESSAGE MUST APPEAR ON INNER SIDE ONLY
 NO TAPE OR STICKER MAY BE ATTACHED

IF ANYTHING IS ENCLOSED, THIS LETTER
 WILL BE SENT BY ORDINARY MAIL



FIRST FOLD

SECOND FOLD

Handwritten notes on the right side of the envelope, including "Burgess" and "A. S. Burgess".

खजांची
Finance Cell
on 11/10/21

७ राज्य वृद्धि का रिपोर्ट:—

(क) जोइन्ट मिशन क्षेत्र

(ख) सुरगुजा क्षेत्र

८ बोर्ड ऑफ प्रोपर्टी का रिपोर्ट:—

(क) जयदाद संबधी

(ख) जी० ई० एल० चर्च प्रेस

९ लूथेरान थेओलोजिकल कॉलेज का रिपोर्ट:—

१० तबीता स्कूल का रिपोर्ट:—

११ स्कूलों (हाई, मिडिल और प्राईमरी स्कूल) का रिपोर्ट:—

१२ चिकित्सा विभाग का रिपोर्ट:—

१३ महिला सम्मेलन का रिपोर्ट:—

१४ युवा-संघ का रिपोर्ट:—

१५ आलोचक कमिटी का शिफारिस:—

१६ अंतिम उपदेश और प्रार्थना:—

जोइन्ट मिशन सेक्रेटरी

सुरगुजा बोर्ड में कलिशा प्रतिनिधि

बोर्ड सेक्रेटरी

प्रेस सुपरिन्टेन्डेन्ट ।

प्रिंसिपल

मिस्स डिल्लर

हेड सुपरवाइजर

सेक्रेटरी

महिला सेक्रेटरी

युवा-संघ सेक्रेटरी

सेक्रेटरी

प्रेसिडेन्ट

नोट—(क) महासभा प्रतिनिधियों को १७ ता: (रविवार) शाम तक पहुंच जाना चाहिये। स्तोश हॉस्टेल में प्रतिनिधियों के हर प्रकार की सूचना के लिये दफ्तर रहेगा। इस दफ्तर में श्री मसकल्यान होरो से सभी सूचना आप ले सकते हैं।

(ख) कई एक सिनदों ने ४०) रु० डेलिगेटस फीस न दे सकने की असमर्थता प्रगट की है। इसलिये यह हिदायत दी जाती है कि हर सिनद के प्रतिनिधि अपने अपने खर्च से महासभा आवें।

(ग) जो प्रतिनिधि या विजिटर मेस में खाना चाहते हैं उनके लिये मेस का प्रबन्ध होगा अतः जो मेस में खाना चाहते हैं वे अपना नाम और मेस चार्ज श्री प्रभुदयाल बागे कौंसिल आफिस को अगोतर दें। प्रतिनिधिगण ५ दिन का खर्च प्रतिदिन १।। के हिसाब से ७।। रु० ले कर आवे। (१७ और २१ ता: आधा आधा बेला, १८, १९ और २० पूरा दिन)।

(घ) जो प्रतिनिधि यह चाहते हैं कि उन के लिये डेरा का बन्दोबस्त हो, वे अपना नाम शीघ्र श्री मसकल्यान होरो, कौंसिल आफिस को दें।

(ङ) जहां तक बन पड़े प्रतिनिधि अपना थाली, कटोरा, गिलास आदि लेकर आवें।

(च) डेलिगेट या विजिटर अपने साथ कागज-पेंसिल, कलिशा नियमावली गत महासभा मिनट लेकर आवें।

(छ) हर सिनद का रिपोर्ट, संस्थाओं का रिपोर्ट, १६५३ एवं १६४ का आमद-खर्च का व्योरा तथा सिनदों का १६५५ बजट कौंसिल सेक्रेटरी के पास ४ अप्रैल तक पहुंच जाना चाहिये।

(ज) हर एक सिनद प्रेसिडेन्ट अपने सिनोद के अन्दर जो पाद्री, प्रचारक, माष्टर, प्रचीन वा साधारण भाई-बहन जो मंडली में विशेष काम किये हों और जो बीते दो वर्षों में परलोक-वासी हुए हों उनका संक्षिप्त रिपोर्ट कौंसिल सेक्रेटरी को ४ अप्रैल तक में भेज दें।

(झ) जो विजिटर महासभा में बैठना चाहते हों वे अपना नाम अपने सिनोद प्रेसिडेन्ट और सेक्रेटरी की सही के साथ कौंसिल सेक्रेटरी को १७ अप्रैल तक भेज दें। हेडक्वार्टर के विजिटर हेडक्वार्टर चेयरमेन और सेक्रेटरी की सही के साथ अपना नाम उक्त तारीख तक दे दें।

मेस का समय ॥

सुबह की चाय...	...	...	...	६ बजे।
कलेवा ...	...	...	...	११-३० बजे।
साम चाय ...	...	...	...	४ बजे।
वियारी ...	...	...	...	८ बजे।

एन० ई० होरो

सेक्रेटरी।

जी० ई० एल० चर्च, रांची।

GOSSNER EVANGELICAL LUTHERAN CHURCH

IN
CHOTANAGPUR AND ASSAM, RANCHI (BIHAR).

DETAILS OF BUDGET FOR 1955 and 1956.

Deficit.

1. Establishment.

President.....	Rs. 350/- p.m.	
Secretary.....	200/-	
Treasurer.....	200/-	
4 clerks & 1		
peon.....	232/8/-	
	982-8-0	x 12.
		11,790-0-0.
	11,790-0-0.	

2. Dearness Allowance

4 clerks & 1 doctor	Rs. 50-0-0.	
1 peon.....	8-0-0	
1 Sweeper.....	6-0-0	
	64-0-0	x 12.
		768-0-0.
	768-0-0	

3. Ministry.

Principal.....	250-0-0	
Assistant.....	95-0-0	
3 stipends @		
Rs. 19/-.....	95-0-0	
19 " @ Rs. 20/-.....	380-0-0	
2 " @ Rs. 25/-.....	50-0-0	
Office Assistant.....	20-0-0	
Contingencies.....	10-0-0.	
	900-0-0.	x 12.
		10,800-0-0
Library.....	500-0-0	
Bk grant &		
Exams fee.....	305-0-0	
	11,605-0-0	
		11,605-0-0.

4. Evangelistic Work Grants.

C.P. Synod & Udaipur.....	Rs. 284-0-0 p.m.	
Khuria Parish.....	132-0-0	
Western Synod.....	35-0-0	
Kinkal Synod.....	19-0-0	
Hazaribagh Synod.....	145-0-0	
Orissa Synod.....	412-0-0	
Manbhum Synod.....	75-0-0	
Singbhum Synod.....	139-0-0	
Burja Synod.....	147-0-0	
Govindpur Synod.....	5-0-0	
Assam Synod.....	30-0-0	
Proposed.....	100-0-0	
	1523-0-0	x 12
		17,956-0-0.
	18,276-0-0	
Less income expected.....	320-0-0	
	17,956-0-0.	

5. Medical Work.

3 Doctors.....	Rs. 100-0-0	
1 Sweeper.....	8-0-0	
	108-0-0	x 12.
		1,296-0-0
Medicines for 3		
Dispensaries.....	800-0-0	
	2096-0-0	
Less income expected.....	200-0-0	
	1896-0-0	
		1,896-0-0

P. T. O.

Deficit.

6. Contingencies.

President's Office...

Secretary's Office Rs. 125-0-0 p-m-x 12

Treasurer's Office

1,500-0-0.

1,500-0-0.7. Meetings and Conventions.

C.C.&C.C. Executive..... 1000-0-0

Mahasabha & Pastors' class

1500-0-05500-0-0.

5,500-0-0.

8. Travelling & Transfers.

C.C. Officers & Members. 12,840-0-0

Transfers..... 8,160-0-0

21,000-0-0

21,000-0-0.

9. Pensions.

Mr. N. Soy..... 50-0-0

Rev. I. Ekka..... 15-0-0

" A. Topno..... 15-0-0

" S. Sarkar..... 15-0-0

" J. Maraiya..... 15-0-0

" M. Purty..... 15-0-0

" C.C. Topno..... 15-0-0

" M. Manki..... 15-0-0

" J. Minz..... 15-0-0

" D. Haro..... 15-0-0

185-0-0 x 12

2,220-0-0.

2,220-0-0

10. Charity..... 100-0-0.

11. Contribution to Prov. Fund.

Rs. 200-0-0 x 12

2,400-0-0

2,400-0-0.

12. Primary Schools.

Kajridipa school..... 12-0-0p-m.

Nindih "..... 20-0-0

Golidih "..... 8-0-0

Madhapur.. "..... 10-0-0

Sachapani. "..... 45-0-0

Ichkella. "..... 30-0-0

Gossner L.P. "..... 10-0-0

Bethesda L.P. "..... 100-0-0

325-0-0. x 12.

3,900-0-0.

3,900-0-013. Tabitha Bible Training School.

20 stipends @ Rs. 10/-p.m. 200-0-0

4 " @ Rs. 15/-p.m. 60-0-0

Miss M. Kandir's salary.... 30-0-0

2 teachers @ Rs. 20/-each.... 40-0-0

3 poor children(help) @ 40/-30-0-0

360-0-0 x 12.

3,120-0-0.

4,320-0-0

Less subsidy from Kuratorium.

Rs. 100/-p.m. x 12..... 1,200-0-0

3,120-0-014. Motor Expenses.

Driver's salary @ Rs. 50/-p.m. x 12 ... 600-0-0

Repair, Petrol, Taxes etc..... 1400-0-0

2,000-0-0

2,000-0-0.

15. <u>Contribution to N.M.S.</u>		
Annual contribution paid to Lutheran N.M.S.		<u>Deficit..</u>
		Rs. 1,000-0-0.
1. <u>Audit Charges.</u>		
Annual average charges.....		Rs. 500-0-0.
1. <u>Calcutta Lutheran Work.</u>		
1 Pastor - Salary.....	Rs. 70-0-0 p.m.	
Allowance	55-0-0.	
House Rent.	75-0-0.	
Upkeep of church.....	10-0-0.	
	Rs. 210-0-0. x 12.	
	2,520-0-0.	
Less income expected at Calcutta.....	1,200-0-0.	Rs. 1,320-0-0.
	Rs. 1,320-0-0.	
16. <u>Bible Translation.</u>		
Rev. S. Bago--Salary	Rs. 80-0-0 p.m.	
Contingency..	Rs. 10-0-0.	
	Rs. 90-0-0. x 12	Rs. 1,080-0-0.
	1,080-0-0.	
19. <u>Printing & Publishing.</u>		
Printing of Minutes, proceedings, Annual statements of accounts, pamphlets etc.		Rs. 720-0-0.
20. <u>Study Help (to college students)</u>		
Paid from the subsidy received from the Federation of Lutheran Churches of India....	Rs. 2,500-0-0.	
21. <u>Catechists' Training School.</u>		
20 stipends @ Rs. 15/-.....	300-0-0 p.m.	
Head Masters' Salary & Allow.	100-0-0.	
Asstt. Masters' Salary & Allow.	77-0-0.	
Contingency.....	10-0-0.	
	Rs. 487-0-0. x 12.	
	5,844-0-0.	
Repair, Furniture etc.	300-0-0.	Rs. 4,344-0-0.
	6,144-0-0.	
Less income expected from Synods.....	1,800-0-0.	
	4,344-0-0.	
22. <u>Affiliation Fees.</u>		
Bihar Christian Council....	Rs. 83-0-0.	
Utkal " "	75-0-0.	
Assam " "	30-0-0.	
Bengal " "	25-0-0.	
Serampore University	600-0-0.	
L.W.F.	1476-0-0.	Rs. 2,939-0-0.
F.E.L.C. India.	600-0-0.	
Literature Society, Allahabad.	50-0-0.	
	Rs. 2,939-0-0.	
23. <u>Contributions.</u>		
Joint Mission Board.....	Rs. 2,500-0-0.	
Madras Gurukul College.....	1,000-0-0.	
1 Stipend at Madras.....	300-0-0.	Rs. 3,900-0-0.
Serampore Theol. College.....	100-0-0.	
	3,900-0-0.	
24. <u>Youth Organisation.</u>		
Subsidy.		Rs. 300-0-0.

Women's Work

Deficit

1. Bible Women salary Rs. 30-0-0
 Allowance..... 10-0-0
 T.A. etc..... 15-0-0
55-0-0 x 12

660-0-0

Subsidy to Women's Assn
200-0-0
860-0-0

Less income expected from Women's Assn. 100-0-0
760-0-0

26. Miscellaneous & Unforeseen.

Average expenditure on this head per year..... 2,500-0-0.

27. Head Quarter Congregation.

Average expenditure of the Congregation is Rs. 3,000/- p.a. met by its own income. x

28. Congregations & Educational.

The average expenditure of Rs. 3,50,000/- p.a. is met by the income of the Synods and the educational institutions of the Synods x

Rs. 92,912-0-0.

Less income expected from the Synods on account of Church membership contribution @ -/8/- per confirmed member of the Church

Rs. 32,912-0-0.

Subsidy applied for from the W.C.C. of Missions.

Rs. 60,000-0-0.

J. K. Sharma
 President,
 G.E.L. Church, Ranchi.

K. S. Sharma
 Secretary,
 G.E.L. Church, Ranchi.

B. M. H. S. S.
 Asst. Treasurer,
 G.E.L. Church, Ranchi.

B.L.15/4/55.

To,

All the Members of the Surguja Board.

Honourable members of the Surguja Board, be my Yishusahai to you all.

Because I have been moved by all the field workers, I have a great desire to reveal before you the following facts of our experience which we could gather in the field when our late Rev. B.J.Krupadanam, B.A., B.D. was our leader in the field of Surguja. Along with our experience we want to give our frank opinion to the Board as regards the next successor of the late missionary the Rev. B.J.Krupadanam.

A. OUR FIELD EXPERIENCES.

1. Just after the departure of our late missionary the Rev. B.J. Krupadanam, all the Pastors and Evangelists began to recollect his capacity, guidance, enthusiasm and instructions which he contributed to us during his life. Because the workers have already tested the capacity and guidance of a south Indian missionary like the Rev. B.J. K., they are again seeking for the same kind of good leading from a south Indian missionary. Every heart is saying that the work is not going to be controlled and managed without a south Indian missionary. The late missionary adequately and practically guided and taught us how to present the gospel to the high caste Hindus. Hence for the sake of the same kind of work and guidance among all castes the field is in the need of a qualified missionary who is possibly available from the south. Our late missionary, by his labour could start to ~~xx~~ bring some high caste Hindus to the ~~ord~~. Therefore, so as to continue the same work among many castes we are in the need of an able leader like him. We have the responsibility to present the gospel to the entire people of the area. In order to do the adequate gospel preaching among all castes we are in the need of a qualified leader from south India.

2. The oppositions and obstacles by the Arya Samaja and Hindu Mahasabha are increasing day by day in the field. Some evangelists and the Pastors have been beaten by them. Some evangelists have been driven away from their residences by the anti-christian agencies. Therefore the guardian and leader of our workers should be a qualified and an influential person. Our future leader in Surguja should never be less than a B.A., B.D..

As a matter of fact the anti-christian agencies could have no courage to harass and attack our converts and workers under the influence and personality of our late missionary the Rev. B.J.Krupadanam. Because of his influence and personality our workers were respected by the common public. Now after the departure of our ~~workers~~ late missionary, these anti-christian agencies are again inclined to harass our workers and converts. We are afraid lest our work be unpopular in the field for the want of an influential personality. The people of Surguja have better impression and greater favour for a south Indian christian or a missionary. If we want to be the friends of Surguja we must have a south Indian missionary in the Field.

Now we see that the converts of Surguja have given up their caste feeling. This is a fact because many of them are also crying for the south Indian missionary. Unless we control and balance our field by checking ~~and depending~~ the anti-christian oppositions the conversion will not progress as it did in the beginning. Therefore, in order to influence or control these anti-christian agencies and to popularize our evangelistic work in the area and to win the favour of the entire population all the workers are anxiously waiting for a south Indian missionary.

3. So the fact of our experience in the field is ~~compelling~~ compelling us to call and demand for a south Indian missionary. After the departure of our late missionary Rev. B.J.K., all the pastors and evangelists of the field sent their appeals to the Surguja Board. In the Field ~~council~~ council on the third and the fourth January, 1955 all the parish representatives and Pastors expressed their unanimous appeal before the field superintendent again in the field council from the 27th to the 29th January, all the council members gave their unanimous appeal to the President, Rev. J.Lakra the present general Supervisor of the field.

B. OUR SPIRITUAL PRINCIPLE.

4. Under the merciful guidance of our Lord Both the Gossner workers and the south Indian missionary could combinedly work in the field from 1951 to '54. All the workers of the Field have the desire to work combinedly in the future also. As we have started the work combinedly so shall we promote the work combinedly. As we have combination in the Surguja Board, so shall we preserve our combination in the practical field. Oh! fellow militants in the Lord let us come from the south and the north to enter together in the newly opened door of Surguja. Let us combinedly flourish the newly established garden of the Lord with an aim to bring the labourers from as many castes as possible, and bring the souls into the garden from as many castes as possible, because our Lord has commanded His disciples to teach all the nations. Let us prove in the field of Surguja that the door of salvation in Jesus Christ has been opened for all the castes and tribes. We feel the joy when we come to know that the saved souls in Surguja till this day belong to the following castes and tribes :-

Ursons
Panakas
Korvas
Lohars
Gonds
Panjabis.

5. In the entire programme of our evangelistic work in Surguja, our aim is to spiritually build up the church. The principle of materialism and lavishness in the part of the field workers will surely be the cause of the failure in the programme of spiritual building of the Church. From its very beginning, we shall lay the foundation of self-support. The duty of Christian Giving, should be taught and exercised from the very beginning of their Christian life. But the support of the church must be rooted in its spiritual life. Spiritual life and Christian giving must go together hand in hand. Spiritual nourishing will be the crown and success of our spiritual building of the church. If the believers have given themselves for God they will surely open their hands for God. So, without the principle of materialism and lavishness our aim is the spiritual building of the Church. Jesus Christ says 'Seek ye first the kingdom of God, and His righteousness and all these things shall be added unto you'. Along with this above principle we shall seek the most necessary help from our Christian brethren of the United Lutheran Churches in America.

The late missionary the Rev. B.J. Krupadanam, always tried to lay the foundation of Christian giving in the new congregations and we can see the results now in many congregations. He always had the principle of economy. When the field is seeking for a south Indian missionary it is also believing that he will lead the work with the principle of economy. (the spiritual building of the church without the principle of materialism and lavishness). The south Indian missionary will also be quite fit for the spiritual building of the church. In conclusion I beg to say that, in order to win the favour of the common public, to check and control the anti-Christian opposition by influence, to respond to the call of many castes, to increase the courage and enthusiasm of all the workers and to spiritually build up the church we earnestly beseech the Surguja Board to kindly appoint an able and qualified leader for Surguja from a south India.

All the field workers will be ever thankful to the Board for the consideration about a south Indian missionary.

I request the president and the secretary of the Board to kindly read this statement in the Board meeting on the 28th Feb. at Guntur.

This report has been sent a few days early so as to enable to be read and thought over before the Board meets.

I conclude with the Vishu Sahai and the greetings of the Field.

Your fellow militant in the Lord.

86. M. Elaka.

24-2-55.

Field representative to the Board.